Tarashika Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऽथाऽनुमः सामवेदस्य॥ उपाऽअसोगायतनरः। पवमानायेदवेऽअनिदवानूइयक्ता
अनितमधुनापयः। अथर्वाणः। अक्षिम्यदुः। दवांदवायादसः। नः। पवस्वशंगवेशंजना
यशंऽअर्वतेशंगऊभ्यऽउषधीभ्यऽउषधीभ्यः॥ १॥ दविक्षतन्याकृवा। परिष्टोनंन्याः। परिसो
नंन्याऽरुपा। सामाः। शुक्राः। गवाशिरः। गोऽआशिरः। हिन्वानः। दशभिः। दितः। आवाक्रंवा
जाऽअक्रमीत्। सीदंतः। वनुषः। यथा। ऋधक्। सामा। स्वस्तयेसुऽअस्तयेसंजग्मानः। सांऽउ
गमानः। दिवाकावा। पवस्व। सूर्यः। दृशा॥ २॥ पवमानस्यातेकवा। वाजिन्। सर्गाः। असृक्षत।
अर्वतः। नाऽश्वस्यवः। अछागकाशंमधुऽकृतं। असृग्रं। वारेऽअव्ययेऽअवावशंतधीतयः। अछा
समुद्रंसोऽउयंऽइंदवः। अस्तंगावः। नधेनवः। अगमन्। कृतस्यायानिं। आ॥ ३॥ अयंऽआयादि

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

॥ निर्वेरणं अस्य पातं धिया इषिता इंद्राग्नी इंद्राग्नी इति ऊर्ध्वः सचाय इः ॥

वरुणा इंद्राकिना उप वल्गणिनः स्तुवल्गणः आ युजा वयं साम पाम् सोम पा इंद्रा सोमिनः सुतावंतः इकमाद्दा इंद्राग्नी इंद्राग्नी इति आ गतं सुतं गीर्भि

घृता सुविव्रता घृणाना जमदग्निना जमत्ना अग्निना या नो कनस्या सीदतं पातं सोमं ॥

॥ इता वृधा ॥ ५ ॥ आया हि सुषुमा हित आ त्वा वृल्ल युजा वृल्ला युजा ट्वीशति

उक्थ्यो नामा उक्थ्यो नामा वृधा नमः ॥ वृधा मह्ना दक्षस्य राजथः ॥ अग्निर्जुषित्रो अजरो

यु श्रवस्यां अछा दवा विवासति हृदा आग्ना सुवीर्यं सुवीर्यं ॥ ६ ॥ आ नासत्या वरुणा

वानवो नंत्रा समिद्भिः सं दद्भिः अगिरः हृतेना वर्ध्यामसि हृदा शोवाय विष्ठा सः नः ह

Digitized by Vedika Bharata/Suparna Trust, Mayapur, New Delhi.

Takshashila Project

जिगात्नि॰चेतनः॰अया॰पातं॰इमं॰सुतं॰इंद्र॰अग्निं॰कविक्रतू॰कवि॰सत्ता॰यज्ञस्य॰ऋत्वा॰
हृणे॰ता॰सामस्य॰इदा॰इंपताम्॥७॥अज्राति॰नातमं॰धसः॥८॥उनानः॰सोमं॰पीतये॰उक्षानः॰
अपः॰दिव्यं॰मधु॰प्रियं॰प्रत्नं॰सधस्थं॰सधस्थं॰आ॰असदत्॰आ॰इच्छं॰आ॰इच्छु॰धरुणं॰
वाजी॰अर्षति॰नृभिः॰॥ओनः॰विचक्षणः॰विचक्षणः॥९॥प्र॰उद्वयं॰दिवस्परि॰कोशं॰निषिंचते॰
स्वायुधः॰सुआयुधः॰पवते॰देवः॰इंदुः॰अस्मिन्हा॰अस्मिन्हा॰ऋतमादः॥
नारदस्य॰नाम॰ऋषिता॰सुदक्षः॰सुदक्षः॰विश्वतः॰विश्वतः॰दिवः॰धरुणः॰पृथिव्याः॰क
विः॰विप्रः॰विप्रः॰पुरएता॰पुरः॰एता॰ऋतस्य॰नाम॰ऋचुः॰कः॰चुः॰धीरः॰उशनाः॰कवे॰
येनाः॰सः॰चित्रा॰विवदा॰विहिनं॰नि॰हिनं॰यः॰आसाम्॰अपीच्यं॰गुह्यं॰नाम॰गोनाम्॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayur Vihar, New Delhi

Takshashila Project

॥१०॥ अस्मि वा सूर नोनुमो ना चो वा नू अन्यो अन्यो दिव्यो ना पार्थिवो ना जातो ना जनिष्य
तो अश्वायं नो मघवन्निंद्र वाजिनो गव्यंतो वा हवामहे ॥११॥ कया ना चित्र आ भुवत्
को वा सखा सखायो मदाना मु मऊहिषो मघवन्त्सो अंधसो दाहा चित्त आ रुजे आ रुजे वसु
अनी सुनो सहवीनां सहवीनां अविता भूतु नो नवा सि कृतये ॥१२॥
तं वां रथं वयं हवीषा हवंति सुद्योतुं सुदानुं नविषासु नि आवृतं आवृतं गिरिं ना
पुरुत्रा जसं पुरुत्रा जसं हुमंतं वाजं शतिनं सहस्रिणं मंहिष्ठं गोमंतं ईमहे ॥१३॥
नरो नि वो विदत्सुनायं दुध्रा वरंता ना स्थिरा मुरो मदेषु शिप्रिं अंधसो यो आदित्या आ।
दित्या शशमानाय सुन्वते दाता जरित्रे उक्थ्यं ॥१४॥ रुचादित्या मदिषुया रसो हा रुद्रो।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सा॒ विश्व॑चर्षणिः॒ विश्व॑ऽचर्षणिः॒ आ॒ऽति॒ऽयो॒नि॒ऽअ॒यो॒ऽह॒ते॒ऽअ॒यः॒ऽह॒त॒ ज्रो॒णे॒ सध॑स्थं॒ सध॑ऽस्थं॒
आ॒ऽअस॑दत् वरि॑वो॒धात॑मः॒ वरि॑वः॒ऽधात॑मः॒ नु॒वो॒॒ऽम॒घ॒ऽदि॒॒भ्यः॒ वृ॒त्र॒ऽह॒न्त॒मः॒ वृ॒त्र॒ऽह॒न्त॒मः॒
प॒षि॒॒ऽरा॒धः॒ऽम॒घो॒नां॥२५॥ प॒व॒स्व॒ म॒धु॒म॒त्ऽत॒मः॒ य॒स्य॒ऽत॒ इ॒न्दो॒ऽइ॒॒ऽय॒ते॒ऽअ॒स्य॒ पी॒त॒ये॒
स्व॑र्विदः॒ स्वः॒॒ऽविदः॒ सु॒ऽसु॒प्र॒के॒तः॒ सु॒ऽप्र॒के॒तः॒ अ॒नि॒ऽअ॒क्र॒मी॒त्॒ऽइ॒षः॒ अ॒च्छ॒ वा॒जं॒ऽन॒॒ऽए॒त॒॒ऽसा॒॒ः॒
॥२६॥ इ॒न्द्र॒मच्छ॑ सु॒ता इ॒मे॒ऽअ॒॒ऽय॒॒ऽन॒रा॒य॒ सा॒न॒सिः॒ इ॒न्द्रा॒य॒ प॒व॒न्ते॒ सु॒ताः॒ सोमः॒ ज्रि॒त्र॒स्य॒ चेत॑
ति॒॒ऽय॒था॒॒ऽविदे॒॒ऽअ॒॒ऽय॒॒ऽइ॒त्॒ऽइ॒॒ऽइ॒॒ः॒ मा॒द॒॒ऽयु॒॒ऽआ॒॒ऽआ॒न॒ं॒ऽए॒॒ऽन्द्रा॒॒ति॒॒ सा॒न॒सि॒ं॒ वज्रं॒ चा॒॒ऽइ॒॒ष॒॒ण्यं॒ नर॑ं॒
सं॒ऽअ॒सु॒॒ऽजि॒त्॒ऽअ॒॒ऽसु॒॒ऽजि॒त्॒॥२७॥ उ॒रो॒ऽजि॒नी॒वा॒ऽअ॑धमः॒ यः॒ धा॒रया॒ पा॒व॒कया॒ परि॑ऽप्र॒स्यं॒द॒ते॒ प॒
रि॒॒ऽप्र॒स्यं॒द॒ना॒॒ सु॒ते॒ः॒ इ॒न्दुः॒ अ॒श्वः॒॒ऽन॒॒ऽऊ॒ह्यः॒॒ गां॒ऽउ॒रो॒षां॒ऽअ॒त्ये॒॒ नरः॒ सोमं॒ वि॒श्वा॒च्या॒ धि॒या॒ य॒

Takshashila Project

ज्ञया संतु अद्रयः आ द्रयः ॥१९॥ अक्ति प्रिया णि पवते चनोहितः ऋतस्य जिह्वा पवते मधु
प्रियं वक्वा पतिः धियः अस्याः अदान्यः आ दान्यः दधाति पुत्रः पुत्रा पित्राः अपी
च्यं नाम हतीयं अधि रोचनं दिवः अवा द्युभानुः कलशानू अचिक्रदत् नृभिः यमानः को
शे आ हिरण्यये अनि ऋतस्य दाहुनाः अनूषत त्रिधातवः त्रि पृष्ठः त्रि उषसः वि
राजसि ॥२०॥ यज्ञा यज्ञावो अग्नये ऊर्जः नपातं सः हिनाय असमयुः दाशेम हव्य दातये
हव्यदातये नु वतः वाजी अविता नु वतः पृधः उतावाता तनूनां ॥२१॥ एतु सुवक
लिता यत्रा क्वा चातिमनः दक्षं दधासि जनयो नयो त्रा योनिं हरण्यये नाशितं वर्त्रं आ हि
पत आ हि पतिं नु वतः तमानां पात अधः उवः वनवसे ॥२२॥ वयसु वा सूर्यं उपा का के

मे

Takshashila Project

र्मन्नऊतयेसःनःयुवाउग्रःसक्रामायःधृषत्वाम्इत्दिअवितारंवरमेसखायः
सखायःइंद्रसानसिं॥२॥अधदीद्यगिवीणःवाःनाचायव्यानिःवर्हनिशूरब्रह्मालिक
धृष्ण८सांचित्अद्रिवःआद्रिवःदिवेदिवादिवेदिवे॥युंजंतिहरीइतिशविरस्यगाथं
याउतोरथिउरुयुगेउरुयुगेवत्वायुजावचःयुजाइंद्रवाहाइंद्रवाहस्वर्विदा
स्वःविदा॥२॥॥अर्धप्रपाठकः॥॥पांतमावोअंधसःउरुक्रुतंपुरुष्टुतंगाथान्यंसनश्रु
तांसनाक्रतांइंद्रःइतिब्रुवीतनाब्रुवीतनाइंद्रःइत्नःमहोनांसुदाताराजानांमृ
डःमहान्अनिशुअनिशुआवमत्॥१॥प्रवइंद्रायमादनंहर्यश्वायगायत
नावासुतंसनवेउतक्रतुंक्रतुंयथानरःचक्रुमान्यसवराधसेसवाराधसो

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

त्वानः इंद्र वाजयुः वाघद्भ्यः शतक्रतो शतक्रतो वसो ॥२॥ वयमुत्वा तदिदर्थाः नाघाईमु अन्यत्रा अमू यत्रा आपपना वज्रिन्नु अपसः नविष्टो तवशः इत्नु ते ।
स्तामेः चिकेतन इछंति दवाः सुन्वंतो न स्वप्नाय स्पृहयंति यंति प्रमादं प्रमादं अतंद्राः आतंद्राः ॥३॥ इंद्रायमद्यनसुतो यस्मिन्नु विश्वाः अधिश्रियः रणंति सप्तसप्तः सदः सदः इंद्र सुतस्त्वमाद्य त्रिकद्रुकेषु त्रिकद्रुकेषु स्वतनं दवगमः यज्ञं अत्रा
नातः इत्नु वर्धदानः गिरः ॥४॥ अयंतइंद्रसोमः शोचिषा शोचिषा शोचिषजनः शोचिषजनः अयंरणाय तासुतः आखंडलाप्रियः यः तशृंगवृषः शृंगावृषः नपात्रेपात्रे पात्रेपात्रे कुंडपाय्यः कुंडपाय्यः नि अस्मिन्नु दध्र आमनः ॥५॥ आ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

इनइंद्रकुमंतंविष्णोहोवाउविक्रमिंउविक्रमिंउविदस्मंउविदस्मंउविमघंउविमघं।
उविमात्रंउविमात्रंआवानिःनाहिष्वाशूरादवःनामर्त्तासः।दिसंतंनीमंनागम्
वारयंतः॥घाअनिचाहतनासुतोमाचाहराःअविष्यवःमाउपहस्वानःउपहस्वानःआ।
दननोमाकीमत्रस्लघिंत्रस्लघिंवनःहहाचागोपरीणसंगापरीणसंमादनं
इंद्राराधसःसरःगोवःयथापिबा॥उदंवसोसुतमंधःनृनिःक्षेतःसुतःअस्मेःआ
याःवातेःपरिस्रुतःपरिस्रुतःअश्वःनानिक्तःनदीष्वानंतायवंयथागात्रिःस्वा
र्कंअकर्मश्लोकंनःइंद्राचाअस्मिन्सधमादेसधमादे॥नाइहत्वंचोऊसायः
तेअनुस्वधांस्वधांअसुनोसुतानिायछातव्यंसःचाममत्तुसोम्यःपातेअग्नेत

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऊत्यो:। प्राइंद्रा वृत्रहणा शिरः। प्रा बाहू इति। शूरा राधसा॥ ६॥ आ त्वेता नि षीदत। इंद्रमुभे। इह। प्रियमेधवत्। सुतसोमाः। अभि। प्रयः। नवग्वाः। सोमपीतये। इंद्रं। मदाय। जुजुषाणासः। आ। वृषायंत। वृषणं। सोमपीतये। इंद्रं। विश्वा। अवीवृधन्। समुद्रव्यचसं। गिरः। रथीतमं। रथीनां। वाजानां। सत्पतिं। पतिं। मघवानं। मघोनां। प्रशस्तिः। दाशुषे। जनि। इंद्रो। यज्वने। पूरवे। उप। बर्हिः। आसदे। तवं॥ १॥ इंद्र। सुते। सोमे। सचा। मधौ। समुक्षिते। महा। उक्थानि। वावृधे। पुरूणि। यानि। केवलः। कृणोति। प्रविद्वान्। इंद्रः। तानि। ते। करणा। प्रवाच्या। अकर्म। यानि। एभिः। नः। मघवन्। इंद्र। शंसः। अस्माकं। बोध्यविता। महाधने। भवा। नः। सुष्मिन्। वृधे। उपमं। यं। त्वा। वृत्रेषु। वज्रिणं। नूनं। काव्या। उशना। शिश्रियत्। सहः। यं। देवासः। अनुमदंति। सोमे। यं। विश्वे। मरुतः। यं। सजोषसः। यं। विष्णुः। यं। उत। वायुः। ऋभुक्षणः। यं। रुद्रासः। सुवृधं। हवंते। यं। विश्वे। सिंधवः। यं। स्वर्णरः। यं। पर्वतासः। गिरयः। यं। जिन्वथः। यं। द्यौः। पृथिवी। यं। आपः। यं। अर्णवः। यं। पन्यासः। धनयंते। अक्षिताः। यं। देवासः। अवथ। वाजसातये। यं। शूरसातौ। यं। हिते। धनंजये। यं। समत्सु। असुरा। यं। जनस्यवः। यं। विप्रासः। अवसे। हवंते। तं। त्वा। वयं। इंद्र। भरे। धनस्पृतं। उत। त्वा। अस्मिन्। जनकाः। यथा। वयं। हवामहे। पितरं। सोमपीतये। उत। प्रपितरं। हरिवः। सुतस्य। नः। विश्वासां। गीर्वणः। शुष्मिन्। वृधे। भूतु। विश्वासां। सुतानां। पिबा। इत्। अस्य। मधुमतः। चारुः। मदाय। पतये। तुराषाट्। इंद्र। गिर्वणः। उपेमं। सु। सुतं। पिब। मधुमंतं। घृतश्चुतं। विभंदकस्य। वृषभ। वृषा। रसं। तं। ते। हरी। इंद्र। वृषणा। युजाना। वृषभिः। वृषन्। वृषणं। वहतः। सुतं। पिब। वृषधूतस्य। वृषभ। वृषा। रसः। वृषा। त्वं। वृषदेवः। वृषाकपिः। वृषा। होता। वृषधः। सोमपीतये। वृषन्। उक्थानि। वृषणे। वृषा। वद। वृषा। स्तोमं। यजसे। वृषणं। भर। वृषा। यज्ञः। वृषभिः। याति। सत्वभिः। वृषा। स्वाहुतः। वृषभः। दिवः। कविः। वृषा। मतीः। वृषणं। सोमं। आसते। वृषा। यज्ञः। वृषणं। याति। दाशुषे। वृषा। दक्षः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। मनीषां। वृषणं। पुरंधिषु। वृषा। रयिः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्युम्नं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सहः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। विश्वं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। भूमा। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अग्निः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। समिधानः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पवस्व। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सोमः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। विप्रः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। मदः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। विभुः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। शुक्रः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। शुचिः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सुतः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अपः। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अभि। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। शतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। दशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकादशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्वादशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रयोदशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्दशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचदशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षोडशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तदशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टादशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। विंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्वाविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रयोविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्विंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षड्विंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टाविंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनत्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकत्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्वात्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रयस्त्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुस्त्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचत्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्त्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तत्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टात्रिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुश्चत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्चत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टाचत्वारिंशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनपंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकपंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विपंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिपंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुष्पंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचपंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्पंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तपंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टापंचाशं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुःषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्षष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टाषष्टिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुःसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्सप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तसप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टासप्ततिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनाशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकाशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्व्यशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्र्यशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुरशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचाशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षडशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्ताशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टाशीतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोननवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। नवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकनवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विनवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिनवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्नवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचनवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षण्णवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तनवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टानवतिं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। शतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुःशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्शतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टाशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोननवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। नवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकनवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विनवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिनवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्नवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचनवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षण्णवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तनवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टानवशतं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुःसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्सहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टासहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोननवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। नवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकनवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विनवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिनवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्नवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचनवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षण्णवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तनवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टानवसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोननवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। नवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकनवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विनवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिनवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्नवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचनवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षण्णवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तनवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टानवनवतिसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोनशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। शतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुःशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षट्शतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टाशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकोननवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। नवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। एकनवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। द्विनवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। त्रिनवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। चतुर्नवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। पंचनवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। षण्णवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। सप्तनवशतसहस्रं। वृषभः। वृत्रहंतमः। वृषा। अष्टानवशत

Takshashila Project

योऽजनेऽअक्षाऽनिषन्नोऽकसाऽविश्वाऽनोऽठसाऽसः।उद्वत्स्वाऽकृतःसुऽआकृतःसुवृक्ति
सुऽवृक्तिऽयज्ञःसुशमीसुऽशमीवसूनाम्।दिवंऽरुधःऽजनानाम्॥१७॥यऽइऽअद्य
यामिऽउतऽत्रियाःऽउऽत्रियाःऽऋऽजेऽसूर्यःसचाऽउद्यन्ऽउतऽयन्ऽनक्षन्ऽअविंवन्ऽतनू
इवाऽउधःयुधिऽविऽऋषिऽसूर्यस्यऽवसंऽनऽकेनाऽगमम॒दि॥१८॥इमाऽउवांदिविष्टयःयुवं
विशंऽइत्थुःनिऽअजमंऽनगाऽवोढ्याम्।सऽहूतावतासूऽहूतावतार्वाऽरथंसमे
नसाऽसामिनसाऽनिऽयछतंऽपिबतंऽसाम्यंऽमधु॥१९॥अस्यऽपत्नाम्ऽअनुऽघृतंऽसुकं
ऽउऽकंऽअक्रुयःऽआऽक्रुयःपयःसऽहस्रसामऽसऽहस्रसामम्ऽऋषिंऽअयंऽसूर्यःऽइवऽ
उपऽहकंऽउपाऽहकंऽअयंऽसगंऽसिधवतिऽसप्तऽस्रवतःऽआऽदिवंऽअयंऽविश्वानिऽति

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

शतिधुनानः। चुवनाः। उपरि। सामः। दृवः। ना। सूर्यः॥१६॥ एषः। पन्नेन। जन्मना। स्वः। दृवे
अपः। सुतः। हरिः। पवित्रे। अर्षति। एषः। पन्नेन। मन्मना। दृवः। दृवेभ्यः। परि। कविः। विप्रेण।
विप्रेण। वावृधे। कुरानः। पन्नं। इत्। पयः। पवित्रे। परि। सिच्यसे। क्रंदन्। दृवान्। अजीः
जनः॥१७॥ उपाशिक्षन्। अपतस्थुषः। अपातस्थुषः। नियमे। आधविः। शश्वता। पवमानः। विः
दः। रयिं॥ उपा सुजातम। सुरुचं। उपासमे। गायता। नरः॥१८॥ पासामसा। विपश्चितः। अभि।
द्रोणानि। बभ्रवः। शुक्राः। ऋतस्य। धारया। वाजं। गोमंतं। अस्रवन्। सुताः। इंद्राय। वायवे
वा। वरुणाय। मरुद्भ्यः। सोमाः। अर्षंतु। विष्णवे॥१९॥ पासामादवधीनाय। आ। इत्। ईम्। दृ
दः। सः। यथा। गणं। विश्वस्य। अवीवशत्। मतिं। अग्रेः। न। गोभिः। अजयत। आत्। ईम्।
आदर्यते। वरिः। अक्तोः। अधि। प्रियः। सूनुः। न। मर्जः। नं। ईं। हिन्वंति। अपसः। यथा। रथं। नदीषु। आ। गभस्त्योः॥२०॥ पवमा

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

इतस्याः योषणः। हरिं। हिन्वंति। अग्रिनः। आ। दिवं। इंद्वः। इंद्रायः। पीतये॥२॥ अया। पवस्व। देवयुः। देवेभिः। जनभिः। पवित्रं। पर्षि। अक्षितं। विश्वतः। मधोः। धाराः। असृक्षत। पवते। अर्षति। अनु। हरिः। प्रसुन्वानः। अयासीत्॥३॥ ॥इति प्रथमः प्रपाठकः॥ ॥पवस्व। वाजसातये। अद्रिऽयः। सोम। विश्वानि। ऊतिभिः। अति। विश्वानि। काव्या। त्वं। समुद्रियाः। सानविऽयाः। अपः। अग्रियः। वाचः। ईरयन्। पवस्व। विश्वचर्षणे। विश्वा। चर्माणि। उत्ऽया। इमा। जुवना। काव्या। मदिन्ऽतमः। सोम। तस्मै। तिरो। धाव। मधुऽमान्। इंदवे। नवः॥४॥ पवस्व। देव। धारया। सुतः। यस्य। ते। सख्ये। वयं। रायः। स्याम। पतयः। अघऽनाम्। उत। त्रातः। इंद्र। भवा। तोकानां। नः। आयुधा। निऽगमानि। संऽनिधूर्वणे। रक्षा। समस्य। नः। निदः॥५॥ इषे। सोम। द्युमान्। असि। हस्तयुः। ते। हस्त्यः। अवः। इषा। दनः।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वृषासुतः।सः।वंः।वृषन्।वृषाऽइत्।असि।अश्वः।निऽवक्रदः।वृषा।सं।गाः।इंदो।सः।अर्वतः।विऽनः।राया।डुरः।वृधि॥३॥ वृषाऽइत्।असि।अनुऽमाद्यः।वृषा।हरिः।पवमान।वृषाऽवसुः।वृषा।सहस्रं।भूरिऽदाः।वृषा।पवित्रं।परिऽसिच्यसे।परि।सिंव।सं।मर्जयामहे।सः।आयुषिः।इळेन्यः।सधस्थं।सधस्थं।आ।पवस्व।सुवीर्यं।सुऽवीर्यं।मंदमानः।स्वायुधा।सुऽआयुधा।इदा।ऊं इति।सुऽइंदो।आ।गहि॥४॥ पवमानस्य।ते।वयं।पवित्रं।अभिऽक्षरंतः।अजिं।रंतः।सखिऽवः।सखिऽवं।आ।हरीमहे।योनेः।निऽइळे।सदः।कनिक्रदत्।अभिऽक्षरंतः।अजिं।क्षरंतः।भारयाः।तनिं।नः।सामा।महुऽयासः।नः।धुनानः।धुक्षाः।नरां।नृऽशंसीं।वीरऽवतीं।मा।इषं।ईशानः।सोम।विश्वतः॥५॥ अग्निं।ईळे।पुरोऽहितं।यज्ञस्य।देवं।ऋत्विजं।होतारं।रत्नऽधातमं॥ अग्निं।अग्निं।अग्निं।होवीमि।सदा।हवं।विऽपतिं।हव्यऽवाहं।हव्यऽवाहं।पुरुऽप्रियं।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

यं पुरू षियं अग्ने दवान् इदा आ वह ऊर्जा नः हृत्के बर्हिषा हृत्का बर्हिषा असि
हि ता नः ईड्यः ॥ घा मित्रं मित्रं वयं हवामहे वरुणं सोम पीतये सोम पीतये
वा ऊ ना हृनस्कृमा हृत दक्षसा कृतना यो ऊ ना हृधो ऊ न हृधो ऊ नस्य ऊ ो
नि षः पती हृति ना मित्रा मि त्रा वरुणा ऊ व वरुणः प्रा विता प्रा अविता नु वतां मित्रः
मित्रः विश्वा नि ः ऊ ति नि ः करता नू नः सु गा धसः सु गा धसः ॥ ७ ॥ इंद्रमि क्षा थिनो हृद्
नू इंद्रः दीर्घाया वक्षसा आ सूर्यं क हयन् दिवि वि गा नि ः अद्रिं आ द्रिं ऐरय
नू ॥ ८ ॥ इंद्रो अन्ना नमः हृद्रत् सु हृक्तिं सु हृक्तिं आ हृरयामाद्रि धिया धेनाः अव ८
स्यवः ना दिशं चनः ईडाना हृत्था विप्रासः वि स प्रासः ऊतये सबाधः सा बाधः

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

कक्षसावाया वाजसातये नो वाम् गीर्भिः विपन्युवः प्रयस्वंतः स्वामदे मेधसाता
मधा सातौ मनिष्यवः ॥८॥ इषा पवस्व धारया तां चा धर्त्रा उणोः पवमान स्वर्दृशं
दिवो काऽषुवभ्रिनं अया चितः विपा अनया हरिः पवस्व धारया युजं को
ऽषुवादय ॥९॥ इषा त्रायाणः अभि कनिक्रदत् अभि कनिक्रदत् गाः नदयन्
एषि पृथिवीम् उत द्याम् इंद्रस्य इव वमुः आ सृष्टो अग्रे प्रवादयन् पवः
कोदयन् अर्षसि वाचं आ इमां सप्तिः न रसायाः पयसा पिन्वमानः ईरयन् एषि
मधुमंतं अंशुं पवमान संतनिं संतनि एषि कृण्वन् इंद्राय सोमा परिषिच्यसे मा
नः परिषिच्यमानः एवा पवस्व मदिः मदाय उदग्राभस्य उदग्राभस्य नमे

Takshashila Project

मयन्। वधस्नुं। वधास्नुं। परि। वर्ष्मा। नः। माणः। रुशंतं। गव्यः। नः। अर्ष। परि। सोमासिक्तः।
॥१२॥ आमिक्षिद्वां महि। सः। वां। नः। चित्रावङ्। हस्ता। वङ्। हस्ता। धृष्णुया। महः। रत्नवानः।
अश्विः। आश्विः। गां। अश्वं। रण्यं। इंद्र। सं। किर। सत्रा। वाजं। न। जिग्युषे॥१३॥ अभि। प्रवः।
सुगधसं। शतानीका। शताअनीका। इव। त्वाजिं। न। धृष्णुया। हंति। वृत्राणि। दाशुषे।
गिरेः। इव। प्ररमाः। अस्य। पिन्विरे। दत्राणि। पुरुभोजसः। पुरु। नः। ओजसः॥१४॥ त्वामि
दा। लोग्नरः। मंस्व। सुशिप्रिन्। सुशिप्रिन्। हरिवः। नं। ईमहे। त्वया। सूषंति। वेधसः। नवं।
स्रवाऽसि। उपमानि। उपा। मानि। उक्था। सुतेषु। इंद्र। गिर्वणः। गिः। वनः॥१५॥ यस्ते। मदो
वरेण्यः। जघ्निः। वृत्रं। अमित्रियं। अमित्रियं। सस्निः। वाजं। दिवदिवा। दिवा। दिवा। गोषणिः।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayjour, New Delhi.

Takshashila Project

नो॑ सा॒तिः॑ अश्वसाः॑ अश्वासाः॑ असि॑ संमिश्लः॑ संमिश्लः॑ असु॑वः॑ सुव॑ः॑ सूप॑स्थाभिः॑
सुउप॑स्थाभिः॑ नाधे॑नुभिः॑ सीद॑न्॒ऽइन्द॑वे॒ऽपि॑ना॒ नि॑ऽआ॑ ॥९॥ अय॑ंऽस्रा॒ऽरथि॑र्नगः॑
संऽत्रि॑यः॑ अन्॒ऽसृ॑ता॒ गाव॑ः॑ मद्रा॑ घृ॒ष्वयः॑ सामा॑सः॑ रुण्व॑ते॑ पथः॑ प॒व॒मा॒ना
सः॑ इन्द॑वः॑ यः॑ उ॒क्थि॑भिः॑ नं॒ऽआ॒ऽज॒रः॑ प॒व॒मा॒ना॒ श्र॒वा॒य्यः॑ यः॑ पंऽच॑ऽवर्षणीः॑ अ॒भि
रा॒ऽयो॑ येना॑ व॒ना॒ मा॒ह॒ ॥१०॥ दृ॒ळ्हा॒ मती॑नां पवते॑ विऽचक्ष॑णः॑ मनी॑षिभिः॑ प॒वते॑ऽ॒ह॒
व्यो॑ः॑ क॒विः॑ नृभिः॑ यत॑ः॑ प॒शि॑ः॑ को॒शा॒ऽअ॒सि॒षा॒द॒त्॒ त्रि॒ऽने॒त्या॑ ना॒मऽइ॑न॒य॒न्॒ मधु॑
क्षर॑न्॒ऽइन्द्रा॑य॒ वा॒यु॒ऽसर॑व्याय॒ सा॒ख्या॒य॒ वर्ध॑यन्॒ अय॑ं पुना॒नः॑ उ॒ष॒सः॑ अ॒रु॒ण॒
य॒न्॒ अय॑ं सिषु॒ण्वः॑ अ॒ज॒व॒न्॒ ग॒वा॒ऽलो॒कऽऋ॑तु॒ऽलो॒का॒ऽऋ॑तु॒ अय॑ं त्रिः॑ स॒प्त॒ऽसा॒तु॒

Takshashila Project

कुत्सानः। आ शिरं। आ। शिरं। सोमः। हृदे। पवते। वाकः। मदे। रः॥ ७॥ एवा ह्यसौ वीरयुः।
एवा गतिः। कुवित्। पथः। करत्। नः। विश्वा। अधि। द्वेषांसि। सह्याः। अधा। वित्। इंद्रः। नः। सहा। मा।
उः। सु। वज्रिन्। आ। भर। दृंहस्व। पूः। वाजानां। पते। मघऽवन्। सुतस्य। गोमतः॥ ८॥ इंद्र। विश्वाः। अवीः।
हि। धनं। सनेम। मा। परा। ते। इंद्र। वाजिनः। मा। जमा। रवसः। पते। त्वां। अभि। प्र। णोनुमः।
नुमः। ऋतारं। अप। वाजितं। आ। परा। जितं। इवीः। इंद्रस्य। रातयः। न। वि। दस्यंति। ऊतयः। यदा। वाजस्य। गोमतः। स्तोतृभ्यः। मंहते। मघं॥ ९॥ ॥ अर्चिः। पवमानः॥ ॥
एते। असृग्रं। इंदवः। तिरः। पवित्रं। आशवः। विश्वानि। अभि। सोभगा। सोभगा। वि।
घ्नंतः। वि। घ्नंतः। दुरिता। दुः। इता। दुरु। सुगा। सु। गा। तोकाय। वाजिनः। तना। ते।

एवंतः। अर्वंतः। रुषंतः। वसिवः। गव्। अभि। अर्षंति। सुष्टुतिं। सु। स्तुतिं। इडां। अस्म
त्यं। संयतं। सं। यतं॥ १०॥ रुद्राः। मधानिः। ईयात। पवमानः। मनोः। अधि। अंतरिक्षं
प्राया। तवे। आ। नः। सोम। सहः। जुवः। रूपं। न। अर्वन्। मरुतां। न। ऋष्वः। सुषाणः। देववीतये।
देववीतये। आ। नः। इंदो। शतग्विनं। रयिं। गवां। पोषं। स्वश्व्यं। सु। आ। श्वं। वह।
जगन्वांसं। ऊतये। ११॥ तं। वां। हस्तयोः। निऽवित्रं। सधस्थे। सु। सधाः। सधऽस्थे। सु। मदः। दिवः। न।
सूरः। सुऽश्चया। सु। अर्चया। इमाः। सं। वृक्तधृष्णुं। सं। वृक्तऽधृष्णुं। उ। शर्धं। मदानां। दिव्यं।
व्रतं। महः। महिऽव्रतं। मदः। शर्धः। पुरः। रुरुक्णिं। अंतः। वः। रयिः। अभि। अयत्। राजा।
नं। सुऽक्रतुं। सु। क्रतो। दिवः। वः। सुऽपर्सः। सु। पर्सः। अक्रंथीः। अ। क्रंथीः। नरं। अधः।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

हिन्वानः। इंद्रियं। ज्यायः। मदिंऽचं। आनशे। अभिष्टिऽकृत्। अभिष्टिऽकृत्। विऽवर्षणिः। वि।
वर्षणिः। विश्वासोः। इत्। स्वः। दृशे। साधारणं। रजस्तुरं। गोपां। ऋतस्य। विऽभरत्। शिः। इषे
पवस्व। धारया। पुनानः। वरिवः। कृधि। ऊर्जे। जनाय। गिर्वणः। गिः। वनः। हरे। सृजानः। आ।
शिरं। आशिरं। पुनानः। दिवे दिवे। दिवा दिवे। इंद्रस्य। या। हृदि। निऽसृतं। निः। ऋतं। धुक्षे
नानः। कलशे। दिनः। ॥८॥ अग्निना। अग्निः। सं। इध्यते। कविः। गृहऽपतिः। गृह। पतिः। युवा।
हव्यऽवाट्। हव्या। वाट्। जुह्वास्यः। जुह्व। आस्यः। यः। वां। अग्ने। हविष्पतिः। दवः। हविः।
पतिः। इतं। दिवा। मपर्यति। तस्य। सम्। प्रा। विता। प्र। अविता। नवा। यः। अग्निं। दिवे दिवे ११
चा। दिवा। दिवे। हविष्मान्। आ। विवासति। आ। विवासति। नः। सः। पावकः। दृडया।

पूनादश।

॥५॥ मित्रं। मित्रं। कवे। इतऽदां। वरुणं। वा। मिशादसं। धियं। घृताचीं। साधंता। ऋतेन। मि
त्रा। मित्रा। वरुणा। ऋतावृधा। ऋत। वृधा। ऋतस्पृशा। ऋत। स्पृशा। क्रतुं। दक्षं। ता। आ
क्राय। इति। कवी। इति। नः। मित्रा। मित्रा। वरुणा। तुविऽजाता। तुवि। जाता। उरुऽक्षया। उ
रुऽक्षया। दक्षं। दधाते। इति। अपसं। ॥६॥ इंदुः। सं। हिन्वे। सं। जग्मानः। सं। जग्मा
नः। अविऽभ्यां। आ। विऽभ्यां। मंहते। इति। समानऽवर्चसा। समान। वर्चसा। आत्। अहः।
स्वधां। स्वधां। अनु। पुनः। गन्वं। एरिरे। आ। ईरिरे। दधानाः। नाम। यज्ञियं। धीऽभिः। वि
प्राः। आऽरुक्षन्। नभिः। आ। ऋक्षन्। नभिः। गृह्यं। सिन्धुं। इंद्रं। वज्रिणं। अविंदन्। जस्रियाः।
जास्रियाः। अनु। ॥७॥ नाकः। वा। यायाः। इदं। पात्रं। विश्वं। पुरा। ऋतं। इंद्राग्नी। इंद्र।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अग्नीश्नि॰नमर्धनः॥उग्रा॰विघनिना॰विघनिना॰हधः॥इंद्रा॰नी॰इंद्र॰अग्नीश्नि॰दवामदे
॰नानः॰मृडतनः॥इहहा॰दथः॰इत्राणि॰आर्या॰दथः॰दासानि॰सत्यनि॰सत्॰पती श्नि॰द्
थः॰विश्वाः॥अप॰द्विषः॥८॥अग्नि॰सामास आथवः॰नरा॰समुद्रं॰सं॰उ॰ध्वयवमानः॰ऊ
र्मिणा॰राजा॰दवः॰ऊनं॰बृहत्॰अर्षा॰मित्रस्य॰मा॰त्रस्यावरुणस्य॰धर्मणा॰त्रा॰न्विन्दानः
॰ऊनं॰बृहत्॰नृभिः॰यमानः॰रुर्यतिः॰क्विरुणः॰विवरुणः॰राजा॰दवः॰समुद्रः॰सं॰
उद्रः॰वानिस्त्रो॰का॰चर्दरयन्नि॰प्रवक्रिः॰सामं॰गावः॰धेनवः॰वावशानाः॰सामं॰विप्रा
॰विप्राः॰मतिभिः॰इछमानाः॰सामः॰सुतः॰रुच्यते॰इयमानः॰सामे॰अर्कीः॰त्रिष्टुभः॰ १२
त्रिस्तुभः॰सं॰नवंता॰एवा॰नः॰सामा॰परिषिच्यमानः॰परि॰सिच्यमानः॰आ॰पवस्वा॰इ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparn

Takshashila Project

यमानः। स्वस्मिन्। सु। आ। असि। इन्द्र। आ। विश। बृहन्। मादन। वर्धया। कक्षु। उनय। पुरंधिं। सु
रंधिं॥ १०॥ यद्धि। आवः। इंद्र। नि। शतं। आ। पराठ। महिना। वृत्रं। हरिवः। हरिष्ठं। विश्वा। इत्। विषूः। शवं
सा। अस्मान्। अव। मघवन्। गामनि। व्रजं। वज्रिन्। वि। रुज। नि। ऊतिभिः॥ ११॥ वयं घ। त्वा
सुतावंतः। स्वर्नि। आ। सुतिं। नरः। वासा। नि। रिक्ता। उक्थिनः। कदा। सुतं। तृषाणः। ओ
कः। आ। गमः। इंद्र। स्वाष्टिं। इव। वसगः। कण्वेभिः। धृष्णो। आ। धृषत्। वाजं। दर्षि। सद्
स्त्रिणं। पिशंगरूपं। पिशंगरूपं। मघवन्। विचर्षणे। वि। चर्षणे। मंहिष्ठं। गोमंतं। मीमदः।
॥ १२॥ तरणिः। इत्। सिषासति। वाजं। पुरंधिः। जूः। सतिः। हवि। दाशुषे। मयः। दधाति। दाशुषे। वसु।
नासत्या। रयिः। नशत्। सुऽकृत्ऽयः। सुऽआकृतिः। इत्। मघवन्। उच्यं। मावतः। दद्धि। यत्।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

कार्यादिवि॥१३॥निस्रोचावउदीरतेअभिवल्गीःअनूषतयक्षीः।कृतस्यमातरः।म
र्जयंतीःदिवःशिशुंगयःसमुद्रान्नुंअसन्यःसामविश्वतःआपवस्व॥
सदक्षिणा॥१४॥सुतःसोमपुमत्तमाःइंदुःइंद्रायपवतेइतिदेवासःअब्रुवन्वाजसः।
पतिःमरुत्सखातेविश्वस्येशानःउक्षसःसहस्रधारःसहस्रधाराःपवतेसमुद्रः
समुद्रःवाचमीरयन्वाचंईरयन्सामःपतीःरयीणांसखासखेंद्रस्यदि
विदिवादिवा॥१५॥पवित्रंतेविततंब्रह्मणस्पतेप्रभूर्णःपवित्रंविततंविततंदेवः
पादाअर्चतःअस्योतंतवःविअस्मिन्नअवंतिअस्यपवित्रंआसवःदिवःइंदुं॥१६॥
अभिगायंतिबिंबसाअदृक्रवउषसःपृश्निरक्रियः॥१७॥प्रमहिंद्रायगायतअ॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वऽसते। मघवा। वीरवत्। यशाः। मसिऽहः। मं। इऽहः। घ। मि। आऽजतः। आ। ऊतः। ऊ इति। वि
त्। नः। अस्य। सुमतिः। सुऽमतिः। नवीयसि। अच्छ। वाऽजेतिः। आ। गमत्। आ। गमत्। १७॥
तं। त। मदं। गृणीमसि। यं। न। इन्द्रः। दाशुषे। आ। याव। मनावं। चा। विवदिथा। मंदानः। अ
स्य। बर्हिषः। वि। राजसि। नः। अध। आ। या। वित्। ते। ऽछिनः। अनु। स्वं। मि। ष्टुवं। मि। ष्टुवं। १८॥ ऋ धीदवं। मिऽआः
यः। ति। इंद्र। नवीयसी। गिरं। मंद्रां। अजीजनत्। चिकि। वि। न। नमं। चिकि। वि। न। मं
नसं। धियं। प्र। न। मं। ऋतस्य। पिप्रुषीं। नं। इळा। स्त। वा। मा। यं। गिरः। इंदं। उक्थं। मि। वोढ
वे। धुः। ऊमूः। अस्य। पिऽउषः। सिषासंतः। वनामहे। १९॥ ॥ इति द्वितीयः प्रपाठकः॥ ॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

प्रा॒ता॒ऽअ॒श्वि॒नी॒ः॒ । प॒व॒मा॒न॒ऽधे॒न॒वः॒ । दि॒व्याः॒ । अ॒स॒ृ॒ग्र॒न् । पय॑सा । धरी॑मणि । प्र । अ॒न्त॒रि॒क्षा॒न् । स्ला॒
वि॒री॒ः॒ । स्ला॒ । वि॒री॒ः॒ । ता॒ । अ॒सृ॒क्ष॒त॒ । या । च॒ । मृ॒ज॒न्ति॒ । ऊ॒वि॒ऽध्रा॒ण॒ । ऋ॒षि॒ऽसा॒ना॒ । व॒धस॑ः । उ॒न॒य॒े
तनः । प॒व॒मा॒न॒स्य॒ । र॒श्म॒य॒ः । क्र॒ । व॒स्य॒ । स॒तः । प॒रि॒ऽय॒न्ति॒ । के॒त॒वः॒ । यदी॑ । प॒वि॒त्रे॒ । अ॒धि॒ । मृ॒ज्य॒ते॒ ।
ह॒रिः॒ । स॒न्ना॒नि॒ । योनौ॑ । के॒न॒ऽशे॒षु॒ । सी॒द॒ति॒ । वि॒श्वा॒ । धा॒मा॒नि॒ । वि॒श्व॒ऽव॒क्॑ः॒ । वि॒श्व॒ऽव॒क्॑ः॒ । ऋ॒त्वि॒
यः । प॒न्नो॒ः॒ । प॒न्नो॒ः॒ । ता॒ । सन॑ः । प॒रि॒ऽय॒न्ति॒ । के॒त॒वः॒ । व्या॒न॒शी॒ । वि॒ । आ॒न॒शी॒ । प॒व॒से॒ । सो॒म॒
ध॒र्म॒ण॒ । पति॑ः । वि॒श्व॒स्य॒ । भु॒व॒न॒स्य॒ । राज॑सि ॥१॥ प॒व॒मा॒नो॒ । अ॒ज॒ी॒ज॒न॒त् । प॒व॒मा॒न॒ । र॒स॒म् । ते
व॒स॒दः॒ । राज॑न् । अ॒दु॒ह्व॒नः॒ । अ॒भि । गु॒ह्व॒नः॒ । वि । वार॑ । अव्य॑ । अ॒र्ष॒सि॒ । प॒व॒मा॒न॒स्य॒ । ते॒ । र॒स॒ः॒ । दक्ष॑
ः । वि । राज॑सि । इन्द्र॑मान् । ज्योति॑ः । वि॒श्व॒ । स्व॒ः॒ । दृ॒शे ॥२॥ व॒यम् । सो॒मे॒ । न॒ । हृ॒र्म्य॒ः॒ । प्र॒व॒मा॒न॒ । र॒स॒म्

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Sunarna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

जनाया यातयोन इषः पृष्ठं दिवः परि सृवाअयंमः यः दिवः परि रघुयामा रघु
यामा पवित्रे आ सिक्षोः ऊर्मौ व्यक्षरत् विअक्षरत् सुतः एति पवित्रे आ चिषिं
दधानः ओजसा विचक्षाणः विचक्षणः विरोचयन् विरोचयन् आ विकासन् आ
विकासन् परावतः अथो अर्वावतः सुतः इंद्राय सिच्यते मधुसमीचीनाः सं
ईचीनाः अनूषत हरिं हिन्वंत्यद्रिभिः इंदुमिंद्राय पीतये ॥४॥ हिन्वंति सूरं उ
ष्णाय स्वसारः जामयः पतिं महः इंदुं मही युवः पवमान रुचा रुचा रुचा रुचा देवो
देवेभ्यः सुतः विश्वा वसूनि आ विशा आ पवमान सुष्टुतिं सु ष्टुतिं वृष्टिं दे
वेभ्यः डुवः इषे पवस्व संयतं संयतं ॥५॥ जनस्य गोपाः गोपाः अजनिष्ट जा

Digitized by Vaidika Bharati/Sumeru Trust, Mumbai/NMA Delhi

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

तद्दतिना।संऽओजासां।राजा।घृतासुती।घृत।आसुतीइति।आऽहित्या।आ।हित्या।सानुनः।पती
इति।सखेतइति।अनवकरं।अन्।अवकरं॥७॥इंद्रा।दधीचा।अस्थभिः।इक्तन्।अश्वस्य।
यत्।शिरः।पर्वतेषु।अपश्रितं।अपाश्रितं।नत्।वित्।शार्यणावति।अत्रादधोरेमन्वता॥८॥
इयंकां।अस्या।मन्मनः।ईंद्राग्नी।इंद्रा।अग्नी।इति।इर्यस्तुतिः।इर्या।स्तुतिः।अत्रात्।हविः।इ
यंकं।अजनि।शृणुतं।जरितुः।हवं।इंद्राग्नी।इंद्रा।अग्नी।इति।वनतं।गिरः।ईशाना।पिप्प
तं।धियः।सा।पपत्यायाः।नरा।इंद्राग्नी।इंद्रा।अग्नी।इति।सा।अनिशास्तये।अनिःशास्त
योमानः।रीरधनं।निदः॥९॥पवस्वदक्षसाधनः।सं।देवेः।शोभनः।हरा।कविः।योनौ
।अभि।प्रियः।पवमानः।अदाभ्यः।आदाभ्यः।पवमान।धिया।हितः।अभि।योनिं।कनि

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऋदत्। धर्मणा। वायुं। आ। अरुहः॥ २०॥ तवाहं। सोम। रारण। नव। आदं। नक्। उत। सोमा। ति।
दिवा। कुहान्। बत्रो। ऊधनि। घृणा। तपंतं। अति। सूर्यं। परः। शकुना। इव। पप्तिम॥ २१॥ इमे।
नो। अक्रमीत्। नि। आ। यज्ञं। अरुणः। रुद्रः। गमन्। इंद्रः। वृषा। सुता। क्रवे। सदः। सीदतु।
वृत्रहा। रथिं। मघा। नां। इदा। अस्मभ्यं। सोम। विश्वतः। आ। पवस्व। सदः। त्रिणं॥ २२॥ पिबा। सो।
मं। इंद्र। मंदतु। त्वा। यं। ते। मदः। युज्यः। चारुः। अस्ति। येन। हंत्रा। लि। इर्यश्वा। हरि। अस्व।
हन्। सि। मः। त्वां। इंद्र। प्रऽहूवाम। प्रऽहूवासः। ममत्तु। बाधः। सु। अम्। मघऽवन्। वः। वं। आ।
इमां। यां। ते। वसिष्ठः। अर्चति। प्रऽशस्तिं। प्र। शंस्तिं। इमा। वृल्। सधऽमादः। सधा। मादः।
जुषस्व॥ २३॥ विश्वाः। पृतना। अभि। दूतरं। नरः। नमि। नमंति। चक्रसा। मषं। विप्राः। वि। प्राः। अ

Takshashila Project

निस्वरो अग्निःस्वरो सुदीतयःसुदीतयःवःअकुदःआकुदःअपिकर्मेतरास्विना॥
सांरुकनिःसांउरत्नासःअस्वरन्नूइंद्रांसमस्यपीतयेस्वःपतिःस्वाइरितिपतिःय
दीवृधेधृतव्रतःधृतव्रतःद्यिउजसासांऊतिनिः॥४॥योराजाचर्षणीनांइंद्रांतं।
शुंनाशुरुदृम्ननूउरुदृम्ननुअवसायस्यकिताविधर्तरिधर्तरिहास्तनावे
अःप्रतिधायोदर्शतिःमहान्नादेवःनासूर्यः॥५॥परिप्रियादिवःकविःमःसह
नुःमातराशुचिःजातःजातइतिअरोचयन्नमहान्नमद्दीइतिरुनावृधाःरुन।
वृधाप्रप्राप्राक्रयायापन्यासजनायजुष्टःअकूदःआकुदःअर्षतिअर्षापे ७
निष्टायाः॥६॥चऊस्याऽइंगादेव्यायनानवस्यानवाद्याधड्अपार्षुतात्रपाऊसु

तायनाविप्रास विप्रासःआविप्रासवानांसुम्नेअमृतस्यआमृतस्यवारुण
ायनास्रवाऽसिआशाना॥७॥ सामःपुनानऊर्मिणाधीतिःसृजतिवाजिनंव
नाक्रीडंतंअयविंअतिअविंअतित्रिषुछंत्रिषुछंमतयःसंअस्वरन्नूअस
न्निकलशान्नूअतिमीढून्नसात्तिःनावाजयुःपुनानःवसोजनयंन्नूअसिष्या
दन्नूः॥८॥सामःपवतेजनितामतीनांवनादवानांपदवीःपदावीःकवीनांऋ
षिःविप्राणांविप्राणांमहिषःमृगाणांश्येनःगृध्राणांस्वधितिःस्वाधितिःवनानां
सोमःपवित्रंअतिएतिरन्नूत्राअधीवपतावाचःऊर्मिनासिंधुःगिरःलोमा
न्नूपवमानःमनीषाःअंतरिक्षेपश्यन्नूहृज्नाअवरासेआनिष्ठतिहृषन्नःगो

इमा॥

Digitized by Vaidika Bhatata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऽघानावृत्रंयतिःनाविस्रसावलंहगुःनासमाहशत्रूनमादत्सामस्या॥२२॥ ॥अर्धप्रपावक॥॥ ॥गावित्गावित्पवस्वावसुवित्वसुवित्हिरण्यवित्हिरण्यावित्रताधारतःधाःइंदानुवानषुअपितःचंसुवीरःसुवीरःअसिसामविश्ववित्विश्वावित्तंचानरःउपगिराशमआसतत्वंहचंद्रगाःहवक्ताःअसिसामविश्वतःपवमानरक्षसातापविधवसिसःनःपवस्ववसुमत्हिरण्यवत्वयंस्यामनुवानषुजीवसेईशानःइमाभुवनानिईयसेयुजानःइंदाइंदितःसुपर्णःसुपर्ण्यांसुपर्ण्यसःतःक्षरंतुमधुमत्घृतंपयःनवव्रातसामनिष्कृतंऋषयः॥९॥पवमानस्यविश्ववित्विश्ववित्त्राणःसर्गाः॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

न॥ अंत्॥ चुनः॥ शुचिः॥ पावकः॥ उच्यते॥ सोमः॥ सुतः॥ सः॥ मधुमान्॥ दक्षावीरघशः॥ सह्॥
॥३॥ ऋ॥ कविः॥ देवकवीनाम्॥ देवा॥ वीनाम्॥ अव्याः॥ वारेभिः॥ अव्यना॥ सः॥ कान्॥ विश्वाः॥ अ
भि॥ स्पृधः॥ सः॥ हि॥ मा॥ ऊं॥ विश्वन्यो॥ आ॥ वाऊं॥ गमन्॥ इन्दवेभि॥ पवमानः॥ सह॥ स्रिणं॥ परि॥
वि॥ श्वानि॥ स्विनसा॥ मृजा॥ सः॥ पवसे॥ मदीनां॥ नः॥ सोम॥ श्रवः॥ विदः॥ अभि॥ अर्ष॥ बृह
न्॥ मघवद्भ्यः॥ ध्रुवं॥ रयिं॥ इषं॥ स्तोतृभ्य॥ आ॥ नरं॥ वाजं॥ इव॥ सुव्रतः॥ पुनः॥
भि॥ सोमः॥ आ॥ विवासथ॥ पुनानः॥ वाजं॥ अर्षसि॥ अन्॥ नं॥ सः॥ वाजिं॥ अमृ॥ क्तूरः॥
क्रतुः॥ नरः॥ मृज्यमानः॥ नैगतोः॥ क्ष्याः॥ सोमः॥ वनूषु॥ सीदति॥ कीडुः॥ मघवा॥ नमदृयुः॥ प
वित्रं॥ सोम॥ गच्छसि॥ दधन्वान्॥ त्रे॥ सुवीर्यं॥ सुवीर्यं॥ ५॥ अयवंयवं॥ यवं॥ यवं॥ नः॥ अंधु

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

न॥ अंत॥ नृतः॥ स्तविः॥ पावकः॥ उच्यते॥ सामः॥ सुतः॥ सः॥ मधुमान्॥ दवा॥ वीरघः॥ सह॥
॥३॥ स्रा॥ कविः॥ देवः॥ वीतये॥ देवा॥ वीताय॥ अव्याः॥ कारभिः॥ अव्यता॥ सक्का॥ विश्वाः॥ अ
भि॥ स्पृधः॥ सः॥ हि॥ मा॥ ऊविः॥ इन्वे॥ आ॥ कऊं॥ गामतं॥ इन्वे॥ नि॥ पवमानः॥ सहस्रिणं॥ परि॥
क्षि॥ णि॥ वनक्रा॥ मृजा॥ सः॥ पवसे॥ मदीः॥ सः॥ नः॥ सामा॥ श्रवः॥ विदः॥ अभि॥ अर्ष॥ बृह
न्॥ मघवद्भ्यः॥ ध्रुवं॥ रयिं॥ इषं॥ स्तोतृभ्य॥ आ॥ भर॥ इंद्रं॥ गऊं॥ इव॥ सुवनः॥ सुदुघः॥
भि॥ सामा॥ आ॥ विवासथ॥ पुनानः॥ वाक्रा॥ अनुता॥ अनानतः॥ वाक्रिः॥ अभु॥ ऊ॥ रूरः॥
हुः॥ नरः॥ मृजमानः॥ नैगन्॥ क्रवाः॥ सामः॥ चमूषु॥ सीदति॥ कीडुः॥ मगः॥ नामऽदयुः॥ प
वित्रे॥ सामा॥ गछसि॥ दधन्॥ स्त्रे॥ मुवीर्यं॥ सुवीर्यं॥५॥ अयवंयवं॥ यवं॥ यवं॥ नः॥ अंधः॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अष्टकाः सूर्यस्येव नरश्मयः। कृशं शूरवन्नादिवः। परि विश्वा रूपा आनि। अर्षसि
समुद्रः। मंडूकः। साम। पित्वसे। ऋज्राः। वाचं। इषमिषपवमान। विधर्मणि। विधर्मणि। ऋक्वा
नादिवः। नासूर्यः॥२॥ त्रासामासः। अधन्विषुः। पवमानासइंदवः। श्रीणानाः। अंशुभिः
नः। अग्निगावः। अधन्विषुः। आपः। नाप्रवता। यतीः। पुनानाः। इंदो। आशता। पा। पवमान
। धन्व। सोमसाम। इंद्राय। मादनः। नृभिः। यतः। विनीयसे। इंदो। यतो। अद्रिभिः। आद्रि
ः। सुतः। पवित्रं। परिदीयसे। परि। दीयसे। अरमिंद्रस्य धाम्ने। इंदो। सोम। इमादनः। नृ
मादनः। पवस्व। चर्षणीधृतिः। चर्षणि। धृतिः। सम्नि। यः। अनुमाद्यः। अनु। माद्यः। पव ९९
स्व। वृत्रहंतमः। वृत्र। हंतमः। उक्थेभिः। अनुमाद्यः। अनु। माद्यः। शुक्रः। पावकः। अभि

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

न॥ अन्॥ नुनः॥ शुचिः॥ पावकः॥ उच्यते॥ सोमः॥ सुतः॥ सः॥ मधुमान्॥ दवा वीरघशः॥ सह्॥
॥ऋ॥ कविः॥ देवो वीतये॥ देवा वीताय॥ अव्याः॥ वारेभिः॥ अव्यताः॥ सक्षान्॥ विश्वाः॥ अ
भि॥ स्पृधः॥ सः॥ हि॥ मदः॥ ऊर्विहन्यः॥ आ॥ कऽ॥ गमत्॥ इन्द्रेति॥ पवमानः॥ सह्स्रिणं॥ परि॥
वि॥ श्वानि॥ स्वनसा॥ मृज्यासः॥ पवसे॥ मदीः॥ सः॥ नः॥ सोम॥ श्रवः॥ विदः॥ अनि॥ अर्षन्॥ सह्
स्रा॥ मघवद्भ्यः॥ ध्रुवं॥ दधिं॥ इषं॥ स्तोत्रभ्य आ॥ नर॥ त्वं॥ गऽ॥ इव॥ सुव्रतः॥ घृतः॥
नि॥ सोमाः॥ आ॥ वित्रिया॥ पुनानः॥ वाज्॥ अलुतः॥ अनानतः॥ सः॥ वाजिः॥ अमर्तः॥ उ॥ अरः॥
कुः॥ नरः॥ मृज्यमानः॥ सैनानीकाः॥ सोमः॥ चमूषु॥ सीदति॥ जीकुः॥ मघवः॥ नमऽदयुः॥ प
वित्रे॥ सोम॥ गच्छसि॥ देवऽनात्॥ मात्रे॥ सुवीर्यः॥ सुवीर्यः॥ ४॥ अयवंयवंयवंयवंनः॥ अध्

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सा। दृष्टं। दुष्टं। दुष्टं। दुष्टं। परि। स्रव। विश्वा। चा। सोम। सौ। भगा। सो। नगः। इंदो। यथा। तव।
स्तव। यशा। ते। ऊत्यं। अंधसः। नि। बर्हिषि। प्रिये। सदः। इना। नः। गा। विन्। गो। विन्। अश्व। वि।
न्। अश्व। विन्। पवस्व। सोम। अंधसा। मदुत्तमं। नि। अरुनिः। अरुनिः। यः। ऊं। नाति। नाऊं।
यानः। ईनति। शत्रुं। अनीय। अनि। इत्य। मः। पवस्व। महि। स्रवं। ऊं। सहस्र। ऊं। ऊं। ऊं। यः। नि। धा।
रः। मधु। श्चुतः। मधु। श्चुतः। ओं। सत्यं। इंदो। ऊतये। नाजिः। पवित्रं। आ। असदः। सः। आ। इंद्राय। पी।
तये। तिरः। वाराण्य। व्यया। सीदन्। ऋतस्य। योनिं। आ। चं। सोम। परि। स्रव। स्वादिष्ठः। अंगि।
रोभ्यः। वरिवो। वित्। वरिवः। वित्। घृतं। पयः। घ। नवा। प्रियः। वर्ष्यस्य। इव। वि। क्रमः। वि। २०
क्रमः। अग्नेः। चिकित्वा। उपसाम्। इव। एतयः। आ। इतयः। यन्। उषसीः। उषाः। पीः। अजि।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सऽशः।अग्निः।सऽशः।वनानि।वा।पनिष्वयं।विऽनुषे।अग्नं।आसनि।वाजे।पऽनूतः।वानऽइव
ऽनूतः।इषिऽतः।वशान्।अनुऽइषुः।यन्।अन्ना।वि।विष्वा।विऽनिजुमे।वि।तिष्ठसे।आ।नि।
यनं।नि।रण्यः।यथा।पृथक्।शर्दांऽसि।अग्ने।अजरस्य।आऽडरस्य।धक्षतः।मि
धकारं।मिधाऽकारं।विदथस्य।प्रऽसाधनं।प्रऽसाधनं।अग्निं।ईडारं।परिऽभूतरं।परि
ऽभूतरं।मतिं।वां।अर्नसा।ऽविषः।समानं।सां।आनं।ऽइत्।वां।मदः।वृष्णे।ना।अग्नं।
अग्नयं।स्वनं।ऽग्नं।ऽकृण्वत।ऽकृऽकृण्वत।चित्।हि।अग्निः।अवः।नूनं।वां।वरुण।
मित्रा।मित्रावऽरुणा।वां।सुऽमतिं।सुऽमतिं।का।वा।मा।सम्यक्।अनुऽकाणा।आऽनुकाणा।
इवं।अस्या।मा।धा।मा।वां।वयं।वां।मित्रा।मित्रा।स्या।मा।पातं।नः।मित्रा।मित्रा।पायु

Takshashila Project

नि॒ नि॒ः उ॒ता त्वे॒षा॒सु॒ता॒सो॒ सु॒ता॒सः सो॒मा॒ दस्यू॑न् नहि नि॒ः ॥ ८ ॥ त्रि॒ष्ठ॒न् उ॒त् नि॒ध॒
नु॒ उ॒क्थ॒सा॒मः स॒हः पी॒त्या॒ शि॒प्रि॒न् नि॒ अ॒वे॒प॒यः॒ सो॒मं॒ इ॒न्द्र॒ च॒मू॒ सु॒तं॒ अनु॑ त्वा॒ गा॒
दसी॑ इति॒ उ॒ नि॒ इति॒ स्पृ॒ध्मा॒नं॒ अ॒दृ॒ह्ये॒नां॒ इ॒न्द्र॒ यत् दस्यु॑ऽहा॒ दस्यु॑ऽहा॒ अ॒न॒वः॒ वा
चं॒ अ॒ङ्गा॒ प॒दी॒म॒ अ॒ङ्गा॒ प॒दी॒म॒ अ॒र्ह॒न॒ व॒य॒ किं॒ न॒ वा॒ स॒ङ्किं॒ ऊ॒ता वृ॒धा॒ ऊ॒ता वृ॒धा॒
इ॒न्द्र॒ नृ॒ऽपा॒ति॒ ने॒म॒ं॒ स॒म॒ ॥ ९ ॥ इ॒न्द्रा॒ग्नी॒ इ॒न्द्र॒ अ॒ग्नी॒ इति॒ यु॒वा॒ इ॒मा॒ अ॒भि॒ स्ता॒मा॒ः॒ अ॒ग्रे
दू॒ष॒ना॒ पि॒ब॒तं॒ शं॒ सु॒वा॒ शं॒ सु॒वा॒ सु॒तं॒ या॒ः॒ वां॒ सं॒ति॒ पु॒रु॒ऽस्पृ॒हः॒ पु॒रु॒ऽस्पृ॒हः॒ नि॒
यु॒नः॒ नि॒ यु॒नः॒ दा॒शु॒षे॒ न॒रा॒ इ॒न्द्रा॒ग्नी॒ इ॒न्द्र॒ अ॒ग्नी॒ इति॒ ना॒ नि॒ः॒ आ॒ ग॒तं॒ ना॒ नि॒ः॒ २१
आ॒ ग॒च्छ॒तं॒ न॒रा॒ उप॑ इ॒दं॒ स॒व॒नं॒ सु॒तं॒ इ॒न्द्रा॒ग्नी॒ इ॒न्द्र॒ अ॒ग्नी॒ इति॒ सो॒म॒पी॒त॒ये॒ सो॒

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

मापीतये॥९॥ अर्षासामद्यमन्तमः। अस्माः। इंद्राय। वायवे। वरुणाय मरुद्भ्यः। सोमा
मा अर्षन्तु विष्णवे। इषं। ता कायनः। दधत्। असम्यङ्सोमविश्वतः। आपवस्व मदि
न्तमः॥१०॥ सोममृष्वाणः सासृवांसः। अनूषत। गाधान्। ग्नाभिः। अद्रिभिः। सोमः।
पुनानः। अस्मयुः। समुद्रं। सं। उदन्यसं। वरुणाभि। मां। वरुणा। अभि। अर्षा। मदी।
दयन्। नाधमान॥१२॥ यत्। सोम। चित्रं। उक्थ्यं। दिव्यं। पार्थिवं। वसु। तत्। नः। पुनानः।
आ। नर। इषा। पुनानः। आयूंषि। नः। सुनयन्। आ। धियः। धनानि। दाशुषे। दरिः। सन्। या। नि। आ।
अमदः। पवस्व। दिव्यः। स्वः। पतीः। स्वाऽऋषिः। पतीः। इति। इंदुः। वाजसाः। सोम। गोपतीः। गो।
पतीः। इति। ईशानः। अपिपन्यं। धियः॥१३॥ इंद्रं। मदाय। वावृधे। अस्मि। दि। वीर। सेन्य। अ

Takshashila Project

सि॑न्नूति॑पगदद्दिः॑। पराद॑दिः॑अ॑सि॑दन्त्र॑स्य॑वित्ता॑ हृधः॑। यन्न॑माय॑। शिक्ष॑सि॑मुन्च॑ते॑चूवि॑।
ना॑वसु॑॥ यऊ॑दीरन॑आज॑यः॑॥१४॥ स्वा॑दारि॑ष्ठा॑विश्व॑तः॑। नः॑अ॑स्य॑। इ॒ड॒ना॑युवः॑॥ सा
मा॑श्री॑एं॑ति॑। इ॒श्न॒यः॑। प्रि॒याः॑। इं॒द्र॒स्य॑धे॒नवः॑। व॒ज्रं॑दि॒व्यं॑ति॑सा॒यक॑ं॑। व॒स्वीरनु॑स्वरा॒ज्य॑ं॑।
नः॑अ॑स्य॑। न॒म॒सा॑। स॒दः॑। स॒प॒र्य॒ति॑। प्र॒व॒न॒सूः॑। प्र॒। सि॒न॒मः॑। व॒ना॒नि॑। अ॒स्य॑। म॒ज्मना॑। इ॒रे॒। भु॒मू
णि॑। इ॒र्वि॒। चि॒न्न॒ये॑। इ॒र्वी॑। चि॒न्न॒ये॑। व॒स्वीरनु॑स्वरा॒ज्य॑ं॑॥१५॥ अ॒मा॒य॑। शुर्म॑। दा॒य॑। शु॒च॒ं॑। अ॒र्च॒ं॑।
स्व॒र्ण॒ं॑। स्व॒। वा॒त॒ं॑। अ॒प्सु॒। भो॒त॒ं॑। नृ॒मि॒ः॑। सु॒त॒ं॑। म॒र्द॒ति॑। गा॒वः॑। पा॒या॒नि॒ः॑। आ॒। तू॒। इ॒म॒ं॑।
अ॒श्व॒ं॑। ना॒। हि॒त॒ं॑। अ॒र्व॒तं॑। अ॒पू॒शु॒न॒ं॑। अ॒मृ॒ता॒य॑। आ॒। मृ॒ता॒य॒। म॒धो॒ः॑। र॒सं॑। सु॒ध॒मा॒दः॑। सु॒ध॒। मा॒दे॒॥ २२
॥१६॥ अ॒नि॒ङ्क॒ं॑। न॒ं॑। स्तृ॒ह्य॒ता॒॥ आ॒। क्ष्य॒स्व॒। मृ॒दृ॒क्ष॒। मु॒दृ॒क्ष॒। व॒म्रो॒॥ सु॒त॒ः॑। वि॒क्षं॑। व॒क्षि॒ः॑॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ना।विश्पतिः।हृष्टिः।दिवः।पवस्व।रीतिः।अपः।जिन्वन्।गविष्टये।गोः।इष्टये।धियः।
॥७॥प्राणस्य।शिश्वमृदीनां।उपस्त्रितस्य।पाष्याः।अनक्ति।यत्।गुहा।पदं।यज्ञस्य।
सप्तधामभिः।अधा।प्रियं।श्रीणि।त्रितस्य।धारया।इष्टेषु।आ।ऐरयत्।रयिं।मितीत।
श्रवस्यवः।जनाः।विसुक्तुः।सुक्रतुः॥९८॥पवस्व।वाजसातये।वाज।सातये।पवित्रे।
धारया।सुतः।इंद्राय।सोमः।विष्णवे।दावन्यः।मधुमत्तरः।ऋतं।सिंधवे।धीतयः।हरिं
।पवित्रे।अक्षुदः।अक्षुदः।वस्त्रजातानि।मानवीरः।पवमानविधर्मणि।त्वं।द्यौः।वा।महि
।त्वं।महि।वृता।पृथिवी।मघवन्।अतिऽव्रिया।क्षितीः।दाशुषे।अस्तुवयाः।पवमान।महि
।त्वना॥९९॥इंदुर्वाजी।पवतेगोन्योघाः।अधा।धारया।मध्वा।पृचानः।तिरः।रोमाणि

Takshashila Project

वातापर्द्धिदुग्धः। अद्रिदुग्धः। इंदुः। इंद्रस्य। सख्यं। सख्युः। दुष्टरः। दिवः। दिवस्पा। मत्सरः।
मदाय। अपिः। व्रतानि। पवते। उमानः। दधं। दधन्। स्वेनारसेन। इंदुः। धर्मणि।
रुशद्वसानः। दशभिः। अयतः। सानौ। आ। व्याघ्रः॥ आत। अग्नः। धीमहि। आ।
नः। आप्ना। रुवाद्विः। शुक्रस्य। ज्योतिषः। पात। सुश्चंद्र। सुश्चंद्र। दस्म। विश्पते। हव्यवाट्।
हव्यवाड्। उच्यते। इषः। स्तोत्रे। इन्द्रः। आ। उनेः। इति। सुश्चंद्र। सुश्चंद्र। विश्पते। दवी
शतीः। श्रीणिषे। आसनि। उत। नः। नूतः। उद्यर्यीः। उक्षेषु। शवसः। पते। इषः। स्तोत्रे। इन्द्र
आ। नरः॥ इंद्राय। साम। गायत। वः। इंद्रः। अर्चिद्रुः। अर्चिद्रुः। आ। वः। सूर्यः। अरोच॥
यः। विश्वकर्मा। विश्वा। कर्मा। विश्वदेवः। विश्वादवः। मत्सत्। अस्मे। विचक्राणत्। विचक्राणत्।

ब्या। तिरा। स्वः। अगछः। गविने। दिवः। दिवा। ता। इंद्र। सख्याय। सख्याय। येमिरे॥ २२॥ अ
सावि। सोमः। इंद्रता। आ। तिष्ठ। हरिभ्यां। हरिभ्यां। रथं। युक्ता। ता। वृषणा। हरी। इति। अ
र्वाचीनः। अर्वा। अचीनं। सुतः। मनः। ग्रावा। कृणोतु। वग्नुना। इंद्र। इत। हरी। इति। वहतः। अ
प्रतिधृष्टशवसं। अप्रतिधृष्टशवसं। ऋषीणां। सुष्टुतीः। सुष्टुतीः। उप। यज्ञं। स। मानुषा
णां। अयाः॥ ॥ इति। तृतीयः। प्रपाठकः॥ ॥ ज्योतिः। यज्ञस्य। पवमान। मधु। प्रियं। पिता। देवानां
जनिता। विश्ववसुः। विश्ववसुः। दधाति। रत्नं। सवयोः। स्वपत्योः। अपीच्यं। मदिंतमः। मस
त्। इंद्रियः। रसः। अनिक्रंदत्। अनिक्रंदत्। कनिक्रा। वाजी। अर्षति। पतिः। दिवः। इ
तः। धायः। शतः। धायः। विचक्षणः। विचक्षणः। इति। मित्रस्य। मित्रस्य। मदनिष्ठासीत्। इति।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

मर्डज्ञानः। अविभिः। सिंधुभिः। हृषा। अज्रेषि। सिंधूनां। पवमानः। अर्षसि। अग्रे। वाचः। अग्रियः। गच्छन्। गव्यमसि। अग्रं। वाजस्य। नः। पते। महत्। धनं। स्वायुधः। सु। आयुधः। सोतृभिः। सोम। सूयसे॥ १॥ अस्रक्षत। प्रवाजिनः। शुभ्रमानाः। ऋता। युभिः। मृज्यमानाः। गभस्त्योः। पवन्ते। वारे। अव्यये। ता। विश्वा। दाशुषे। वसु। सोमाः। दिव्यानि। पार्थिवा। पवन्तां। आ। अंतरिक्षा॥ २॥ पवस्व। दिव्वीः। दिव्वीः। अति। पवित्रं। सोम। रंहसा। इंदो। इंदा। हृषा। विश। आ। वच्यस्व। मधुमान्। शरः। हृषा। इंदा। घृतश्चुतमः। आ। योनिं। धर्मसिः। सदः। अभि। ऋतस्य। योनिभिः। मधुमान्। धारया। सुतस्य। वधसः। अपः। वसिष्ट। सुक्रतुः। सु। क्रतुः। महान्। यशाः। महीः। अनु। आपः। अर्षन्ति। सिंधवः। यत्। गोभिः। वासयिष्यसे। समुद्रः। सोमः। उदः। अस्मुमा। हृदा। वि

Digitized by Vaidika Bharata/Supported by Tirth, Mayapur, New Delhi.

Takshashila Project

शुंभनः।वीरवंतनः।इंद्रः।धरुणः।दिवः।सामः।पवित्रे।अस्मयुः।अर्षचिक्रदत्।हरिः।गि
रः।ते।इंदो।इळासु।मर्जयंत।अस्यवः।यानिः।मदाय।शुंभसे।तं।वा।मदाय।पृष्टये।
उ।लोककृत्नुं।लोककृत्नुं।ईमहे।तवा।प्रशस्तये।प्राशस्त्याय।मादे।गाषाः।गासाः।
इंदो।नृषाः।नृसाः।असि।अश्वसाः।अश्वासाः।वाजसाः।वाजसाः।उत।आत्मा।यज्ञस्य।
पूर्व्यः।अंशन्पं।इंदो।इंद्रियं।मधोः।पवस्व।धारया।पर्जन्यः।वृष्टिमान्।इव।शं।गवे।
वासमाः।ऋषिः।पवमानः।महि।श्रवः।अथा।नः।वस्यसः।कृधि।मनागमनिः।सनाः।स्वः।
विश्वाशासामनः।सोम।सातां।अपानावस्यसस्कृधि।सनाः।इळां।उत।कृणु।अप।सोम।मृधः।
कृधि।अथानाः।पवीतारः।पुनीतनः।पुनीतनाः।सोमं।इंद्राय।पातवे।अथानाः।।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

मणं। रिशादसं। राया। दिण्यया। ओमतिः। श्यं। अद्कायया। आदकाय। शावसे। श्यं। विप्रा।
वि। ओ। मधसातये। मधा। सातये। तास्याम। दवा। वरुण। ता। मित्रा। मित्रा। सूरि। तिः। सद।
श्च। स्वाश्वरिति। वा। धीम। हि। षा। निंधि। विध्या। अपधिषः। यस्या। ता। विश्वा। अनुषक्। अनु।
सक्। दूरः। दत्रस्य। वष्टि। वसु। स्पार्हत। दानरा। यधीडा। विंद्रय। स्थिता। ९। यज्ञस्य। हि
। स्थः। ऋत्विजा। सम्राजी। इति। वाजेषु। कर्मसु। इंद्रा। अग्नी। इंद्रा। अग्नी। इति। तस्य। बोधतं। नो
शासा। रथ्या। वो। ना। रथ्या। याका। ना। वृत्रहणा। वृत्रा। हना। अपराजिता। अपराजिता। इं
द्रा। अग्नी। तस्य। बोधतं। इदं। वां। म। नं। मधु। अधुक्षन्। अद्रिणिः। आ। द्रिणिः। नरः। इंद्रा। अग्नी। २६
तस्य। बोधतं। ९। इंद्र। येदा। मरुत्वते। नो। वा। विप्राः। विप्राः। वाका। विदः। वचः। विदः। पा।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऋत्वंति।वर्षसिं।सं।वा।हृज्यंति।आयवः।सं।ते।मित्रः।मित्रः।अर्यमा।पिबंतु।वरुणः।
कविः।पवमानस्य।मरुतः॥१॥हृज्यमानः;सुहस्त्य।सुनानः।वारे।पवमानः।अव्यये।
वृषा।उ।अचिक्रदत्।वानः।दवानां।सोम।पवमान।निष्कृतं।निः।सृतं।गोभिः।अंजानः।अर्षसि॥२॥एतं।उ।त्यं।दशा।क्षिपः।हृज्यंति।सिंधुमातरं।सिंधुमातरं।सं।आदित्यभिः।आदित्यभिः।अरक्षतासं।इंद्रेण।उत।वायुना।सुतएतिपवित्र।आ।सं।सूर्यस्य।रश्मिभिः।सः।नः।मृगाय।वायव।इंद्राय।पवस्व।मधुमान्।चारुः।मित्रा।मित्रा।वरुणाय।च॥३॥एवतीर्नः।सधमादः।आ।घा।याकन्।त्मना।युक्तः।सताइत्याः।धृष्णो।
ईयानः।स्राणाः।अर्षं।नावक्रोः।आ।यत्।इवः।शतक्रतो।शत।क्रतो।आ।का

Takshashila Project

मंऽरिहणोऽरुणोः।अऽसंऽनाशवीऽभिः॥१७॥सुरूपऽकृऽनुमूतये।उपऽनःसवनाऽआगऽहि
।सोमस्यासोमपाःपाऽहि।सोमऽपाःपाऽहि।सोमऽपाःपिबऽगदाःगाऽदाःइन्द्रऽवतःमदःअथा
नोऽअंतमानांविधाऽमसुमतीनांसुऽमतीनांमाऽनःअतिऽख्यःआऽगऽहि॥१८॥उक्थेय
दिंद्रसादसीदीर्घेऽहिऽअंऽकुऽरंयथाराऽधिबर्हिषिमंऽदमःहरिवोमघवन्पदाऽवयो
।अऽजःयथायमःदवीऽजनित्र्यऽजीऽजनत्नृऽन्द्राऽजनीत्र्यऽजीऽजनत्अवास्मऽदुर्ऽगाऽ
यतःऽदुःऽखऽगयतःमर्त्यस्यतनुऽहिस्थिरंअधस्पदंअधःपदंतंईमऽहिंसिषं
:।अस्मान्अनिदासतिअग्निदासतिदवीऽजनित्र्यऽजीऽजनैत्नृऽन्द्राऽजनित्र्यऽजीऽजन २७
त्॥१९॥परिस्यानोगिरिष्ठाःचंविप्रःविऽपःचंकविःमधुप्रऽजातंअंधसःमद

नत्।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सुसर्वधाअसि।त्वेशंति।विश्वे।सऽओषसः।सा।ओषसः।दक्षसः।पीतिं।आशत।मादुः
सर्वधाअसि॥१७॥समुन्वत्या।वसूनां।यस्य।ता।इंद्रः।पिबात्।यस्य।मरुतः।यस्य।वा।अ
र्यमणा।नगः।आ।यन्।मित्रा।मि।आ।वरुणा।करामादु।आ।इंद्रं।अवसे।महे॥१८॥त
वः।स्वायोमदाय।सं।वसः।इवामा।हवंतिः।इंऽद्रः।द्विबानः।अऽयात।दक्षावीः।दवाअ
वीः।मदः।मतिभिः।परिष्कृतः।परि।कृतः।अयं।दक्षाय।साधनः।अयं।हर्षाय।पीत
त्या।अयं।दावन्यः।मधुमत्तरः।सुतः॥१९॥सामाः।पवंतइंदवः।ते।दृतासः।विपश्चितः
।विपः।वितः।सामासादध्रिरः।सृगतः।नादृशानासः।क्रिगत्नवः।क्रवाः।घृते।सु
ष्ठाणासः।वि।अद्रिभिः।आ।दृभिः।विनानाः।गाः।अधि।त्वचि।इषं।अस्मभ्यं।अभितः।सं।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अम्बरन्। वसुविदः। वसु। विदः॥२०॥ अथा पवापवास्वेना वस्त्रनि। उत। नः। एना। पवया। पव
स्व। अधि। क्षति। श्रवाय्यस्य। नी ष्यि। षष्टिं। सदस्वा। निगुतः। नि। गुतः। वस्त्रनि। दृक्षं। न। पङ्के।
धूनवत्। रणाय। मदि। इन्द्रि। इति। अस्य। वृषा। नाम। वृषऽइति। मा। अत्र। वा। पृक्षे। वा। वधात्रि
ति। अस्वापयत्। निगुतः। नि। गुतः। श्रेयन्। वा। अप। अमित्रान्। अप। अमित्रान्। अप। अजित। आ। चि
नः। अवोचत॥२१॥ अग्नेवाना अंतमः। वसुः। अग्निः। वसुश्रवाः। वसु। श्रवाः। अच्छा। नः। द्युम
मन्तः। रयिं। दाः। नः। चोशो विष्ठ। दीदिवः। सुम्नाय। नूनं। इमहे। सखिऽत्यः। स। खिऽत्यः॥२२॥
इमा नु कं। भुवना। सीषधामा। यत्। च। नः। तन्वः। चोषतात्। च। आदित्यैः। आ। दित्यैः। इन्द्रः
॥ मरुद्भिः। सीषधातु। आदित्यैः। आ। दित्यैः। इडः। मगणः। स। गणः। मरुद्भिः। अस्मत्। तेषु

ऽः। मर्षा। २

ज्ञा। करत्। २३॥ प्रवोळ्हेपा। २४॥ ॥ अर्द्धपावकः॥ ॥ प्रकाव्यमुशनेवब्रुवाणः। प्रा। ऊ। सासः
। वृषत्वा। वमुं। अच्छा। अस्मात्। अस्मं। वृषगणाः। वृषा। गणाः। अयासुः। अंगोषिणं। पवमा
नं। सखायः। सा। खायः। दुर्मर्षं। किणं। प्रा। वदंति। सा। कं। सः। योऽतन। ऊरुगायस्य। ऊरु। गाय
स्य। जूतिं। वृथा। क्रीडंतं। मिमानाः। गावः। परी। णसं। परी। णसं। ऊर्णुवानं। तिग्मशृंगः। तिग्म। शृ
गः। दिवा। हरिः। हरितः। नक्तं। ऋज्रः। पावानसः। रथाः। इव। अर्वानः। नश्वसुऽवः। सा। सा। सः
सचा। अकमुः। अरिष्वानासः। रथाः। इव। दधन्विरे। गभस्त्योः। नगमः। कारिणां। इव। गज्ञानः।
ना। पशस्तिऽभिः। पाशस्तिऽभिः। सोमासः। गोऽभिः। अंजते। यत्। ना। मा। धाशुभिः। पवित्रानासः
इंदवः। ओपानासः। विवस्वतः। वि। वस्वतः। ऋिन्वंतः। ऊधसः। नगं। सूराः। अण्वं। वितन्वते।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अपाधारा।मतीनां।प्रत्नाः।ऋण्वंति।कारवः।हृष्टाः।दरमे।आयवः।समीचीनासः।संईचीनासः।
आसत्।होतारः।मन्द्रजानयः।मन्द्राजानयः।पदं।एकस्य।पिप्रतः।नाना।नामिनः।आ।ददे।चक्षुषा
सूर्यं।दृशे।कावः।अपश्यं।आ।उदेति।अनिषियं।दिवः।पदे।अधर्युभिः।गुहा।हितोसूरः।
पदयंति।चक्षसा॥१॥अस्रयं।इंदवः।पथा।धर्मन्।ऋतस्य।सुश्रियः।सुश्रियः।विशनाः।अ
स्य।योजना।प्रधामसो।अश्रियः।मदी।अपः।वि।गाहते।हविः।हविः।सुवंद्यः।प्रायुजा।
वाचः।अश्रियः।वृषाअविक्रदद्वने।सम्।अतिमयः।अधारः।पवित।यत्।काव्या।कविः।हृद्
।सुमानः।अर्षति।स्वः।वाजी।सिषासति।पवमानः।अभिस्पृधः।विशः।राजा।इव।सीदति।
यत्।ईम्।ऋण्वंति।विधसः।अव्याः।वारा।परि।प्रियः।हरिः।वनेषु।सीदति।मनः।वनुष्य

ते।मानी।सः।वायुं।इंद्रं।अश्विना।साकं।मादन।गछति।रणाय।अस्य।धर्मणा।आ।मित्रा
मि।त्रावरुणा।नगा।माधः।पवंत।ऊर्मयः।विशनाः।अस्य।शकनिः।अस्मभ्यं।गदसी
इति।रयिं।मधः।वातस्य।सातये।श्रवः।वस्यनि।सं।जित।आतदक्षं।माया।सुव।आमदं।
आ।वारण्यं।आ।विप्रं।विप्रं।आ।मनीषिणं।पांतमापुरुस्पृहं।आ।रयिं।आ।सुवितानं।भु
विष्टुतं।आ।सुक्रतो।सुक्रतो।तनूषु।आ।पांतमापुरुस्पृहं॥२॥मूर्धानं।दिवाअरतिं।पृथि
व्याः।वाम्।विश्वे।अमृता।आ।मृतासो।जायमानं।शिशुं।नादवः।अभिसंनवंते।नवं।कवु
नि।अमृतत्वे।आ।मृतत्वं।आयन्।विश्वानरः।विश्वानरः।यत्।पित्राः।आदीदः।नाभिं।
यज्ञानां।मदनं।रयीणां।अहं।आहवं।आ।हुवं।अग्निं।सोनवंत।विश्वानरं।विश्वानरं।र

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ष्यं॑ अधुक्षन्। यज्ञस्य केतुं॑ जनयंत्ना॒दृवा॑:॥ ७॥ प्रा॒व॒:। मि॒त्राय॑। मि॒त्राय॑। गा॒यत्ना॑। व॒रु॒णा॒य॒। वि॒पा॒।
मि॒गा॒म॒हि॒ कृ॒त्रो॒। म॒हि॒ कृ॒त्रो॒। कृ॒तं॑। द॒दृ॒हन्। स॒का॒ता॒। सं॒। रा॒जा॒। या॒। घृ॒त॒यो॒नी॒। घृ॒त॒। यो॒नी॒ इति॑। मि॒
त्रः॑। मि॒त्रः॑। वा॒ उ॒। न॒। व॒रु॒णः॑। वा॒। दा॒। व॒रु॒णः॑। प्र॒ऽशास्ता॑। प्र॒ऽशास्ता॑। ता॒। नः॒। शक्वं॑। पा॒र्थि॒व॒स्य॒। म॒हः॑।
रा॒यः। दि॒व्यस्य॑। म॒हि॒। वः॒। कृ॒त्रो॒। दे॒वे॒षु॑॥ ८॥ इ॒ळः॒। आ॒। या॒हि॒। वि॒त्र॒ऽत्ता॒नो॒। वि॒त्र॒ऽत्ता॒नो॒। सु॒ताः॑। इ॒ळः॒।
नो॒। न्या॒य॒वः॒। अ॒प्ऽवी॒ति॒ऽभिः॒। त॒ना॒। इ॒ष्टा॒ऽभिः॒। इ॒ळः॒। आ॒। या॒हि॒। धि॒या॒। इ॒षि॒तः॒। वि॒प्र॒ऽजू॒तः॒। वि॒प्र॒ऽजू॒तः॒।
सु॒तऽवं॑तः। उ॒प॒। ब्र॒ह्मा॒णि॒। वा॒घतः॑। इ॒ळः॒। आ॒। या॒हि॒। इ॒तुऽऊ॑तिभिः। उप॑। ब्र॒ह्मा॒णि॒। हरिवः॒। सु॒तस्य॑।
दृ॒धि॒ष्व॒। नः॒। चनः॑॥ ९॥ तं। ई॒ळि॒ष्व॒। यः॒। अ॒ङ्गि॒रा॒ऽव॒नाः॒। वि॒श्वा॒। प॒रि॒ऽषू॒ऽभ॒वा॒। प॒रि॒। स्व॒ज॒ना॒त्। सु॒
ष्ठा॒। ऋ॒णा॒ति॒। ऊ॒ति॒ऽभिः॒। यः॒। इ॒ळे॒। आ॒ऽवि॒वा॒स॒ति॒। आ॒ऽवि॒वा॒स॒ति॒। सु॒म्नं॑। इ॒ळ॒स्य॒। म॒र्त्यः॑। धु॒

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

Takshashila Project

सूनृतासुनृताः। सुनृताः। अपः। नः। वाजवतीः। इषः। आ। सृज। पितः। अर्वतः। आ। इंद्रं। अग्निं। चः। वाहवः॥ इ॥ प्र। आयासीदिंदुरिंद्रस्य निष्कृतं। घः। वः। धियः। संऽस्रवुवः। विपन्यवः। पनस्यवः। संऽवरणेषु। सं। वरणेषु। अक्रमुः। हरिं। क्रीडंतं। अभि। अनूषत। गोऽनः। अग्निं। धेनवः। पयसा। इन्द्रं। अक्षिऽअवयुः। आ। नः। सोमं। संयतं। सं। यतं। पिप्युषीं। इषं। इंदो। पवस्व। पवमानः। ऊर्मिणा। यानः। सहंत। त्रिः। अरुषा। आ। रुशत्। अमश्वकषी। आ। मश्वकषी। कुमत्। वाजवत्। मधुमत्। सुवीर्यं। सुऽवीर्यं॥ ७॥ नकिष्टं कर्मणा नशत्। अषाढं। उग्रं। पृतना। सुऽसहिं। यस्मिन्। महीः। उरुऽज्रयः। उरुऽज्रयः। सं। धेनवः। जायमाने। अनोनवुः। घवः। क्रीडीः। अनोनवुः॥ ८॥ मरुत्वतीयं। आ। निषीदत। सं। ईं। वत्सं। न। मातृऽभिः। महंता। गयमाधनं। गय।

Takshashila Project

मा॒धनं॒॑ दा॒व्यं॒॑ दा॒व्ये॑ अ॒व्यं॑ मदं॑ अ॒भि॑॥ दि॒शा॒वसं॑ दि॒शा॒वसं॑ पुना॒त॒ दक्ष॑साधनं॑ दक्ष॑साध॒
नं॑ यथा॑ शर्द्धा॑य वी॒तये॑ यथा॑ मि॒त्राय॑ मि॒त्राय॑ वरु॒णा॒य॒ शं॒त॒मं॑॥ ९॥ प॒वा॒जी॑ अ॒क्रा॒वि॒ति॒
॥ स॒ह॒स्र॒धा॒रः॑ स॒ह॒स्रा॒ धा॒रः॑ नि॒रः॑ पि॒प॒वि॒त्रं॑ वि॒ वा॒रं॑ अ॒व्यं॑ सः॑ वा॒जी॑ अ॒क्रा॒वि॒ति॒ स॒ह॒स्रे॒णा॑॥
स॒ह॒स्रा॒ना॒ः॑ मि॒त्र अ॒भि॑॥ ह॒ज्ञा॒न॒ः॑ ग॒न्ति॒ः॑ श्रि॒ण॒ानः॑ प॒वा॒ सो॒मा॒ या॒हि॒ इं॒द्र॒स्या॑ ऊ॒क्षा॒ न॒ति॒ः॑
ये॒मा॒न॒ः॑ अ॒द्रि॒ति॒ः॑ अ॒द्रि॒ति॒ः॑ सु॒त॒ः॑॥ १०॥ या॒ सो॒मासः॑ प॒व॒व॒ति॒ यो॒ अ॒र्षं॒व॒ति॒ सु॒न्वि॒रे॒ ये॑
वा॒ अ॒दः॑ त्रै॒र्य॒णा॒व॒ति॒ ये॒ आ॒ङ्गी॒ कु॒ष्ठ॒ रु॒च॒सु॒ यो॒ मध्ये॑ प॒स्त्या॑नां॑ यो॑ वा॒ ज॒नेषु॑ पं॒च॒सु॑
ता॒ न॒ः॑ वृ॒ष्टिं॑ दि॒वः॑ परि॑ पर्व॒ता॒मू॒ आ॒ सु॒वी॒र्यं॑ सु॒वी॒र्यं॑ स्व॒ा॒ना॒ः॑ द॒व॒मः॑ इं॒द॒वः॑॥ ११॥ आ॒ ३१
ति॒व॒ सो॒मा॒ना॒ य॒म॒न्॒ कु॒क्षा॒ सि॒न्धु॒ः॑ स॒ह॒ दृ॒ळ्हा॒ स॒ह॒ दृ॒ळ्हा॒ अ॒भि॑ दि॒शः॑ वि॒श्वाः॑ अ॒न्य॒ मन्य॒वः॑ प॒रि॒ष्ठुः॑

Digitized by Vaidika Bharata/Sparrow Trust, Mayiur Vihar, New Delhi

Takshashila Project

समस्मु।स।मस्मु।वो।हवामहे।समस्मु।म।मस्मु।अग्निं।अवसे।वाजयंतः।हवामहे।वाजे
षु।चित्रराधसं।चित्रराधसं॥२॥वनइंद्रानरा।वं।हिनः।पिता।वसो।वं।माता।शतक्रतो।
शत।क्रतो।बभूविथ।अथा।त।सुम्नं।ईमहे।वां।शुष्मिन्।पुरुहूत।पुरु।हूत।वाजयंतं।
उप।ब्रुवे।सहस्कृत।सहः।कृत।सः।नः।रास्व।सुवीर्यं।सु।वीर्यं॥३॥यद्दिद्यवि।चित्रमिन्द्र
यन्।मन्य।से।वसुपते।इंद्रेयकं।यत्।त।आ।नग।विद्याम।तस्य।ते।वयं।अकूपारस्य
।दावनः।यन्।ता।दिक्षु।प्राध्या।प्राराध्या।मनः।अस्मि।कृतं।हृदा।ता।ना।हुव।विश्व।अ
ङ्गिरः।अ।ङ्गिरः।अः।वाहं।दर्षि।मानये।रध॥॥इतिचतुर्थः प्रपाठकः॥॥क्रिभ्रं।ऊङ्खानं।
दर्यतं।हृङ्कृतिं।शुनंतिं।विप्रं।वि।प्रं।मरुतः।गणेन।कविः।भीतिः।कोव्यन।कविः।सन्।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सामः पवित्रमत्येति रन्वृक्षिमनाः। ऋषिमनाः। यः। ऋषिक्षित्। ऋषि। क्षित्। स्वर्काः। सः।
माः। सदस्वनीथः। सहस्रानीथः। पदवीः। पदावीः। कवीनां। इनीयं। धामन्। हिषः। सि
ञ्चासोन्। सामः। विगाडं। विगानं। अनुगाऽनि। सुपूः। चमूषत्। चमूसत्। क्षयन्। शुक्रः
नः। विक्षवा। विक्षवा। गाविंदुः। गाः। विंदुः। इन्द्रः। आयुधानि। बिभ्रत्। अपां। ऊर्मिः। सः
वृषभः। समुद्रं। सं। ऊदं। ईरीयं। धामन्। हिषः। विवक्ति॥२॥ एते। सामाः। अति। प्रि
यं। इन्द्रस्य। कामं। अक्षरन्। वर्ष्टनः। अस्य। वीर्यं। पुरुधाऽसः। चमूषदः। चमूसदः। मधुं
नः। वायुं। अश्विना। नूनः। धत्त। सुवीर्यं। सुवीर्यं। इन्द्रस्य। सोम। राधसे। पुनानः। हार्दि
कात्थ। देवानां। योनिं। आसदं। आसदं। हृदे। निवाऽदं। क्षिपः। दिन्वंति। सप्त।

धीतयः। अनु। विप्राः। विप्राः। अमादिषुः। दिवेऽदिवे। आ। मदाय। कं। सृजानं। अति। मेष्यः। सं
। गोभिः। वासयामसि। पुनानः। कलशेषु। आ। वस्त्राणि। अरुषः। हरिः। परि। गव्यानि।
अव्यत। माघोनः। आ। पवस्व। नः। जहि। विश्वाः। अप। द्विषः। इंदो। सखायं। सा। खायं।
आ। विशा। नृवत्। सं। नृवत्। सं। आ। वयं। इंदुपीतं। इंदुऽपीतं। स्वर्विदं। स्वः। विदं। जरी
महि। प्रजां। प्राऽयं। इषं। वृष्टिं। दिवः। पस्त्यवाऽयन्नं। पृथिव्याः। अधि। सदः। नः। सामः।
पवमानः॥२॥ सामः। पुनानः। अर्षति। सहस्रधारः। सहस्रऽधारः। अत्यविः। अति। अ
विः। वायोः। इंद्रस्य। निष्कृतं। निःऽकृतं। पवमानं। अवस्यवः। विप्रं। विऽप्रं। अभिऽप्र
। गायत। सुऽअयं। देववीतये। देवऽवीतये। पवंत। वाजसातये। वाज। सातये। सो

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

माः। सहस्रिणं पात्रमः। सहस्रि। पाजसः। गृणानाः। इववीतये। इवू। वीतये। उत। नः। वा
जसाताया। वाज। सातये। पवस्व। वृत्नीः। इषः। धमन्। इंदो। सुवीर्या। सु। वीर्या। अद्याः।
दिवा नाः। नादृषिः। असृग्रं। वाज। सातये। वा। जं। अग्मं। आशवः।
नानः। सहस्रिणं। रयिं। पवंता मासुवीर्यं। स्वानादवासइंदवः। वाश्राः। अर्षंति। इं
दवः। अजि। वस्यं। नामानं। दधन्विरे। गभस्त्योः। जुष्टः। इंद्राय। मत्सरः। पवमानः। कनि
क्रदत्। विश्वा। अप। द्विषः। जहि। अध्नंतः। अप। घ्नंतः। अराव्णः। आ। राव्णः। पवमानाः। स्व
र्दृशः। स्वः। दृशः। याः। नः। कृतस्य। सीदन। ॥ सोमाः। असृग्रं। इंदवः। सुताः। कृत
स्य। धारया। इंद्राय। मधुमत्तमाः। अजि। विप्राः। वि। प्राः। अदृषत। गावः। वस्यं। नथे

Takshashila Project

नवः।इंद्रः।सोमस्यपीतये।मदाय।कृतुः।हि।तिसादने।सिंधोः।ऊर्मा।विपश्चि
त्।विपः।चित्।सामः।गोरीइति।अधिस्रितः।दिवः।नाभा।विचक्षणः।विचक्षणः।अ
या।वारा।मदीयति।सामः।यः।सुक्रतुः।सुऽक्रतुः।कविः।यः।सामः।कनिक्रदत्।अ।
अंसत्रिति।पवित्रा।आहितः।आऽहितः।तं।इंदुः।परिसस्वजे।त्रा।कवं।इंदुः।इति।
समुद्रस्य।सं।उद्रस्य।अधि।विष्टपि।जिन्वन्।कोशं।मधुऽश्चुतं।मधुऽश्चुतं।नि।षसदो
त्रः।नि।षत्रः।स्तोत्रः।वनस्पतिः।धिनां।अंनतिति।सवर्दुघां।सवः।दुघां।दिव्वानः।मानु
षा।युक्ता।आ।पवमान।धारया।रयिं।वीरवतीं।इषं।ईरयन्।नः।सामा।विश्वतः।अप्रतिष्क
वर्चसं।सदस्त्रा।वर्चसं।अमे।इति।इंदो।स्वानुवं।सुऽआनुवं।अत्ति।प्रिया।दिवः।कविः।वि

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

त्रः।वि।त्रः।सः।भारया।सुतः।सामः।हिन्वे।परावति।४।अत्।ता।शुष्मासः।ईरते।सिंधोः।
ऊर्मिः।इव।स्वनः।कृतस्य।योदय।पविं।प्रसव।प्रासाव।ता।उत्।ईरते।तिस्त्रः।वाचः।म
खस्यवः।यन्।अव्यो।एषि।सानवि।अव्याः।वारे।पवित्रियं।दसि।हिन्वंयद्रिनिः।कृतु
पवमानं।मधुश्चुतं।मधु।श्चुतं।आ।पवस्वमदिंतम।पवित्रं।भारया।कवे।अर्कस्ययो
निमासदं।सः।पवस्वमदिंतम।नोनिः।अंक्तानः।अकुभिः।आ।इंद्रस्य।ऊवरं।विश।
॥५॥अया।वीती।परिस्रव।यस्तरः।मघः।साह्वः।इंद्रा।धियेइंद्रा।धियं।दिवोदासाय।दिव
ः।दासाय।शंबरं।शं।बरं।अधा।यं।तुर्वशं।यदुं।परि।नः।अश्वं।अश्ववित्।अश्वाति।३४
ना।गामदिं।दासिरण्यवत्।कर।सदसि।एणीः।इषः॥६॥अपघ्नन्।पवतेमधः।मदः।नः।

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

इस्या॑ शूषो॑ ईरय॒न्नप॑ स्यु॒वः॑ इंऽ॒शुः॑ दि॒व्यानः॑ अक्ष्यते॑ मनी॒षिभिः॑ इंऽ॒स्या सो॒
रः॑ ना॒धत्ता॒ आयु॑धा॒ गन॑स्यो॒ः॑ स्वाऽअ॑भि॒ति॑ मि॒षान्॒ रथि॑रः॑ गवि॑ष्टि॒षु॑ गा॑ इ॒ष्टि॒षु॑ इं
स्वा॑ शूषो॑ ईरय॒न्नप॑ स्यु॒वः॑ इंऽ॒शुः॑ दि॒व्यानः॑ अक्ष्यते॑ मनी॒षिभिः॑ इंऽ॒स्या सो॒
मः॑ ब॒भ्रो॒ऽदि॒तः॑ घृ॒तश्चु॑॑ श्चो॒की॒ मः॑ सा॒म्यः॑ गि॒रा॒ वज्रः॑ ना॒ सं॒ऽहृ॒तः॑ सं॒ऽहृ॒तः॑ स॒ब॒लः॑ सा॒ब॒
ला॑ः॑ अ॒न॒प॒क्कृ॒तः॑ अ॒ना॒ अ॒प॒स्यु॒तः॑ व॒व॒क्षे॒ उ॒ग्रः॑ अ॒धि॒ऽवि॒नः॑ आ॒ऽधि॒वि॒नः॑॥१०॥ अ॒ध॒र्यो॒ अ॒द्रि॒
भि॒ः॑ सु॒तं॑ न॒वा॒ग्ये॒ऽइंदा॑ अ॒धं॒स॒ः॑ दि॒वा॑ः॑ म॒मे॒ः॑ वि॒ऽआ॒ह॒त॒ प॒व॒मा॒न॒स्य॒ म॒रु॒तः॑ दि॒व॒ः॑ पी॒यू॒
षं॑ उ॒त्ऽत॒मं॑ सा॒म॒ मि॒ं॒द्रा॒य॒ व॒ज्रि॒णे॑ सु॒नो॒त॒ म॒धु॒ऽम॒त्ऽत॒मं॑॥११॥ ध॒न्ऽजि॑त्॒ वा॒ज॒ऽसा॒ः॑ सू
रः॑ ना॒ धत्ता॒ आयु॑धा॒ गन॑स्यो॒ः॑ स्वाऽअ॑भि॒ति॑ मि॒षान्॒ रथि॑रः॑ गवि॑ष्टि॒षु॑ गा॑ इ॒ष्टि॒षु॑ इं
एषि॑ स्तं॒ अ॒ग्नाऽई॑यसे॒ दि॒वा॒ऽदि॒वा॒न्॥१२॥ तमि॑ं॒ वा॒ज॒या॒म॒सि॒ इं॒दुं॒ सः॑ सो॒म॒ने॒ कृ॒तः॑ उ॒ऽनि॒ष्ठः॑
मः॑ ब॒भ्रो॒ऽदि॒तः॑ घृ॒तश्चु॑॑ श्चो॒की॒ मः॑ सा॒म्यः॑ गि॒रा॒ वज्रः॑ ना॒ सं॒ऽहृ॒तः॑ सं॒ऽहृ॒तः॑ स॒ब॒लः॑ सा॒ब॒
ला॑ः॑ अ॒न॒प॒क्कृ॒तः॑ अ॒ना॒ अ॒प॒स्यु॒तः॑ व॒व॒क्षे॒ उ॒ग्रः॑ अ॒धि॒ऽवि॒नः॑ आ॒ऽधि॒वि॒नः॑॥१३॥ अ॒ध॒र्यो॒ अ॒द्रि॒
भि॒ः॑ सु॒तं॑ न॒वा॒ग्ये॒ऽइंदा॑ अ॒धं॒स॒ः॑ दि॒वा॑ः॑ म॒मे॒ः॑ वि॒ऽआ॒ह॒त॒ प॒व॒मा॒न॒स्य॒ म॒रु॒तः॑ दि॒व॒ः॑ पी॒यू॒
षं॑ उ॒त्ऽत॒मं॑ सा॒म॒ मि॒ं॒द्रा॒य॒ व॒ज्रि॒णे॑ सु॒नो॒त॒ म॒धु॒ऽम॒त्ऽत॒मं॑॥१४॥ ध॒न्ऽजि॑त्॒ वा॒ज॒ऽसा॒ः॑ सू
मा॒ प॒व॒मा॒न॒ः॑ ऊ॒र्मिणा॑ त॒वि॒ष्य॒मा॒णः॑ ज॒ठरे॑षु॒ आ॒ वि॒श॒ः॑ प॒वा॒नः॑ वि॒श्वा॒ वि॒श्वा॒नु॒ वि॒ऽय॒न्॒
अ॒व्या॒ः॑ वा॒रं॒ प॒र्षि॒ धि॒या॒नः॑ वा॒ज॒ान्॒ उप॑ मा॒ हि॒ श्र॒व॒स्यु॒तः॑॥१५॥ यद॑ि॒ं॒द्र॒ प्रा॒गपा॑गुद॒
क्॒ या॒त॒ना॒ का॒मा॒ऽऊ॒म्या॒ः॑ ऋ॒ष॒या॒ः॑ श्र॒पा॒वा॒कः॑ ऊ॒र्ध्वो॒ऽइं॒द्र॒ मा॒दया॑से॒ सु॒ऽवा॒कः॑ ए॒व॒ सः॑ सु॒ऽआ॒ः॑ सो॒म॒ नि॒ः॑
ब्रू॒ल्ला॒ वा॒दसः॑ ब्रू॒ल्ला॒ वा॒दसः॑ इं॒द्रा॒ आ॒ य॒ल्ल॒भि॒ष्य॒सि॒ आ॒ गहि॑॥१६॥ न॒ न॒ य॒ऽऋ॒णौ॒ व॒ज्रि॒न॒ः॑ तं॒ऽइ॒द्
स॒खा॒ऽइं॒द्रः॑ स॒खा॒ गो॒ऽअ॒ग्रं॒ वृ॒ष॒न्तं॑ वं॒ऽऋ॒ज॒सा॒ वि॒व॒क्षे॒ऽइति॑ नि॒ऽऋ॒तऽइ॑न्द्र॒ क्र॒तुः॑ नि॒ः॒ त॒त॒क्षु॒ः॒ न॒ा॒ उ॒प॒मा॒
नं॑ उ॒पा॒मा॒नं॑ व्र॒ष॒भः॑ नि॒ऽमी॑दसा॒ सा॒म॒ कामं॑ सा॒म॒ कामं॑ हि॒ता॒ म॒नः॑॥१७॥ प॒व॒स्व॒ दि॒
वं॒ऽउ॒ प॒व॒मा॒नं॑ व्र॒ष॒भः॑ नि॒ऽमी॑दसा॒ सा॒म॒ कामं॑ सा॒म॒ कामं॑ हि॒ता॒ म॒नः॑॥१८॥ प॒व॒स्व॒ दि॒
व॒ आ॒यु॒ष॒क्॒ प॒व॒मा॒ना॒ नि॒ऽता॒शा॒मा॒ र॒यिं॑ सो॒मा॒ स्र॒व॒ा॒य्यं॑ इं॒दो॒ स॒मु॒द्रा॒ सं॒ऽउ॒द्रं॒ आ॒ वि॒
श॒ा॒ प॒व॒मा॒न॒ः॑ ऊ॒र्मिणा॑ त॒वि॒ष्य॒मा॒णः॑ ज॒ठरे॑षु॒ आ॒ वि॒श॒ः॑ प॒वा॒नः॑ वि॒श्वा॒ वि॒श्वा॒नु॒ वि॒ऽय॒न्॒
अ॒व्या॒ः॑ वा॒रं॒ प॒र्षि॒ धि॒या॒नः॑ वा॒ज॒ान्॒ उप॑ मा॒ हि॒ श्र॒व॒स्यु॒तः॑॥१९॥ अ॒नी॒ना॒ वा॒ज॒सा॒ त॒मं॒ वयं॑ ता॒ अ॒स्य॒ रा॒ध॒सः॑ व॒सो॒ः॑
इ॒ष्मो॒ अ॒घ्न्य॒व॒म॒ मृ॒ध॒ः॑॥२०॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वसो॰ऽपुरुस्पृहः॰ऽपुरुस्पृहः॰नो॰नरिष्टुतमाः॰इषः॰स्याम॰सुम्नाना॰अग्रेगो॰अग्रेगो
॰परिष्यः॰स्वानः॰अरंहसा॰इंदुः॰अव्ये॰मदच्युतः॰मदच्युतः॰धनायः॰ऊर्मिः॰अ
ग्रे॰आह्नाना॰यानि॰गव्ययुः॥१६॥पवस्व॰सोम॰अक्तुः॰पवस्व॰दक्षसाधनः॰सोम॰दिवे॰
पृथिव्यै॰शं॰वा॰प्रजाभ्यः॰प्राजाभ्यः॰दिवः॰धर्ता॰असि॰शुक्रः॰पीयूषः॰सत्य॰विधर्म
न्॰विधर्मन्॰वाजी॰पवस्व॥१७॥पेशं॰वो॰अतिथिं॰कविं॰इषा॰प्रशं॰स्यं॰प्राशं॰स्यं॰यं
दवासः॰इति॰क्षिता॰नि॰मर्त्येषु॰आ॰दधुः॰आ॰दधुः॰वं॰यविष्ठ॰दाशुषः॰नॄन्॰पाहि॰
शृणुधी॰गिरः॰रक्षा॰ता॰कं॰उत॰तमना॥१८॥एंद्रानागधि॰प्रिय॰अतिथि॰सत्यमो ३६
मपाः॰सोम॰पाः॰उतेति॰बर्हथा॰गदसीति॰इंद्र॰असि॰सुन्वतः॰वृधः॰पतिः॰

दिवः॰त्वं॰दृ॰शाश्वतीं॰इंद्र॰दर्ता॰पुरां॰असि॰दंता॰दस्योः॰मनोः॰वृधः॰पतिः॰दिवः
॥१९॥पुरंधिं॰नः॰सुवाक॰विः॰त्वं॰वृत्रहन्॰गोमतः॰अपा॰अवः॰अद्रिवः॰आ॰दिवः॰मि
त्र॰त्वं॰दक्षा॰अदितिष्कधः॰आदितिष्कधः॰सुऽप्रणीतयः॰आ॰विष्णुः॰इंद्रं॰ईशानं॰त
जमा॰अग्निं॰सोमं॰रुद्रहूतये॰मरुत्वंतं॰यज्ञं॰गनयः॰उत॰कं॰सनिं॰वाजं॰सनेमि॰वाजं॰
॥२०॥ ॥पर्जन्यपावकः॥ ॥अर्कं॰सप्तिः॰प्रथमं॰विधर्मन्॰मस्सि॰वायुं॰इष्टये॰राधसे॰न
॰मस्सि॰मित्रा॰मस्सि॰वा॰कर्णा॰श्रयमाणः॰मस्सि॰वार्द्धः॰मारुतं॰मस्सि॰देवा॰मस्सि॰
द्यावा॰पृथिवी॰इति॰दवासाम॰मद्वसिष्ठासोमा॰मदिष॰श्चकार॥२१॥एषः॰दिवः॰अ
मर्त्यः॰आ॰मर्त्यः॰पर्मवीः॰पर्मा॰वीः॰इवादीयते॰अभि॰द्रोणानि॰आसदं॰आसदं॰

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वसो॑ऽउरुस्पृ॒हः॑ऽउरु॑स्पृ॒हः॑नो॑नि॒धिभृ॑तमाः॑इषः॑स्या॑मसुम्ना॑ता॒ऽअ॒ग्नेगो॑अ॒ग्नेगो॑
॑पति॑स्यः॑स्वानः॑अरं॑कृतो॑इंदुः॑आ॒ग्ये॑मदऋ॑तः॑मदा॑ऋ॑तः॑भगा॑यः॑ऊर्ध्वः॑अ
ध्व॑रा॒ऽआ॒ज॒ना॑या॒नि॑गव्ययुः॥१६॥पव॑स्वसो॑म॑श्रु॒क्रः॑पव॑स्वदे॒व्यः॑सो॑म॑दि॒वे॑
पृ॒थि॒व्यै॑शं॑वा॒प्र॒जा॒भ्य॒ः॑प्रा॒जा॒भ्य॒ः॑दि॒वः॑ध॒र्ता॑असि॑शु॒क्रः॑पी॒यू॒षः॑सा॒ध्यः॑वि॒धर्म
न्॑वि॒धर्म॑न्॒वाजी॑पव॑स्व॥१७॥पे॒शं॑वो॒अ॒तिथिं॑कविं॑इ॒वा॒प्र॒शं॑स्यं॑प्रा॒वो॑ऽस्यं॑यं॑
दे॒वासः॑इति॑क्षि॒ता॑नि॒मर्त्य॑ष्वा॒आ॑द॒धुः॑आ॑द॒धुः॑वं॑यवि॑ष्ठा॒सा॒धु॒यः॑नृ॒न्पा॑हि॑
शृणु॑हीगिरः॑र॒क्षो॒ता॒कं॑उ॒त॒त्मना॥१८॥ए॒न्द्रा॒ना॒ग्नमि॒त्रि॒या॒अ॒नि॒वि॒त्सु॒ऽआ॒सो॑ ३६
म॒पाः॑सो॑म॑पाः॑उ॒त॒प्र॒शं॑सि॒षः॑ब॒हू॒थ॑गा॒दमी॑शं॑इं॒द्रा॒सि॑सु॒न्व॒तः॑वृ॒धः॑पति॑ः॑

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

दिवः।त्वा।दिशन्तीम्।इन्द्रः।दर्त्रा।पुरां।अभिः।दंता।दस्योः।मनोः।वृधः।पतिः।दिवः
॥१९॥पुरां।भिंदुर्युवाकविः।त्वां।वृत्रेषु।गामतः।अपाः।अवः।अद्रिवः।आ।दिवः।नि
त्वां।त्वां।दिवा।अत्रिम्फषः।आ।त्रिम्फषः।नृषामाणासः।आ।विषुः।इंद्रं।ईशानं।ओ
जसा।अभि।स्मा।नेरुषन्।मदंत्वां।यज्ञासः।उत।वा।संति।पूर्वयः॥२०॥
॥इति।द्वादशं।पावकं॥॥अक्रान्।समुद्रः।प्रथमे।विधर्मन्।जनयन्।प्रजा।भुवनस्य।गोपाः।
वृषा।पवित्रे।अधि।सानो।अव्ये।बृहत्।सोमः।वावृधे।सुवाने।अदाभ्यः।
मंत्रा।कविः।विदथस्य।साधनः।ग्रामण्यः।सोमः।पवते।मदिंतमः॥१॥मसि।मित्रः।असि।वरुणः।
मसि।विश्वायुः।उरुशंस।सोमः।मसि।त्रिधातुः।अवयाः।पावमानः।मसि।विश्वतः।परिभूः।
ध्रुवः।पृथिवीं।इति।द्वा।सामा।मदंत्।सामा।मदिषः।चकारः॥२॥एषः।दिवः।अ
मर्त्यः।आ।मर्त्यः।पर्मवीः।पर्मावीः।इवादीयते।अभि।द्रोणानि।आ।सदं।आ।सदं।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ओ॒सेदे॥एषः॑। विप्रैः॑। वि॒प्रैः॑। अ॒भि॒ष्टु॒तः॑। अ॒भि॒ऽस्तु॒तः॑। अपः॑। दे॒वः॑। वि। गा॒हते॑। दधत्॑
इन्द्रा॑नि। दा॒शुषे॑॥एषः॑। विश्वा॑नि। वा॒र्या॑। सू॒तः। यन्। इ॒वा॒स॒चत्॑। निः॑। पव॑मानः। सि॒षा॒स॒ति॑
॥एषः॑। दे॒वः॑। र॒थ्य॑ति॑। पव॑मानः। रि॒ष॒स्य॒ति॑। आ॒ऽविः॑। आ। वि॒ऽः॒कृणो॑ति। वसू॑नि॥एषः॑
दे॒वः॑। वि॒प॒न्यति॑। पव॑मानः। ऋ॒ता॒युति॑। दृ॒ति॒ऽहा॒। ज॒न॒ऽय॒। मृ॒ज्य॒ते॥एषः॑। दे॒वः॑। वि॒ष॒
ऋ॒तः॑। अ॒ति॒ऽक॒दा॒। सि॒ध॒त्। धा॒रया॑। पव॑मानः। अ॒दा॒स्यः॥एषः॑। दि॒वं॒ऽवि॒। धा॒व॒ति॒। तिरः॑। रजा॑
ऽसि। धा॒रया॑। पव॑मानः। क॒नि॒क्र॒दत्॥एषः॑। दि॒वं॒ऽव्या॑। स॒र॒त॒। वि। आ। स॒र॒त॒। तिरः॑। र
जा॑ऽसि। अ॒भि॒ऽस्तृ॒तः॑। अ॒भि॒ऽस्तृ॒तः॑। पव॑मानः। स्व॒ध्व॑रः। सु॒ऽअ॒ध्व॑रः॥एष॒ प्र॒त्नेन॒ जन्म॑ना॥ए २१
षः। उ॒ऽस्याः। शु॒क्रऽव॑तः। इ॒क्र॒ऽव॑तः। ज॒ल्गा॒नेः। जन॑यन्। इ॒षः॑। धा॒रया॑। पव॑मा॒नः। सु॒तः॑॥२॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

एषः। धिया। याति। अप्ऽया। शूरः। रथेभिः। आशुऽभिः। गच्छन्। इन्द्रस्य। निष्कृतं॥ एषः। हरिऽभिः। युजानः। वृहन्। इषं। तनाय। यत्रा। अमृतासः। आ। मृतासः। आ। अस्थुः॥ एतं। मृजन्ति। मर्ज्यं। उप। द्रोणेषु। आयवः। प्रऽचक्राणं। महीः। इषः॥ एषः। दिवं। वि। धावति। अति। धन्वा। पणीऽयतः। अत्यः। न। संऽअजत्। पथा। यदी। गच्छन्। वृत्रऽहा। गृणानः। जमदग्निऽवत्। स्तवत्॥ एषः। शुष्मी। अभिऽसृतः। पतिः। सिन्धूनां। भवन्। एषः। धृष्टः। दाशुषे। वसु। अधि। द्यौतानः। अक्रमीत्। दिवः। पृथ्वी। अभि। ओजसा॥ एषः। विश्वानि। पिप्रतः। परुषा। यक्षवानऽइव। अतिऽअवा। दाशुषः। वसु। गच्छन्। इन्द्रऽइव। दुरः। एषः। विश्वानि। दुरिता। परिऽसन्वा। किल। महत्। पवमानः। नि। अस्पृत। रथश्चित्रः। न। आयवे। एषः। विश्वानि। अभि। अस्त्या। वारं। नि। अक्रमीत्। अभि। द्रोणानि। धावति। पवमानः। अदाभ्यः। शतधारः। उत्ऽअर्षति। कविः। गीभिः। परिऽस्कृतः। एषः। हिन्वानः। अर्षति। हरिः। पवित्रे। अक्षरत्। सोमः। देवेषु। पवते। एषः। विश्वानि। तिरति। दुरिता। सोमः। अहऽभ्यः। नदीषु। ऊर्मिः। अत्यः। न। सिन्धुषु। सिषासन्। द्युम्नं। अभि। अर्षति। सहस्रधारः। वृषभः। दिवः। रिरिक्षन्। वाजं। गोऽमन्तं। उप। नः। याहि। अर्वाङ्। पवस्व। धारया। मरुत्ऽवन्तं। हवामहे॥ १॥ एषः। उषसः। अधि। याति। पवमानः। अभिऽस्तुतः। कण्वेभिः। ऋतऽवा। सुतः। विश्वानि। दुरितऽतरन्। सोमः। पुनानः। अर्षति। हरिः। सृजानः। अत्यः। न। भुरिऽजोरिति भुरिऽजोः। न। सिन्धवः। दधन्वे। वाचं। जनयन्। इषं। वृषा। सुतः। पवित्रे। अक्षरत्। पतिः। विश्वस्य। मेधिरः। दिवः। पीयूषं। आ। दुहत्। अदब्धः। अन्तरीयते। हरिः। सृजानः। अत्यः। न। सत्वभिः। यदी। गोभिः। वसयते। कृतः। एषः। शुष्मी। घृतऽश्चुतं। उत। हरी। इति। दधन्वान्। यातवे। मदेषु। सर्वधा। असि। मंहिष्ठः। वाजसातये। मदेषु। सर्वधाः। असि। यत्। इन्द्राय। सुनवे। पवसे। अन्धसा। मुख्यः। सन्। उत्ऽतमं। वरिवः। धः। अपऽघ्नन्। पवते। मृधः। अग्नेः। विश्वानि। रक्षसः। दहन्। पवस्व। विश्वतः। मुखः। अदाभ्यः। गोपाः। पुरः। एषः। पवते। देवऽयुः। एषः। सिन्धुषु। एषः। अपि। वाजसातमः। पुनानः। हरिऽभिः। याति। कलशं। परि। सोमः। पवित्रे। अक्षरत्। प्रऽयाः। सहस्रऽधारः। वृषभः। विऽधर्मणि। देवः। देवेभिः। समपृक्त। रसं। दुहानः। अद्रिऽभिः। पवमानः। नि। षीदति। दशऽवृक्षः। अभिऽस्तुतः। अभि। गव्यानि। सुष्मिणः। वरिवः। धनानि। दत्वतः। अभि। वाजसातये। कलशाः। देवऽमंशवः। सोमाः। पवित्रे। अक्षरन्। मदाय। बर्हणा। गिरा। एते। असृग्रं। आशवः। देवाः। देवेभ्यः। परि। पवित्रे। रण्या। हरी। इति। धनञ्जया। रथे। वाजयमानौ। अभि। गव्यानि। दावने। इन्द्रं। सोमाः। अमन्दिषुः। पवमानासः। अक्षरन्। देवासः। देवपायवः। प्रऽसवे। याः। ऋतावरीः। अति। विश्वाः। पवित्रे। अक्षरन्। आपः। अयक्षत। तन्वः। मम। ज्योतिः। अथ। यत्। उत्ऽतमं। वरिवः। तत्। नः। ऊं। इति। सोम। विश्वतः। पवस्व। देवऽवीरति

Takshashila Project

एतं। इतस्य। योषणः। हरिं। दिवः। वयंति। दिविं। इंदुं। इंद्रियं। पीतये॥ एषः। स्यः। मानुषीषु। आ।
विश्यनः। न। विक्रमीदति। गछन्। जारः। न। योषितं॥ एषः। स्यः। मघः। नमः। अव। चक्षे।
दिवः। शिशुः। यः। इंदुः। वारं। आ। विशन्। आ। अविशन्॥ एषः। स्यः। पीतये। सुतः। हरिः।
अर्षति। धर्मसिः। क्रंदन्। योनिं। अभि। प्रियं॥ एतं। त्यं। हरितः। दश। मर्जयंति। अप।
स्युवः। यंति। ग्रावभिः। सुन्वते॥ ४॥ एषः। वाजी। हितः। नृभिः। विश्वविन्। विश्वविन्। मे
नसः। पतिः। अव्यं वारं। वि। अव्यत॥ एषः। पवित्रे। अक्षरत्। सोमः। देवेभ्यः। सुतः। विश्वा
। अभ्यानि। आ। विशन्। आ। विशन्॥ एषः। दिवः। सुतायाति। अपि। यानः। अमर्त्यः। आ। ३८
मर्त्यः। कृत्रऽहा। हृत्रा। हा। देवऽवीतमः। देवा। वीतमः॥ एषः। कृपा। कनिक्रदत्। हरिः। ज्ञा

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

मिनिः।यन्।अभि।द्रोणानि।धावति।एषः।सूर्यस्य।रोचयन्।पवमानः।अधि।द्यवि।पवित्रे।
मत्सरः।मदः॥एषः।सूर्येण।हासते।संवसानः।सं।वसानः।विवस्वता।वि।वस्वता।पतिः।वा
चः।अदाभ्यः।आ।दाभ्यः॥५॥एषः।कविः।अभिष्टुतः।अभि।स्तुतः।पवित्रे।अधि।तोशते
ते।पुनानः।घ्नन्।अपः।दिषः॥एषः।इन्द्राय।वायवे।वरुणाय।मरुद्भ्यः।उशते।
पवित्रे।दक्षसाधनः।दक्ष।साधनः॥एषः।नृभिः।वि।नीयते।दिवः।हर्या।हरिः।सुतः।सो
मः।वनिष्णुः।विश्वविन्।विश्वा।वित्॥एषः।गव्यः।अविक्रदत्।पवमानः।हिरण्ययुः।इ
न्दुः।मन्द्राभिः।मन्द्रा।अभि।अस्तृतः।आ।स्तृतः॥एषः।शुष्मी।अभिष्यदत्।अंशुरोरुषु।
वृषा।हरिः।पुनानः।इन्दुः।इन्द्रं।आ॥एषः।शुष्मी।अदाभ्यः।आ।दाभ्यः।सोमः।पुनो

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

नाअर्षतिादकवीरघ्नश्८ सहा॥ दा॥ सः।सुतः।पीतये।शुचा।सोमः।पवित्रे।अर्षति।वि।घ्नन्।वि।
।घ्नन्।रक्षा८सि।देवयुः॥ सः।पवित्रे।विचक्षणः।वि।चक्षणः।हरिर्वर्षति।धर्मसिः।अभियोनि।
कनिक्रदत्॥ सः।वाजी।रोचनं।दिवः।पवमानः।वि।धावति।रक्षोहा।रक्षः।हा।कर्ता।अपयं।
॥सः।त्रितस्य।अधि।सानवि।पवमानः।अरोचयत्।जामिभिः।सूर्यं।सहा।सः।वृत्रहा।वृत्र।
हा।ऋता।सुतः॥ वरिवोवित्।वरिवः।वित्।अदाभ्यः।अदाभ्यः।अभिसन्पेसोमः।वाजंइव।
असतः।सः।मदेवः।कविना।शविताः।अभिद्रोणानिधावति।इंदुः।इंद्राय।मदुहयन्॥७॥यः।
पावमानीः।अध्येति।अधिएति।ऋषिभिः।संभृतं।संभृतंरसं।सर्वं।सः।इतं।अश्नाति।स्वदि ३९
तं।मातरिश्वना।पावमानीः।यः।अध्येति।अधिएति।ऋषिभिः।संभृत८रसं।तास्मे।सरस्व

Digitized by Vaidika Bharata/Sampurnanand Trust, Varanasi, New Delhi

Takshashila Project

नो।डाद।क्षीरं।सर्पिः।मधु।उदकं।पावमानीः।स्वस्त्ययनीः।स्वस्ति।अयनीः।सुदुघाः।सु।
दुघाः।हि।घृतश्चुतः।घृतश्चुतः।ऋषिभिः।संभृतः।सं।भृतः।रसः।ब्राह्मणेषु।अमृतं।अ
।मृतं।हि।नं।पावमानीः।दधंतु।नः।इमं।लोकं।अथ।उ।अमुं।कामान्।सं।अर्दयंतु।नः।दे
वीः।देवैः।समाभृताः।सं।आभृताः।यत।इव।पवित्रेण।आत्मानं।पुनते।मखा।इव।सदः
।क्षारेण।सहस्र।क्षरेण।पावमानीः।पुनंतु।नः।पावमानीः।स्वस्त्ययनीः।तानिः।गच्छति।
नंदनं।पुण्यानां।च।नक्तानां।न।क्षयति।अमृतत्वं।आमृतत्वं।वा।गच्छति।षा।अगन्म।
मखानां।मखा।यः।विद्वां।यः।दीदाय।समिद्धः।सं।इद्धः।स्व।दुगाए।दुः।उना।वित्रानां।
वित्रा।नानुं।तादमीदृति।अंतः।नवीदृति।स्वा।कृतं।सु।आ।कृतं।विश्वतः।पर्यंचं।याति।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अंचवः।मः।मक्षा।विश्वाऽरिताति।दुः।इतानि।साकान्।अग्निः।स्तवे।दमे।आजानवेसूः।ज्ञात।
वेदाः।सः।नः।राक्षिषत्।दुरिताऽत्।दुः।इतात्।अवद्यात्।अस्मान्।एणतः।उतानः।मघोनः।चं।
वरुणः।उतामित्रः।मित्रः।अग्नेः।चो।वर्द्धतिः।मतिभिः।वसिष्ठाः।चिरंति।वसु।सुषणनानि।
सु।सननानि।संऽउ।सूयं।पनः।स्वग्निभिः।सु।अग्निभिः।मदानः॥९॥मदान्।इंद्रः।यः।उक्थ
सा।पर्जन्यो।वृष्टिमाऽइव।स्तोमेः।वत्सस्य।वावृधे।कण्वाः।इंद्रं।यत्।अकृत।स्तोमेः।यज्ञ
स्य।साधनं।जामिं।ब्रुवते।आयुधा।व्रजां।व्राजां।सनस्य।पिप्रतः।वायत्।नरंता।वक्रयः।
विप्राः।विप्राः।सनस्य।वाजसा॥१०॥पवमानस्य।जिघ्नतः।हरः।चंद्राः।असृक्षत।जीराः। ४०
अजिरासो।विषः।अजिरासो।विषः।पवमानः।रथीतमः।शुचेः।शुचिरासमः।शुचा।शु

Digitized by Vaidika Bharata/Sunarna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

तमः। हरिश्मश्रुः। हरिचंद्रः। मरुद्गणः। मरुद्गणः। पवमानः। विश्रुष्टिरश्मिनिः। वाजसा
तमः। वाडा। सातमः। दधक्रोत्रे सुवीर्यं॥९॥ परीतो षिंचता सुतं। इंद्रं। सुनानः। अविभिः। प
रिस्रवा। अदब्धः। आदब्धः। सुरभिंतरः। सुरभिंतरः। सुता। इत्। वा। अंशुः। मदायः। अंधसा।
श्रीणानः। गोभिः। उत्तरं। परि। स्वानः। चक्षसा। दिवमादनः। दिवा। मादनः। कृतुः। इंदुः। वि
चक्षणः। विचक्षणः॥१०॥ असर्जि। सप्तमातृभिः। अकृषोदशभादरिः। पर्जन्यः। पिता। महिषस्य।
पर्मिनः। नाना। हवंते। पितरं। गिरिषु। कृत्या। दधे। स्वसारः। आपः। अभि। गाः। उदसरन्।
उत्। आसरन्। सं। ग्रावभिः। वसानः। वीतः। अधारः। कविः। विधर्मणि। परि। एषि। माहिनं। अ
पः। नाम। ऋषिः। अभि। वाडं। अर्षसि। अपः। सधन्। अपः। सधन्। दुरिता। कुः। इता। सोम।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सोमानः। स्वदाहुतावसानः। परियासि। निर्मिञ्जं। निः। निञ्जं ॥१३॥ आयंतइवस्वर्यं। अत्नर्षिः।
निं। अत्नर्षिः। रतिं। वसुदां। वसुदां। उप। स्तुहि। नप्त्रः। इंद्रस्य। रातयः। यः। अस्य। कामं। विधतः।
नः। रोषति। मनः। दानाय। वोदयन् ॥१४॥ यतइंद्र। भयामहे। त्वां। हि। राधसः। पतिः। राधसः। मदः।
दयस्य। असि। विधर्त्ता। विधर्त्ता। तां। त्वा। वयं। मघवन्। इंद्र। गिर्वणः। गिः। वनः। सुतावंतः। हवा
महे ॥१५॥ त्वं। सोम। असि। क्षरयुः। मंद्रः। उजिष्ठः। अध्वरे। पवस्व। मंदयद्धियः। मंदयत्।
रायिः। त्वं। सुतः। मदिंतमः। दधन्वान्। मत्सरिंतमः। इंदुः। सत्राजिदस्तृतः। त्वं। सुष्वाणः। अद्रि
भिः। आदिभिः। अभि। अर्ष। कनिक्रदत्। घ्नंतः। दुष्टरं। अप। रक्षांसि। सुक्रतो इति सुऽक्रतो ॥१६॥ पवस्व। दक्षसाधनः। देवेभ्यः। पीतये ४१
हरे। देवान्। इदावृधः। उदग्रभः। उत्। घृतः। इंद्रं। मदाय। वावृधुः। त्वां। दवासः। अहताय। आसृता।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

यावंपयुः।आनः।सुतासः।इंदवः।डुनानाः।अवनारचिं।सख्यं।वृष्टिद्यावः।वृष्टि।
द्यावः।रीत्यापः।रीतिआपः।स्वर्विदः।स्वः।विदः॥१७॥परिष्यदृर्यन्दृहिंद्रिः।
यांपंचास्वयशसं।स्वायशसं।सरवायः।सारवायः।अद्रिभदृतं।अद्रिसदृतं।प्रि
यमिंद्रस्यकाम्यं।पवमानपयंतापवस्वापयंतेऊर्मयः।इंद्रावासामापानवे।हत्रघ्नेहृ
त्राघ्नापरिसिच्यसे।नरावादक्षिणावतावीरायसदनासादं।सदनासदं॥१८॥पवस्व
सोमधारातासानारःरसामदाय।पुनंतिसोमंमादंघ्नंत्यायशिशुंक्रीडानंहरिंहृ
डंतिपवित्रेसोमंमादावन्यः।इंदुं॥१९॥तपोष्वजातमसुरंतमिंद्रंतपोजिरंवृषं।
सदृशिश्वरिःसांशिश्वरिःहवायः।इंदस्यहृदंसनिंहृदंसनिंअर्षानंसो

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

र्शा।गवे।धुक्ष्व।पिप्युषी।इषं।वृजं।सभुदं।सं।उक्षं।उक्षं॥२०॥आघाये।अग्निमिधते।वृत्रनू।
इत्।इधः।एषां।हरि।शत्रं।हथुः।स्वरुः।यज्ञामिंद्रायुवासखा।अयुद्धः।आयुद्धः।इ
त्।युधा।वृतं।स्वरः।आ।अजतिं।सचतिः।यज्ञामिंद्रायुवासखा॥२१॥यएकइद्विदयते।
यः।चित्।हिन्वा।बक्रुन्यः।आ।सुनावान्।आविवासति।आ।विवासति।उयं।तन्।पश्य
ता।शवः।इंद्रः।अंगा।कृधा।मर्त्ता।अगधसं।आगधसं।पदा।क्रुंपा।इव।स्फुरत्।कृता।नः।
।शुश्रवत्।गिरः।इंद्रः।अंग॥२२॥गायंतिंत्वागायत्रिणः।यत्।साना।सानुं।आरुहं।
आ।अरुहः।हरि।अस्पष्टा।कर्वा।तनुं।इंद्रः।अर्थं।चनति।यूथेना।वृष्टिः।एजति।सुंह्व ४२
।हिकेशिना।हरीइति।इषणा।कृत्वा।प्रा।अथा।नः।इंद्रा।सोमपाः।सोम।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

नि॒ आने॑ वि॒प्रति॑ता॒ स्वश्व॑: स्वा॒यु॑धः॥ अदि॑तिः॒ आदि॑तिः॒ अद॑ब्धस्य॒ आद॑ब्धस्य॒ व्र
तस्य॒ ये॒ मह॒: राज॑ान॒: ईशा॑ते॥२॥ उ॒त्वा॒ मंदं॑तु॒ सोमा॑: प॒दा॒प॒णीः॒ आ॒ रा॒ध॒सः॒ आ॒ गृ॒ध्
सः॒ नि॒ बा॒ध॒स्व॒ म॒ह॒त॒ः॒ अ॒मि॒ना॒ दि॒वे॒ऽका॒ः॒ चा॒ना॒ प्रति॒ त्वं॒ ई॒ळि॒षे॒ सु॒ता॒नां॒ इंद्र॒ त्वूं॒ अ
सु॒ता॒नां॒ आ॒ सु॒ता॒नां॒ नां॒ चं॒ गृ॒ऽजा॒ना॒नां॑॥३॥ आ॒ ज्ञा॒ः॒ वि॒ः॒ विप्र॑ः॒ विप्र॑ः॒ ऋ॒तं॒ म
तीनां॒ सा॒म॒ः॒ उ॒ना॒न॒ः॒ अ॒स॒द॒त्॒ व॒सू॒ऽयुः॒ स॒प॒ति॒ऽयं॒ मि॒थु॒ना॒सः॒ नि॒ का॒मा॒ः॒ नि॒ का॒मा॒ः
अ॒ध॒र्य॒वः॒ र॒थि॒रा॒सः॒ सु॒ऽह॒स्ता॒ः॒ सु॒ऽह॒स्ता॒ः॒ सः॒ उ॒ना॒न॒ः॒ उ॒प॒ा॒सू॒रे॒ दि॒वा॒ऽनः॒ आ॒ उ॒न्ने
इति॒ अ॒प्रा॒ः॒ रा॒ धि॒ष्ठी॒ऽश॒ता॒ वी॒रा॒सः॒ अ॒व॒ऽगि॒ति॒ प्रि॒या॒ चि॒त्॒ य॒स्य॒ प्रि॒य॒सा॒सः॒ ऊ॒ती॒ऽसः ध२
तः॒ धनं॑ का॒रिणे॑ ना॒ प्राय॑ं॒ सत्॒ सः॒ व॒र्धि॒ता॒ व॒र्ध॒नः॒ हू॒य॒मा॒न॒ः॒ सो॒मः॒ मी॒ढ्वा॒न्॒ अ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

नि।नः।श्रोतिषा।आवीत्।यत्र।नः।पूर्वे।पितरः।पदज्ञाः।पद।ज्ञाः।स्वर्विदः।स्वः।विदः
अभि।गाः।अद्रिं।आ।दिं।इन्द्र।नुत्।३॥मा।विदन्मा।अपरिऽविदन्।मा।न।आ।दधृषुः।मा।न।दधृषुः।
वृषन्।यथा।नुवे।गां।नः।चर्षणीसहं।चर्षणीऽसहं।विऽइषणं।विऽइषणं।सं।वननं।सं
।वननं।उनयं।करं।उनयं।करं।मघऽदिष्ठं।उनऽया।विनं।।५।।उत।उ।त्यं।मधुमत्ऽतमाः।
कण्वाः।इव।भृगवः।सूर्याः।इव।विश्वं।इत्।धीतं।आ।रभ्य।इदं।क्रतुं।इति।नरः।मदेयं
नः।आयवः।प्रियं।मेधासः।प्रियं।मेधासः।अस्वरन्।।६।।पर्यूषु।प्रधन्वा।जे।सातये।
अद्रीऽइव।नः।हिरण्यवान्।सूर्यः।विचक्षणः।विऽचक्षणः।इन्दो।पवस्व।धारया।गोऽइरीरया।गोऽइरीरया।
मदन्तीः।पूतं।अद्रिऽभिः।परि।स्रव।परं।अपऽइहि।असुऽहितः।सुनऽइतः।मा।मदाय।सः।।७।।परि।प्रधन्वा।इति।आ

Takshashila Project

कृताय॒ आ मृ॒ताय॑ मादि॒काय॒ सः। शु॒क्रः। अ॒र्षा॒दि॒व्यः। पी॒यू॒षः। इन्द्रा॑य। त्रि॒ऽकः। सोमः॑। प॒वते॒। चि॒त्रऽवाजः। अ॒मऽत्यः। स॒ह॒स्र॒ऽसाः। शत॑ऽधाराः। अ॒व्यः। वारे॑भिः। प॒व॒मा॒नः। अ॒सृ॒ग्र॒न्। दे॒वऽयू॑नाम्। इत्। उ॒। अ॒द्धऽवि॑दम्। ग॒न्ध॒र्वऽस्य॑। ध्रु॒वे। प॒दे। वाचः॑। प॒दे। क॒वी॒ना॒म्। सोमः॑। विश्वा॑। अ॒भि। अ॒स्थि॒त॒। पु॒ना॒नः। वा॒चः। प॒वि॒ता॒। क॒विः। राजा॑। दे॒वः। दे॒वाना॑म्। सो॒मः। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। वि॒श्वानि॑। दे॒वः। व॒यु॒नानि॑। वि॒द्वान्। सोमः॑। पु॒ना॒नः। उ॒प॒ऽया॒ति॒। वा॒युऽम॑तीः। अ॒पः। वि॒श्वाः। दा॒शुषः॑। वस्वः॑। अ॒र्ष॒ति॒। सोमः॑। पु॒ना॒नः। क॒लशे॑षु। सी॒द॒ति॒। नृऽभिः॑। यतः॑। वि॒ऽनी॒तः। भु॒व॒ने॒ष्ठाः। अधि॑। त्वचि॑। गोषु॑। यात्रा॑सु। दू॒भ्यः॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑नि। काव्या॑। दे॒वः। दे॒वेषु॑। पव॑मानः। म॒हि॒ऽत्वा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। क॒नि॒क्रदत्। वृषा॑। हरिः॑। म॒हान्। मि॒त्रः। न। दर्श॑तः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। गव्या॑नि। वी॒त॒ये॒। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑नि। पौं॒स्या॒। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। वाजे॑न। वा॒ज॒ऽकृत्। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। मृ॒धः॒। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। दे॒वान्। ऋ॒तऽजा॑तः। ऋ॒तऽवृ॑धः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। कोशं॑। मधु॑ऽश्चुतम्। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑नि। काव्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। गोऽभिः॑। अ॒ज्यते॑। परि॑। प्रि॒यः। हरिः॑। वि॒ऽचक्ष॑णः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। गा। दे॒वः। सी॒द॒ति॒। दश॑ऽभिः। मन॑सा। हि॒तः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। वाजं॑। सा॒त॒ऽयन्। इ॒व॒। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। पूर्वा॑। अ॒भि। उ॒त। नः॒। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। मि॒त्रम्। न। गोऽप॑तिः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। सौभ॑गा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। दक्षा॑। ऋ॒तऽयुः॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। रू॒पा। अ॒भि। गोऽभिः॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। द्यु॒म्नम्। बृ॒ह॒त्। यशः॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। सौभ॑गा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। वाजे॑न। वा॒ज॒ऽभरः॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। शु॒क्रऽधा॑माः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। क्रत्वा॑। सु॒ऽहि॒तः। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। पार्थि॑वा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। दि॒वि॒ऽयानि॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। सौभ॑गा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। हि॒रण्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। गव्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। अश्व्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। धना॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। जन्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। रू॒पा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। सु॒ऽअ॒क्षा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। सौभ॑गा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। दक्षा॑। सु॒ऽप्र॒ति॒ऽचक्षा॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। भूमा॑नि। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। सत्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। मह्या॑। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। सौभ॑गा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। ति॒रः। पु॒रु। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। स्व॒ऽदा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। विश्वा॑। सौभ॑गा। सोमः॑। पु॒ना॒नः। अ॒र्ष॒ति॒। अ॒भि। गोऽभिः॑। सं॒ऽअ॒क्तः

Takshashila Project

वान्। सोमपीतये। सोमपीतये। उत्। अनः। मारुतं। क्रमन्। अजेषत्रेण। आजत्रेण। दविध्वतः।
तना। गाचा। विनाहि। अजरा। आजरा॥२॥ प्रमुञ्चाना। यं धसः। आजामिः। अजः। अयनानु।
नः। पुत्रैः। पुत्रैः। उणोः। मरुत्। जारः। नायोषणां। वरः। नायोनिं। आसदं। आसदं।
मः। वीरः। दक्षसाधनः। दक्षसाधनं। विशः। नसन्तं। रोदसी इति। हरिः। पवित्रे। अव्य
नाविक्षः। नायानिं। आसदं। आसदं॥३॥ अत्राह्यो अनाचं। नाकीः। रवंतं। सख्या
यासाय्याय। विंदसे। पीयंति। ते। सुराश्वः। यदा। कृणोषि। नदनुं। मं। ऊदसि। आत्।
इत्। पिता। इव। हूयसे। धा। आचासदत्। समाशतं। आत्। कारवे। दिष्णये। दूरीइति। न
यूरवे। पाया। मयूरा। इव। पाया। शितिपृष्ठा। शितिपृष्ठ। बर्हतं। मधः। अंधसः। विवक्षणे

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वीतये। धिया चाऽऽस्यागिर्वणः। सुतस्य हर्वपाः। हर्वा पाः। इव। परि-ष्कृतस्य। परि। स्कृत
स्यारमिनः। इयं। आसुतिः। आ। सुतिः। चारुः। मदाय। पत्यते॥५॥ आ। सोता। परि। षिंच
ता। मदेषु। मरं। मदेषु। मरं। वृषभं। पायाऽउदं। पयः। उदं। प्रियं। दक्याय। जन्मने। कृते। न।
यः। कृते। ओजानः। कृता। ज्ञातः। विऽवृधे। विऽवृधे। गन्ता। दिवं। कृतं। वृद्धं॥६॥ अग्नि
वृत्राणि। जंघनत्। गन्ता। मातुः। पित्रोः। पिता। विदत्। कृतानि। विऽइत्। कृतानः। अदाः। सीदं। हरि
नस्यो। निऽमा। वस्वः। पत्। जावतु। आ। नरः। जातावदः। जाता। विदः। विचर्षणे। गिरः च
र्षणिः। अग्नेः। यतु। दीदयत्। दिवि॥७॥ अस्य। प्रऽवा। दमनाऽइयमानः। नद्राः। वस्त्राः। समन्याः।
वसानः। महान्। कविः। निऽवचनानि। शंऽसन्। आ। वक्षः। वन्वोः। रुक्

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

समानः। विचक्षणः। विचक्षणः। जागृविः। देववीतः। देववीतः। सं। त्वा। त्रियः। मृजतः। सानो।
अव्ये। यशस्तरः। यशसं। क्षितः। आसन्नि। अस्मिन्। बर्हिषि। धन्व। इयमानः। यूयं। पात। स्वस्तिभिः।
सदा। नः॥ ८॥ एता। विश्वाः। तव। इमाः। शुक्राः। नः। अग्ने। दिवः। शुक्राः। शुचयः। नि। ऊं इति। शुक्रः।
रयिं। नि। धारय। शुक्रः। मम। द्विषतां। इमाः। शुक्राः। दिवः। रयिं। शुक्रः। रत्नानि। दाशुषे। शु
क्रः। रत्नानि। जिघ्नसे। शुक्रः। वाजं। सिषाससि॥ ९॥ अग्नः। स्तोमं। मनामहे। सिध्रं। अद्य। दिवः। अ
ध। दिविस्पृशः। दिविस्पृशः। दिवस्यवः। अग्निः। जुषतां। नः। गिरः। होत्रायः। मा
नुषेषु। वीरः। आ। मः। यक्षत्। देव्या। जनं। अग्ने। मत्या। सु। प्रथाः। असि। जुष्टः। ४६
हव्यः। वरेण्यः। वयाः। यज्ञं। विनत्। नः। अग्निः। त्रिऽधातुः। शर्मऽयन्। वयः। धात्। रयिं। नः॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

स्रुत्याग्रामः।सर्ववीरः।सर्ववीरः।सदावान्।जेता।पवस्व।सनिता।धनानि।तिग्मायुधः।तिग्म।
आयुधः।।क्षिप्रधन्वा।क्षिप्रा।धन्वा।समत्सु।सासत्सु।आषाढः।साक्षान्।पृतनासु।शत्रून्।उ
रुगव्यूतिः।उरु।गव्यूतिः।अभयानि।अभयानि।कृण्वन्।समीचिनाः।संईचिनदृतिः।आ।
पवस्वासुरंधी।दुरंधी।इतिअपः।सिषासन्।उषसः।स्वः।गाः।सं।चिक्रदः।महः।अस्मभ्यं।
वाजान्।।यावमित्र्यावसे।नोगावान्।नोगावान्।असुरा।असुरा।प्रावतमंप्रावतसंगधः।
गोगंइवाइमद्रिमद्रिइवाऋत्रिःशरणा।तइंद्रा।तासुम्नानेः।आभवन्।।यायजिष्ठं
वावरमहे।अपांनपातं।सुभगं।सुदीदितिं।सुदीदितिं।अग्निंगास्रेअशोचिषं।
अग्रेशोचिषंसः।नः।मित्रस्यमहि।त्रस्य।कर्णस्यमः।अपां।आसुम्नायद्गात।दिवि।।५।।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

यो॒ यो अग्नि॑ इ॒षु॒मन्त्यो॑ अ॒का॑ वाजे॑षु॒ यं जु॒नाः॑ सा॒यं॒ना॒ शश्व॑तीः॒ इ॒ष॒ः॒ ना॒ किः॒ अ॒स्य॒ सह॑ः
या॒ पर्या॑ता॒ परि॑ ए॒ना॒ कय॑स्य॒ चि॒त् वाज॑ः॒ अ॒स्ति॒ श्रवा॑य्यः॒ सः॒ वाज॑ं॒ विश्व॑चर्षणिः॒ विश्वा॑ च
र्षणिः॒ अर्व॑द्भिः॒ अ॒स्तु॒ न॒रू॒ना॒ वि॒प्र॒नि॑ः॒ वि॒पे॒नि॑ः॒ अ॒स्तु॒ स॒नि॒ता॥ ४॥ सा॒क॒मु॒क्षो॒ म॒र्ज॒यं॒त॒ स्व
सा॑रः॒ सं॒ऽमा॒तृ॒भि॑ः॒ न॒ शि॒शु॒ः॒ वा॒व॒शा॒नः॒ वृषा॑ द॒ध॒न्वे॒ पु॒रु॒वा॒रः॒ पु॒रु॒ऽवा॒रः॒ अ॒द्भि॑ः॒ अ॒र्यः॒ ना॒ यो
षां॒ अ॒ग्नि॒ नि॒ऽसू॒तं॒ नि॒ऽऋ॑तं॒ यन्॒ सं॒ऽग॒च्छा॒त॒ क॒ल॒हः॒ उ॒ऽश्रि॒या॒ नि॒ः॒ उ॒ऽश्रि॒या॒ नि॒ः॒ उ॒त॒ प्र॒ऽपि॒त्वे
॒ऊ॒धः॒ अ॒घ्न्या॒याः॒ आ॒ऽघ्न्या॒याः॒ इ॒दु॒ः॒ ध॒रा॒नि॒ः॒ स॒च॒ते॒ सु॒ऽमे॒धाः॒ सु॒ऽम॒खः॒ घृ॒ष्वीनां॒ गा॒दः॒
प॒य॒सा॒ व॒ह॒ स्थ॒ अ॒ग्नि॒ श्री॒णं॒ नि॒ व॒सु॒ नि॒ः॒ ना॒ नि॒क्ते॒ः॥ ५॥ पि॒ब॒ सु॒त॒स्य॒ र॒सि॒नः॒ तृ॒ष्या॒ म॒ते॒ ४॥
॒सु॒म॒त्ऽनः॒ सु॒ऽम॒तौ॒ वा॒ज॒ि॒नः॒ व॒यं॒ मा॒ नः॒ स्त॒ः॒ अ॒ति॒ऽमा॒त॒ये॒ अ॒ति॒ऽमा॒त॒ये॒ अ॒स्मा॒न्॒ वि॒श्वा

Digitized by Vaidika Bharata/Sunanna Trust, Mayipur, New Delhi.

Takshashila Project

त्रिः। अवतात्। अत्रिहिति त्रिः। आ। नः। सुम्नेषु। यामय॥ ६॥ त्रिरास्मे सप्त धेनवो दुदुह्रे सप्त
यह्वीः। अमृतस्य। आ। मृतस्य। चारुणः। उत। इति। द्यावा। काव्येन। विशश्राथे। इति। विशः
। अपः। मथ्नाः। परि। यत्। यती। इति। दिवस्य। शवसा। सदः। विदुः। ते। अस्य। संहः। कतवः।
अमृत्यवः। आ। मृत्यवः। अदब्धासः। आ। दब्धासः। जनुषी। इति। उत। इति। अनुयेनिः।
नक्षा। चादिया। चा। पुनाते। आत्। इत्। रिणाते। मनसः। अधृक्षत॥ ७॥ अग्निः। कायुं। वीनां।
अर्षा। हणानः। अग्निः। मित्रा। मित्रः। वरुणः। इध्यमानः। अग्नी। नरं। धीजवनं। धीजवनं। र
थ्यं। रथिष्ठां। रथ्यं। स्थां। अग्निः। इंद्रं। वृषणं। वज्रबाहुं। वज्रबाहुं। अग्निः। वस्त्रा। सुवसनानि।
सुवसनानि। अर्षा। अग्निः। धेनूः। सुदुघाः। सुदुघाः। इध्यमानः। अग्निः। स्वश्वा। यर्त्तवे। नः। हि

Takshashila Project

रण्या।अग्निः।अश्वान्।रथिनः।स्वासः।अग्निः।नः।अर्षत्।दिव्या।वसूनि।अग्निः।विश्वा।पार्थिवा।
वा।स्यमानः।अग्निः।यन्।हविषः।अश्नवामः।अग्निः।आर्षेयं।जमदग्निवत्।जमत्।अग्निवत्।नः।
।।२८।।यक्षायथा।अर्वतीनः।ऋतायवः।अजायन्त।ऋकंऽउत।हस्कृतिः।तत्।विश्वं।अ
ग्निः।अग्निः।अग्निः।यत्।ऊतं।यत्।वाजं।आमासु।पक्वं।एषयः।आ।सूर्यं।ग।ह
यः।दिवि।घर्मं।न।सामन्।नपत्।सुहस्किनिः।सुहस्किनिः।जुष्टं।गिर्वणसे।गिः।वनसे।ह
त्।।२९।।मन्ये।अपां।ऊर्मिः।मदः।पात्रस्य।इव।हरिवः।मत्सरः।मदः।आ।वृषा।ते।वल्गो।इंदुः।
वाजी।सहस्रसातमः।सदत्।सातमः।आ।नः।ते।गंतु।मत्सरः।वृषा।मदः।वरण्यः।सहावान्।
इंद्र।सानसिः।पुरुनाषाट्।मे।अमर्त्यः।आ।मर्त्यः।वां।हिरण्यः।सनिता।वोदयः।मनुषः।रयं।

Takshashila Project

मत्सरवान्। इन्द्र। अर्षति। आ। चूतः। उदः। पात्रे। न। शोभसे। विश्वा॥२०॥ ॥द्वितीयस्याईः॥ ॥पवस्व। वृष्टिं। आ। सुनुः। अपां। ऊर्मिं। दिवः। परि। अयक्ष्माः। आ। अयक्ष्माः। बृहतीः। इषः। धृतया। प। वस्व। धारया। यया। गावः। इह। आगमन्। आ। गमन्। ऋत्यासः। उप। नः। गृहं। घृतं। पवस्व। धारया। यया। गोषाः। इदवीतमः। इदा। वीतमः। अस्मत्र्यं। वृष्टिं। आ। पवमानः। नः। ऊर्जं। सिञ्च। वं। पवित्रं। आ। वसु। धारया। इदा। समः। सृजत्। वनं। हरिकं। पवमानः। असिष्यदत्। रक्षः। सिञ्च। पक्षं। घनत्। अपाक्षं। घनत्। प्रत्नवत्। नः। रयिं। गवे। यत्। रुचं॥१॥ प्रत्यस्मे। पिपीषति। आ। इत्। एनं। प्रयतना। प्रतिऽएतना। सोमं। तिरः। सोमं। पवतं। सोम। पवतं। अमत्रं। तिरः। ऊर्जीषिणं। इन्दं। सुनं। तिरः। इन्दुं। तिरः। यदी। सुनं। तिरः। इन्दुं। तिरः। सोमं। तिरः। प्रतिऽहर्षथ। प्रतिऽहर्षथ।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वरा विश्वस्मा इषिरः दक्षसे मना हिनोतन इतये धिय इत्या इषते असुर्या असेधा इत्
सः अधर्षो दाशुषे गयं कविं समस्य सोमस्य हर्षतः अति शस्ते अति शासते अवस्व
रन्त्सवितः स्तोमं अस्मे वरं त्वे नु सत्यसवसं सुचेतसं अरुणाय दिविस्पृशं दिवि स्पृशं
सोमाय गाथं अर्चत हस्तच्युतेभिः अद्रिभिः आ सुतं सोमं
पुनीतन मधौ आ भुवनं मधु नमस्या इत्या सीदत दधिष्टन अग्निं श्रीणीतन श्रीणीतन इळं इळासु दधातन दधातन अमित्रसा अमित्रसा विवर्षणिं वि
वर्षणिं वपवस्व सोम धारया गविष्टये अनुकामं कृत्वे अनुकामं कृत्वे इंद्राय सोम
मपतवे प्रियो मित्राय पूषणे मनश्चित्तं मनो विदे मनसस्पतिं पवमान सुवी ४५

र्यं सुवीर्यं रयिं सोमा विश्वाहा नः इंदो इडेन नः युजा आ पवस्व दिशां गतां घंनवो
यः नवतिं पुरः बिभेद बाळ ओजसा बाळ ओजसा अहिं वा वृत्रहा वृत्रा हा अवधीत् सः
नः इंदुः शिवः सखा अश्वावत् गोमत् यवमत् उरुधारा इव आ दुहे ४
विश्वा उ हि त्वे वसु सोम दधुः विश्राः विश्राः हस्ता सुकृतं सुकृतं वाजसा
तमा वाजं सोतर्मा धर्मन् दिवः धरुणे सत्य अर्पितं अमित्रहा अमित्रा हा वृत्रहा
वृत्रा हा दस्यहंतमं दस्यहंतमं ज्योतिः जज्ञे असुरहा असुरा हा सपत्नहा
हा इंद्रियं इंद्रियाय ज्योतिषा ज्योतिः उत्तमं विश्वजित् विश्वजित् धनजित् धनाजित्
उच्यते इंदुः विश्वाभ्राट् विश्वा चाभ्राट् चाकनः महि सत्यः तुरा उग्र पित्र्या सदः

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New De

Takshashila Project

उजः। अक्तन्। आक्तं॥ ५॥ ईङ्कृण्वेनआनरा। मानः। अज्ञाताः। अज्ञाताः। हुजनाः। दुराध्यः।
ऽः। आध्यः। मा। अशिवासः। आशिवासः। अवक्रमुः। त्रया। वयं। प्रवतः। आशवती। अपः।
अति। शूरा। नर्यसि॥ ६॥ अद्याद्यो। अद्यो। अद्य। श्वत्याः। श्वः। श्वः। इन्द्र। आस्वा। परेवतः। नः। विश्वाः। वः।
नः। जरेतन। सत्यते। सत्वन्। पता। अस्य। आ। हा। दिवा। नक्तं। वरक्षिषः। प्रनंगी। प्रानंगी। शूः।
रः। मे। चेवीतु। वीमघः। हवीमघः। संमिश्लः। समिश्लः। वीर्याकं। उना। तो। बाकृश्ति।
हूषणा। शतक्रतो। शना। कृता। निया। वज्रं। मिमिक्षतुः॥ ७॥ ऋनीयतः। नु। अग्रवः। पुत्री
यतः। पुत्रासो। यतीः। सुदानवः। सुदानवः। सरस्वतं। स्वाम। हा॥ ८॥ उतानः। प्रिया। प्रिया। ५०
सुसे। पस्त्या। सत्। स्वसा। सुजुष्टा। सुजुष्टा। सरस्वती। स्तोम्या। ऐत्॥ ९॥ तत्। सवितुः।

वरेण्यं। भर्गः। देवस्य। धीमहि। धियं। यः। नः। प्रचोदयात्। प्रचोदयात्। सामानं। नः। स्वरणं।
अग्न। आयूंषि। पवसे॥ १०॥ आसुवः। शक्रं। पार्थिवस्य। रायः। रातं। रातेन। सवितः। इषिरं। दक्षं। आशा
नः। इति। अरुक्षाः। आरुक्षाः। दिवः। वर्धतं। इति। वृष्टिं। द्यावा। वृष्टिं। द्यावा। रीत्यां। रीति। आपः। ६ पा२
वः। पती। इति। दानुमत्याः। हृदं। तं। गर्तं। आशातं। इति॥ ११॥ युंजंति। ब्रध्नं। अरुषं। चरंतं। परि।
तत्थुषः। रोचंतं। रोचना। दिवि। युंजंति। अस्य। काम्या। हरी। इति। विपक्षसा। विपक्षसा।
रथ्या। रासाणा। धृष्णू। इति। नवादसा। नवादसा। कृतं। ऋत्वन्। अकेतवे। आ। केतवे। पः
शः। मर्याः। आपशासः। आपशासे। सं। उषद्भिः। अजायथाः॥ १२॥ अयं। सोमः। इन्द्र।
तुभ्यं। सुन्वे। तुभ्यं। पवते। त्वं। अस्य। पाहि। त्वं। दधिष्व। त्वं। वृधे। इदं। ज्यायः। युः

मेरुः

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

उज॑ः॒ अक्तं॑। आ॒क्तं॒॥५॥ इंद्र॑ क्रतुं॒ न आ भ॑र। मा नः॒ अज्ञा॑ताः। अ॒ज्ञा॒ताः। वृ॒जना॑ः। दु॒रा॒ध्यः॑। दुः॒ऽआ॒ध्यः॑। मा। अ॒शि॒वासः॑। आ॒ऽशि॒वासः॑। अव॑ क्रमुः। इ॒या। व॒यं। प्र॒ऽव॒तः॒। ह्रा॒श्व॒ती॒। अ॒पः॑। अति॑। शूर॑। नः॒। पर्ष॑सि॥ ६॥ अघ॑। अ॒द्य। अ॒द्य। अ॒द्य। श्वः॒ऽश्वः॑। श्वः॒। इंद्र॑। अ॒स्व॒। परः॑। च॒। नः॒। विश्वा॑। च॒। नः॒। दुः॒ऽइ॒ता। सन्य॑ते। सत्। पा॒त॒। अ॒स॒त्। आ। हा॒। दि॒वा। नक्त॑। वः॒। रक्षि॑षः। प्र॒ऽनं॒गी॒। प्र॒ऽतं॒गी॒। शूरः॑। मे॒। ए॒व। ए॒तत्। बी॒मघः॑। हवी॑। म॒घः॒। सं॒ऽमि॒श्लः॑। सं॒। मि॒श्लः॒। वी॒र्या॑। था॒क॒। उ॒त। ता। बा॒हू॒ इति॑। ह्रा॒ष॒णा॒। शू॒त॒क्र॒तो॒ इति॑ शूत॒ऽक्रतो॑। शू॒र॒। कृ॒ता। नि॒ऽया। व॒ज्रं॑। मि॒मि॒क्षा॒नुः॑॥ ७॥ ऋ॒नीय॑न्तः। नु॒। अ॒य॒वः॒। पु॒त्री। ए॒तः॒। पु॒त्रा॒ऽइ॒यं॑तः। सु॒ऽदा॒न॒वः॒। सु॒ऽदा॒न॒वः॒। सर॑स्वंतं। स॒का॒म॒ऽहं॒॥ ८॥ उ॒त। नः॒। प्रि॒या। प्रि॒या॒ सु॒ऽसे॒वा॒। सु॒ऽसे॒वा॒। सर॑स्वती। स्तो॒म्या॒। भू॒त॒॥ ९॥ तत्। सवि॑तुः॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वरुणं॑ नर्गः॑ दिवस्या॑ धीमहि॑ धियं॑ यः॑ नः॑ प्रचोदयात्॑ प्रचोदयात्॑ सामा॑नं॑ नाꣳ॑ स्वरणं॑।
अग्न॑ आयू॑ꣳषि पवसे॑॥९॥ तान॑ः शक्मं॑ पार्थिवस्य॑ रुतं॑ रुतेन॑ सपता॑ इषिरं॑ दक्षं॑ आशा॑
नेइति॑ अरुद्भ॑ आदु॑ स्रादि॑वो॑ वर्द्धतइति॑ वृष्टि॑ द्यावा॑ वृष्टि॑ द्यावा॑ रीय॑ो॑ रीति॑ आपः॑ पा॒२
यः॑ पतीइति॑ दानुमय॑ाः॑ चृदंत॑ गर्त्ता॑ आशा॑तइति॑॥१०॥ युंजंति॑ ब्रध्न॑ अरुषं॑ चरंतं॑ परि॑
तब्भुषः॑ पा॑ चंत॑ गात्रना॑ दिवि॑ युंजंति॑ अस्य॑ काम्या॑ हरीइति॑ विप॑ दसा॑ विप॑ दसा॑
रथा॑ ना॑ धृष्णू॑इति॑ नृवा॑ दसा॑ नृवा॑ दसा॑ कृत्वं॑ ऋण्वन्॑ अकेतवे॑ अ॑ केतवे॑ प
शः॑ मर्या॑ः॑ आप॑ शासा॑ आप॑ शासे॑ सं॑ उ षद्भिः॑ अजा॑यथा॑॥११॥ अयं॑ सा॑ मः॑ इंद्र॑
सुन्वं॑ सुन्वे॑ सुन्वं॑ पवते॑ चं॑ अस्य॑ पादि॑ चं॑ हा॑ यं॑ वस्त्रा॑ चं॑ वसृ॑ते॑ इंदं॑ श्रेया॑ यु
मेयं॑

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

जायासामंसः। ईरथः। नाचुरिषाट्। अयोनिमदः। पुरूणि। सातये। वसूनि। आत्। ईम्। वि
यानऊधनि। जाता। स्वर्षीता। स्वः। साता। वनि। ऊर्वी। नवंत। स्रुषी। शर्दः। न। मारुतं। प
वस्व। अनभिशस्ता। अनः। अभिशस्ता। दिवा। यथा। विट्। आपः। न। इडे। सुमतिः। सुम
तिः। नवी। यज्ञानः। सदस्ताः। सदस्त्राः। असाः। इतना। षाट्। ना। यज्ञः॥१३॥ त्वमग्ने यज्ञा
नाऽहोता। सः। नः। मंद्रजिः। अधरे। नि। कानि। यज्। मदः। आदवान्। वहि। यक्षि। वे
वि। ठेहि। विधः। अधनः। पथः। सः। देवा। अंजसा। अग्ने। यज्ञेषु। सुक्रतो। सु। क्रतो॥१४॥
होता। दवः। अमर्त्यः। आमर्त्यः। पुरस्तात्। एति। मायया। विदथानि। प्रचोदयन्। प्रो
चोदयन्। वाचा। वाजेषु। धीयते। अधरेषु। प्रा। नीयते। विप्रः। विप्रः। यज्ञस्य। साधनः।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

धियाचक्रे वरेण्यः। हृतानां गर्नीआदधेदक्षस्यपीतरातनापृथाआसुतेसिञ्चत
श्रियंगोदस्योःअग्निश्रियंअग्निश्रियंरसादधीतवृषनातेजानन्तस्वेचक्रं
संवत्सरेनामाहृनिःमिथःनसंतेजामिनिःउपास्वकेषुबभ्रतःऋएवतेधरुणं
दिविरुद्रासोअग्नानमःस्वाऽहरितिष्ठातनूष्टनूआसाचुवनेषुजेष्ठंयतःजज्ञेउ
ग्रःत्वेषनृम्णःत्वेषनृम्णःसद्यःसाद्यःनज्ञानःनिरिणातिशत्रूनूअनुयंविश्वे
मदंतिऊमाःवावृधानेःपयसाहरिवर्पाःहरिस्रजाःशत्रुःरासाय्यसाय
त्रियसादधतिअक्षयनूआक्षयनूत्वाक्षयनूविअनूत्वासम्रिंसंत्वानवंत
प्रहूताप्रावृनामादृमुविशतिकृष्टंअपिवृंक्तिविश्वाहिःयनूएतात्रिःनक्तं

Takshashila Project

न्वंति।ऊमाः।स्वादवः।स्वादीयः।स्वादुना।इडासे।अदः।सुमधुमधुना।अभि।योधीः॥१७॥
त्रिकद्रुकेषुमदिशोयवाशिरंडविष्ठपः।साकं।जातः।क्रतुना।साकं।उक्षसा।ववक्षिथ।
साकं।वृद्धः।वीर्यैः।सस्मदिः।सृधः।क्विर्वपणिः।विश्वर्षणिः।दाना।राधः।स्तुवते।काम्यं।वसु।
प्रत्वतना।त्रावतना।सेनेव।सस्राइत्वादवे।सख्येइंदुः।सख्यमिंद्रे॥अधा।विषीमान्।अभि।उ
ऊमाकिविं।युधा।अनवत्।आ।रोदसी इति।अपृणत्।असुमयेना।त्रावादशे।अव
त्रान्यां।अन्यं।जभरे।पाईमा।अस्थित।त्रावेतुया।सेनेव।सस्राइत्वादवे।सख्यइं
दुःसख्यमिंद्रे॥१८॥ ॥इतिषष्ठः।वर्तकः॥ ॥अभित्रागायपतिंगिरा।आद्रयः।सस्रुः॥ ५२
गा।असर्षीः।अभि।बर्हिषा।यत्रा।अभि।संनवामहे।संनवामहे।इंद्राय।गावः।आशिरं।

आ।शिरं।इडइक्षे।वक्षिणे।मधुयत्।सोमं।उपऽकरे।उपाकरे।विदत्॥१॥आनोविश्वासु
हव्यं।चंदना।प्रयसः।राधसा।असि।असि।सख्यः।ईशानस्तृत।ईशाना।कृतुना।उविकेः
द्युम्नस्य।उविद्युम्नस्य।युजा।आवृणीमहे।पुत्रस्य।शवसः।महः॥२॥
प्रनांपीयूषं।इर्म्यं।यत्।उक्थं।महः।गादनृदिवः।आनिः।अधुक्षत।ईं।अभि।क्रो
शमानं।सं।अस्वरन्।आन।ईमृकाचित्।पशुमानासः।आप्यं।वसुरुचः।वसुरुचः॥
दिवा।अभि।अनूषत।दिवः।नाधारं।सविता।विऊर्णुते।अधा।यत्।इमहि।पवे
वमानः।रोदसी इति।इमाचा।विश्वा।भुवना।अभि।मर्यना।सूर्यः।नानिष्ठाः।निः।सृजाः।
वृथनः।विराजसि॥३॥इमसूषुत्वमस्माकं।विनक्षा।विऽअनक्षा।असि।त्विंवैत्रनाना।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

चित्रामाना। चित्रामानो। सिंधेः। ऊर्मो। उपाके। आसद्यः। साद्यः। दाशुषः। करसि। आनः।
नज्ञा परमेषु। आ। वाजेषु। मध्यमेषु। शिक्ष। वस्वः। अंतमस्य॥४॥ अदमिद्धि पितुः परि।
अरं प्रत्नेन मन्मना। गिरः शुंभा मि। कण्ववत्। येन। इंद्रः। शुष्मं। इत्। दधे। यावं। इंद्रान।
उशधुवः। ऋषयः। यः। च। उशधुवः। मम। इत्। वर्धस्व। सुष्टुतः। सुस्तुतः॥५॥ अग्ने। विश्वेभिः।
अग्निभिः। ओषि। वृत्रं। सहस्कृत। मरुत्वता। य। दवत्रा। य। आयुषु। नेभिः। नः। मघवा।
गिरः। त्रामः। विश्वेभिः। अग्निभिः। अग्निः। सः। यस्य। वाजिनः। ननाय। तके। अस्मत्।
आ। समद्भिः। वाजेभिः। पारिषदतः। पारयदतः। चं। नः। अग्ने। अग्निभिः। वृत्रं। यद्धं। चा। वर्धे ५३
यावं। नः। दवता। तये। गयः। दानाय। वा। दये॥६॥ चेश्नि। सोमपयसः। हरिबर्हिषः।

Takshashila Project

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ग्नावितसांवह्निःहवाःअरुष्यतादधानिरत्नांविधातासुवीर्यासुवीर्यायाग्निःऊनायाशस्तु
षि॥११॥अदर्शिगातुवित्तमःयस्मान्नारेजतेरुशयःवर्डधानोरुष्यतःसदस्वसांसदस्त्र
सांमधसातोमधासातोइवात्मनाअग्निंधीभिर्नमस्यतावरेवादासाअग्निः॥१०॥अ
ग्नआयूंषिपवसाआसुवोर्जमिषंचनःआरेबाधस्वदुच्छुनाःपवमानःपांचजन्यःपुरोहितः
तंत्वाममहागयंमहागयंअग्नेपवस्वस्वपाःसुअपाःअस्मेइषंवर्जंसुवीर्यं
सुवीर्यंदधत्रयिंमयिपोषं॥१२॥आनोपावकाग्निभिर्मंक्षयादेवाग्निक्रियाः
आदेवान्वक्षियक्षिवानंवाघृतस्नोघृतास्नाईमहेचित्रभानोचित्रावानाम्वर्दृशांसं ४
ःदृशांदेवानाआवीतयेवहावीतिहोत्रंवीतिहोत्रंवाकवेयमंनंसंदधीमहिअ५ध

सुचेतना।२

ग्नेहृदंतंअधरेअ॥१३॥अवानःअग्नेऊतिभिर्गायत्रस्यप्रनर्मणिप्रनर्मणिविश्वासु
धीषुवंद्याआनःअग्नारयिंनरासत्रासादंसत्रासादंवारण्यंविश्वासुपृत्सुदुष्टरंदुः
नरंआनःअग्नासुचेतुनारयिंविश्वायुपोषसंविश्वायुपोषसंमाडीकंधेहिजीवसे
॥१४॥अग्निंहिन्वंतुनःधियःसप्तिंआशुंइवाजिषुतंनऊषुधनंधनंधनेधनेय
याताःआकरामहेआकरामहेसनयाअग्नेनवाऊत्याताँनःहिन्वमघन्ययेआ
अग्नास्थूरंरयिंनराहृषुंगांमंतांआश्वनंअङ्गिरवंवंतीयापविंअग्नानरुत्वंअज
रंआजरंआसूर्यंगादृयादिविदधत्तोतिःजानन्पः।अग्नाकृतुःविश्वाअभि
त्रिष्ठुःस्पृधःउपस्थेसत्तासीदाधिक्षितेवयःदधत्॥१५॥अग्निर्हव्यादिवः

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maulpur, New Delhi

Takshashila Project

त्रा॒वित॑सं॒वह्नि॑। दि॒वः॑। अ॒रु॒ष्व॒त॒। दध॑ति॒। रत्नं॑। वि॒धा॒त॒। सु॒वीर्यं॑। सु॒ऽवी॒र्य॒। अ॒नि॒। ऊ॒नाय॑। दा॒शुषे॑ ॥१०॥ अ॒द॒र्शि॒। गा॒तुऽवि॑त्तमः। यस्मा॑त्। रेज॑न्त। कृ॒ष्टयः॑। च॒र्कृ॒ऽया॒णि॒। अ॒रु॒ष्व॒तः॑। सद॑स्त्वसं॒। सद॑स्त्वसं॒। मधु॑ऽसातौ। मधु॑ऽसातौ। इ॒वा॒त्म॒ना॒। अ॒ग्निं॑। धी॒भिः॑। न॒म॒स्य॒त॒। प॒रि॒ऽवा॒दा॒सः॒। अ॒नि॒दः॑ ॥११॥ अ॒ग्न॒आयू॑ंषि। पि॒प्र॒सः॒। अ॒नि॒। ऋ॒षि॒ऽमः॒। प॒व॒मा॒नः॒। पां॒च॒ऽज॒न्यः॑। पु॒रो॒ऽहि॒तः॑। अ॒रः॒ऽहि॑तः॑। तं॒। ई॒म॒हे॒। म॒हा॒ऽग॒यं॒। म॒हा॒ऽग॒यं॒। अ॒ग्ने॒। प॒व॒स्व॒। स्व॒पाः॑। सु॒ऽअ॒पाः॑। अ॒स्म॒त्ऽरि॒। वर्ज॑ं। सु॒ऽवी॒र्यं॑। सु॒ऽवी॒र्यं॑। दधत्। र॒यिं॑। मयि॑। पो॒षं॑ ॥१२॥ आ॒। नः॒। पा॒व॒क॒। गो॒ऽवि॒दा॒। मं॒ह॒या॒। दे॒व॒। अ॒द्रि॒ऽक्रि॒या॒। आ॒ऽद॒वा॒न्। व॒स्वि॒या॒। शि॒वान्। च॒। घृ॒त॒ऽस्नो॒। घृ॒त॒ऽस्नाः॒। ई॒म॒हे॒। चि॒त्रऽभा॑नो। चि॒त्रऽभा॑नो। स्व॒ऽइ॑शं॒। स्व॒ऽइ॑शं॒। त्वा॒ ॥ ४ ॥ इ॒ळः॒। दे॒वा॒न्। आ॒। व॒ी॒त॒ये॒। व॒ह॒। बी॒हि॒। हो॒त्रं॑। बी॒हि॒। हो॒त्रं॑। च॒। क॒वे॒। घृ॒तऽपे॑नं। सं॒ऽइ॒धी॒म॒हि॒। अ॒ग्ने॒ ॥ ५ ॥

Digitized by Vaidika Bharata/Sunarna Trust, Mayapur, New Delhi.

Takshashila Project

ग्नेदृहंताअधरे॥१३॥अवानः।अग्नेऊतिभिः।गायत्रस्य।प्रनर्मणि।प्रनर्मणि।विश्वासु।
धीषु।वंद्याआनः।अग्नारयिं।नरासत्रासाहं।सत्रासाहं।वरेण्यं।विश्वासु।दुस्सु।दुरोडुः।
नरं।आनः।अग्नासुचेतुनारयिं।विश्वायुपोषसं।विश्वायुपोषसं।माडीकं।धेहि।जीवसे
॥१४॥अग्निं।हिन्वंतुनः।धियः।सप्तिं।आशुं।इव।आजिषु।तना।जेषु।धनधनं।धनं।धनेऽय
ज्ञाः।नः।आकरामहे।आकरामहे।सनयाअग्नेनवाऊर्ज्या।तां।नः।हिन्व।मघत्तये।आ।
अग्नासहूरिं।रयिं।नरा।दृषुं।गामंतं।अश्विनं।अङ्गिरः।वंवंत्यापविं।अग्नानस्त्रं।अजे
रं।आजेषं।आसूर्यः।रादृहाद्यादिविद्यधत्।ज्योतिः।जनेभ्यः।अग्ना।कवेः।विश्वा।अभि।
प्रश्चः।प्रधः।उपस्थसत्।उपस्थासत्।वाधाभिः।वयः।दधत्॥१५॥अग्निर्हवींदिवः

Takshashila Project

ककुन्मतीरिषो वार्यस्य हि दात्रस्याग्ने स्वः पतिः स्वाश्वितिः पतिः स्तोता स्यात्तवाशर्मणि ।
उत आप्रुषायतवा प्रुक्षाः प्रातरंतरीरते तवज्योतीꣳष्यर्चयः ॥१६॥ अर्षः ॥
कः ता कामिः जनानां आप्रकः दास्वध्वरः दास्वाध्वरः कः हि कस्मिन्नसि श्रितः ।
त्वं कामिः जनानां आप्रमित्रः मित्रः असि प्रियः सखासखिभ्यः सखिभ्यः ॥१७॥
ईड्यः यज्ञानां मित्रो मित्रो वरुणो यज्ञो दक्षानां सहन्नाप्रयक्षि सहसंवसं ॥१८॥
ईड्यः नमस्यः तिरः तमांसि दर्शतः मांअग्निः इध्मतावृषा वृषा गाअग्निः सांइध्य ५५
तेअश्वनैः नादेवा दनः देवा वा दनः नोदविष्मंतः ईडितो वृषणं वोवयं वृषन्वृषभं
णः सांइधीमहि आग्नादीद्यतं बृहन्त ॥१९॥ उतता बृहंतः अर्चयः समिधानस्यसं इं

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayapur, New Delhi

Takshashila Project

अनस्य। दीदिवः। अग्ना। शुक्रासः। इरतात। उप। वाजुकः। मम। घृताचीः। यंतु। दर्षतः। अग्नेः।
दव्या। सुषस्वानः। मंद्रः। होतारः। कविक्रतः। चित्रभानुं। चित्रभानुं। विभावसुं। विभावसुं। अ
ग्निं। ईडे। सः। उ। श्रवत्। आ। पप्रिना। अग्नए। कया। पप्रि। विश्वस्मात्। रक्षसः। अराध्रूः।
अराध्रूः। त्वा। सपर्यति। वाजेषु। नः। अव। वां। इत्। हि। नि। दिशं। दवतातये। अपि। नक्षामदुहे
॥४॥ इनः। राजन्। अरतिः। समिद्धः। सं। इद्धः। रोहितः। दस्मवर्चाः। सुषुमान्। अदब्धः। विकिन्।
विश्वानि। नः। दुरिता। अमि। क्षी। मा। एति। कश्नीः। अपाजन्। अप। अजन्। ऊर्ध्वां। व
न्। एनीः। अति। वर्पसा। दून्। ऊनयन्। याषत्। दुरः। इषुः। न। ऊर्वी। न्। सूर्यस्य। अ
न्। नयन्। दिवः। वसुभिः। अरतिः। विभाति। नः। नक्षया। सचमानः। आ। अगात्। स्वसारं।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऊरः। अग्निः एतिपश्चात्। सुप्रकेतैः। सुप्रकेतैः। घृतनिः। अग्निः। विनिषन्। विनिषन्। कव्याग्निः।
वर्सेः। अग्निरामं। अस्थात्॥ ५॥ कथा ते। अग्ने। अंगिरः। ऊर्जः। नपात्। उपस्तुतिं। उपस्तुतिं।
निधायादधामन्यवे। हविष्मः। कस्य। मनसा। यज्ञस्य। सदसः। याद्। कणः। वाघते। इदं।
नमः। अधाचं। हिनः। करः। विश्वः। अमन्यं। सुकृतेः। सुकृतेः। वाजदक्षिणसः। वाजदक्षि
णसः। गिरः॥ ६॥ अग्ने। आ। याहि। आग्निभिः। होतारं। त्वा। वृणीमहे। आ। त्वां। अर्कैः। न
कः। प्रयता। प्रायता। हविष्मती। यजिष्ठं। बर्हिः। आसादा। आ। सदे। अच्छ। हि। त्वा। सदसः। सू
नो। अंगिरः। सुचः। वरंति। अधरे। ऊर्जः। नपातं। घृतकेशं। घृतकेशं। ईमादा। अग्निं। यज्ञे ५६
षु। पूर्व्यं॥ ७॥ अच्छ। नः। शिरः। शोचिषं। शिरः। शोचिषं। गिरः। यंतु। दर्शतं। अच्छ। यज्ञासः। नं

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayapur, New Delhi.

Takshashila Project

समा॑ सुजू॒र्वसु॑ः सु॒रू॒वसु॑ः सुरु॒पश॑स्तं॒ सुरु॑ः॒ पश॑स्तं॒ ऊत॑ये॒ अग्नि॑ं॒ सूनु॑ं॒ सह॑सः॒ जात॑वेदसं॑
जात॑वेदसं॑ दा॒नाय॑ वार्याणां॑ हि॒तं यः॑ हृ॒तऽअ॑हुतः॑ आ॒हु॒तः॑ मर्त्ये॑षु॒ आ॒सि॒तं॑ मं
द्र॑मतिं॑ वि॒क्षु॥८॥ अस॑न्यः॑ आ॒स॒न्यः॑ सु॒रए॑नाः॒ पुरः॑ एता॑ वि॒शा॒मू॒ अग्निः॑ मा॒नु॒षी॒णां
॥ऽसी॑दः॑ रथः॑ स्थः॑ स॒श्चा॒नवः॑ अ॒ति॒ऽप्रया॑ꣳसि॒ वा॒ह॒सा॒ दा॒श्वान्॑ आ॒प्नो॒ति॒ मर्त्यः॑ हु
वा॑ पाव॒कशो॑चिषः॑ पाव॒कशो॑चिषः॑ सा॒कान्॑ वि॒श्वाः॑ अ॒ति॒शु॒क्रः॑ अ॒ति॒ युजः॑ कृ॒तुः॑ दे
वा॑नां॑ अ॒मृ॒क्तः॑ आ॒मृ॒क्तः॑ अग्निः॑ हु॒वि॒श्रेव॑स्तमः॑ हु॒वि॒ श्रव॑स्तमः॥९॥ न॒ः॒ गो॒ना॒ अ॒ग्नि॒राऽउ
तं॑॥ न॒ः॒ मनः॑ ऋणुष॒ वृत्र॑हर्य॒ वृत्र॑हर्य॒ याय॑ना॒ सम॑स्मु॒ सा॒ सम॑स्तु॒ सा॒ सह॑ि॒षः॑ अव॑ सि॒
रा॒ते॒नु॒हि॒ हू॒रि॒ः॒ शर्ध॑तां॑ वनेम॑ ते॑ अ॒ति॒ष्टा॒य॑॥१०॥ अग्ने॑ वाजस्य॑ गोम॒तः॑ सः॑ इ॒धा॒नः॑

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

वसुः। कविः। अग्निः। ईड्यः। गिरा। इह। वन्। अस्मभ्यं। दुर्वलीका। दुरु। अनीका। दीदिहि। रुपः। राजन्।
उत। आत्मना। अग्ने। वस्तोः। उत। उषसः। नृसः। निग्मन्। जन्म। रक्षसः। दह। प्रति। १०। विशः।
विशः। वा। अतिथिं। यं। जनासः। दविष्मंतः। मित्रं। मित्रं। न। सर्पिरासुतिं। सर्पिः। आसुतिं। प्र।
शंसंति। प्रशंसं। ति। प्रशस्ति। निः। प्र। वाम्। ति। निः। पन्यां। सं। जातवेदसं। जातवेदसं। यः।
देवानि। उशत्। ना। उशत्। यना। हव्या। नि। ऐरयत्। दिवि। ११। समिद्धं। सं। इद्धं। अग्निं। समिधा।
सं। इध्मा। गिरा। गृणे। शुचिं। पावकं। पुरः। अध्वरे। ध्रुवं। विप्रं। विप्रं। होतारं। सुऽकरं।
दुरु। वारं। अद्रुहं। आ। द्रुहं। कविं। सुम्नैः। ईमहे। जातवेदसं। जातवेदसं। त्वां। इत्। अग्ने। ४७
। अमृतं। सुऽगेयुगे। युगेऽयुगे। हव्यऽवाहं। हव्य। वाहं। दधिरे। पायुं। ईड्यं। देवासः। वामे

। आऽमृतं।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

ऋ॒सः॒ । वा॒जा॒ऽऋ॒षि॒ । विऽभ्रु॑ । वि॒ऽभु॒ । विऽश्प॑ति । नम॑सा । नि॒ऽसे॒दि॒रे॒ । वि॒ऽहु॒षे । वि॒ऽहु॒षे । अ॒स्मे इति॑ ।
या॒ना । अनु॑ऽवना । इ॒तः॒ । दे॒वा॒ना॒म् । रज॑सी॒ इति॑ । सं॒ऽई॒या॒म॒ । यन्ता॑ । धी॒ति॒ । सु॒ऽम॒ति॒ । सु॒ऽम॒ति॒ ।
आ॒ऽवृ॒णी॒म॒हे॒ । आ॒ऽवृ॒णी॒म॒हे॒ । अध॑ । स्म॒ । नः॒ । त्रि॒ऽवरू॑थः । त्रि॒ऽवरू॑थः । शि॒वः । भ॒व॒ ॥ ४३ ॥ उप॑ । व्र॒ता ।
ज्म॒या । गि॒रः॒ । यस्य॑ । त्रि॒ऽभनु॑ । त्रि॒ऽधातु॑ । अवृ॑तं । आ॒ऽवृ॑तं । ब॒र्हिः॒ । ता॒स्थौ॒ । असं॑दिनं । आ॒ऽसं॒
दि॒नं॒ । आपः॑ । वि॒ष्णु॒ । नि॒ऽद॒धा॒प॒दं॒ । प॒दं । दे॒व॒स्य॒ । मी॒ळु॒षः॒ । अना॑धृष्टा । नि॒ः । अ॒न॒ । आ॒ऽधृ॒षे॒ ।
नि॒ः । ऊ॒ नि॒ । नि॒ः । नेशा॑ । सूर्यः॑ । इ॒व॒ । उ॒प॒ऽदृ॒क् । उ॒प॒ऽदृ॒क् ॥ ४४ ॥ ॥ अर्धर्चपावकः ॥ ॥ अग्निः ॥
पू॒र्वऽपी॑तये । अ॒स्य॒ । इ॒त॒ । इ॒ट्टः । कृ॒धि॒ । हृ॒ल्ऽभ्यः॑ । शव॑सः । म॒दे॒ । सु॒तस्य॑ । वि॒ष्ण॒वि॒ । अ॒घ्न्ये॒ । अ॒घ्न्ये॒ ।
इ॒ । अ॒स्य॒ । म॒दि॒रस्य॑ । आ॒यवः॑ । अनु॑ । हु॒व॒न्ति॒ । पू॒र्वथा ॥ ४५ ॥ प्र । वा॒म् । अ॒र्च॒न्ति॒ । उ॒क्थिनः॑ । नी

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

थाविदः। नीथाविदः। ऊतिभिः। इंद्राग्नी। इंद्राअग्नीइति। इषः। आ। वृणे। इंद्राग्नी। इंद्राअग्नीइति।
नवतिं। पुरः। दासपत्नीः। दासाऽपत्नीः। अधूनुतं। साकं। एकेन। कर्मणा। इंद्राग्नी। इंद्राअग्नी
इति। अपसः। परिऽउ। षातं। धीतयः। ऊतस्य। पथ्याः। अनु। इंद्राग्नी। इंद्राअग्नीइति। त
विषाणि। वां। सधऽस्थानि। सधाऽस्थानि। प्रयाऽउंसि। चायुवः। अभूर्यं। अपूऽइर्यं। हितं॥२॥ स
थूऽउशचीपते। पोरः। अश्वस्य। दुरुऽहन्। दुरुऽहन्। गवां। असिऽउसः। जन्। असः। इ
वा। हिरण्ययः। नाकिः। हि। दानं। परिऽमर्धिषत्। परिऽमर्धिषत्। चइति। यत्। यत्। यन्।
यामि। तत्। आ। इत्। नरा॥३॥ चऽउ। इत्। हि। स्वराजा। चं। उरू। सत्ऽराणि। शतानि। चायूथा। दानाय
। मंऽहसा। आ। पुरंदरं। पुरं। दरं। चक्रथुः। विप्रऽवचसः। विप्रऽवचसः। इंद्रं। गायंतः। अ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayipur, New Delhi.

Takshashila Project

वास॥धायाविश्वादयातवसुअश्वंनामीमहे॥रथ्यंसुदानवः॥सुदानवः॥मर्डीकंतादव
यवः॥उनश्मिताकश्मिततनायरुद्रमाविश्पतेपरिवाक्षमाघानां॥५॥श्मं॥मवसु
एाक्रधीहवंअद्याअद्यावृडयतांअवस्युःआवके॥६॥कयाचनःऊत्याअ
निष्ठामृदस्मादृषन्कयास्तस्त्यःआभर॥७॥इंद्रमिद्धवतायइंद्रःमक्काएद्
मीडुषिपप्रथन्नावःइंद्रःसूर्यंआरोचयन्नंद्रंद्दविश्वान्नुवनानियेमिरेइ
द्रेस्वानासःइंदवः॥८॥विश्वकर्मन्नुविश्वकर्मन्नुहविषावावृधानःस्वयंयजस्व
तन्वंसमाहितमुप्रंनुआन्यंअनुनायंअनितःजनासःइंद्रंअस्माकंमघवासू
रिःअस्तु॥९॥अयारुचाहरिएापुनानःप्राचीमनुप्रदिशंप्रादिशंयासिचेकितान्

Takshashila Project

मा॑ऽस्मिन्नि॒ऽयन्ते॑। दर्शतः॑। रथः॑। दि॒व्यः। दर्श॑तः। रथः॑। अ॒स्मत्ऽउ॒ग्राऽनि॒। पौंस्या॑। ई॒ड्यं॑। ऽइत्रा॑
या॒ दर्षय॑न्। वज्रः॑। चा॒यत्। नथः॑। अ॒न॒प॒क्ऽकृता॑। अ॒नू॒। अ॒प॒क्ऽकृता॑। सम॑स्मु। सा॒। म॒स्मु॒। अ॒
न॒प॒क्ऽकृता॑। अ॒नू॒। अ॒प॒क्ऽकृता॑। चो॒दा॒। यत्। प॒णी॒नां॑। वि॒दः॑। वसु॑। सं॒ऽमा॒। दृ॒ति॒ऽः। म॒र्ड॒यसि॑। नः॑।
अ॒। दा॒मा॒। ऋ॒त॒स्य॒। धी॒ति॒ऽभिः॑। दमे॑। प॒रा॒ऽव॒तः॑। न॒। सा॒मा॒ऽत॒न्। यत्र॑। र॒णं॒ति॒। धी॒ति॒ऽयः॑। त्रि॒ऽभ॒नु॒
सि॒ऽत्रि॒ऽभ॒नु॒ऽभिः॑। अ॒रु॒षी॒ऽभिः॑। वय॑ः। द॒धे॒। गा॒व॒मा॒ना॒ऽः। वय॑ः। द॒धे॒॥९॥ उत्। नः॒। गा॒व॒ऽयी॑। गा॒ऽस॒नि॒। धि॒यं॑। अ॒श्व॒ऽसां॑। अ॒श्व॒ऽसां॑। वा॒ज॒ऽसां॑। वा॒जा॒ऽसां॑। उ॒त। नृ॒ऽवत्। सु॒ऽनु॒हि॒। ऊ॒तये॑
॥१०॥ श्र॒श्र॒मा॒णस्य॑। वा॒ज॒ऽनः॑। स्व॒दस्व॑। र॒सं॒ऽय॒वः॑। सं॒ऽय॒। श॒व॒सः॒। वि॒ऽद्। का॒मस्य॑। वे॒ऽन॒तः॑॥११॥ उप॑। नः॒। सू॒न॒वः॒। गि॒रः॒। शृ॒ण्व॒न्तु॒। अ॒मृ॒तस्य॑। अ॒मृ॒तस्य॑। ये॒। सु॒ऽमृ॒डी॒काः॒। सु॒।

५९

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सु।मृडीकाः।नवंडानः।।२३।।त्रावोमृ।महि।द्यवीइति।अति।अनुपस्तुति।उप।स्तुति।नराम
हि।श्रुतीइति।उप।त्रयास्ताय।त्रयास्ताय।पुनानइति।तन्वा।मिथः।स्वेन।दक्षेण।राजथः।
ऋस्थाथइति।सनगृतं।महीइति।मित्रस्य।मित्रस्य।साधथः।तरंतीइति।पिप्रतीइ
ति।कृतं।परियंतं।निसेदथुः।।२४।।अयमुतसमतसि।सोत्रं।गवामं।पतिर्वहः।वी
रायस्य।ति।विहृतिः।विहृतिः।अस्रुसून्तं।सून्तं।ऊर्ध्वः।तिष्ठानः।ऊतयो।अस्मिन्।वा
जे।शतक्रतो।इति।कतो।मं।अन्यपु।अन्।यपु।ब्रवावदि।।२५।।गावउपवदावद।अन्यो
वं।अन्ति।आरं।इत्।अस्यः।आरयः।निषिक्तं।निसिक्तं।पुष्कारं।मधु।अवटस्य।विसर्ज
नं।विसर्जनं।सिंचंति।नमसा।अवटं।उद्नाचक्रं।वेद्मा।चक्रं।परियानं।परियाना

Takshashila Project

नो नीचीन बारं नीचीनो बारं अक्तं आक्तं ॥ १८ ॥ मा नो मा अभि भूत्यै सख्ये
सारव्यानवा मरुतो रुद्रियासो अनिवस्यो अनिवस्यां रुतं पशुमा इर्वशो यदुं सख्यं
अनु स्फिग्यं कवासृषा नासनः अस्य राधसो मधो मंदध्वं सं गृभायत सारघेण
धनवः हस्यं आ घृतं इवा पिब ॥ १७ ॥ इमा उ वां उरुष्यसो अयं सहस्रं ऋषिभिः सुतः
सहः रुनः समुद्रं सं उक्षं इवा पप्रथे मध्यः सः अस्य महिमा गृणे शवः
याज्ञेषु विप्रराज्ये विपा राज्ये ॥ १९ ॥ यस्य अयं विश्वः आर्यः दासः शेवधिपाः शेवधि
पाः अरिः निरः चित् आर्यो रुशमपवीरवि हव्यो इत् मः अज्ञातायिः दुरण्यवः
मधुमंतं घृतश्चुतं घृतश्चुतं विप्रासः विप्रासः अर्कं आनृचुः अस्मेइति रयिः पप्रथ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अ॒ग्निः। वृत्र॑ऽहा। शवः॑। अस्म॑त्। इति॑। स्वा॒नासः॑। इ॒न्द॒वः॑॥२९॥ गो॒ऽम॒न्नः। इ॒न्दो॒। अ॒श्व॒ऽव॒त्। सः। नः॒। ह॒रि॒ऽवा॒न्। पा॒त॒। इ॒न्दो॒। इ॒व॒। स्प॒र॒स्त॒मः। दि॒वः। स्प॒र॒स्त॒मः। सखा॑। स॒ऽखा॑। इ॒व॒। सख्ये॑। स॒ऽख्ये॑। नर्यः॑। रु॒चे॒ऽन॒। व॒सा॒न॒। मि॒। वा॒। अस्म॑त्। आ। अ॒द्व॒। आ॒ऽद्व॒। कं॒। चि॒त्। अत्रि॑ऽणं। साक्ऽन्। इ॒न्दो॒। परि॑। वा॒॥ धः॑। अ॒प॒ऽद्यु॒॥३०॥ अं॒जन्ति॑। व्यं॒जन्ति॑। सम्ऽअं॒जन्ति॑। वि॒प॒श्चित॑। विपः॑। वि॒त॒। प॒व॒मा॒न॒। आ। गा॒य॒त॒। म॒ही॒ना॒ऽधना॑। अति॑। अं॒धः॑। अर्ष॑ति। अहिः॑। न। जूर्स्मि॑। अति॑। सर्पति। चेवः॑। अ॒यः॑। नौऽना॑। क्री॒॥ डु॒न्। असर॑त्। हृषा॑। हरिः॑। आ॒ऽयुः। आ॒ऽयुः। राजा॑। अप्सः॑। ति॒वि॒ष्यते॑। वि॒ऽमा॒नः॑। वि॒ऽमा॒॥ नः॒। अक्ऽक्रः॑। आ॒ऽक्रः॑। नृ॒ऽवत्। नृ॒ऽपुः॑। अर्षि॑तः। हरिः॑। घृत॑ऽस्नुः। घृत॑ऽस्नुः। सु॒ऽदृ॒शी॒कः॑। सु॒॥ दृ॒शी॒कः॑। अस्म॑ऽवेः। ज्योति॑ऽनीः। र॒थः॑। प॒वा॒त॒। गा॒य॒। उ॒क्थ्यः॑॥३१॥ ॥इति सप्तमः॥

Takshashila Project

॥ विश्वेभिः॑ अग्न॒ अग्नि॑भिः॒ इ॒मं यज्ञ॑मि॒दं वचः॑ चनः॑ धाः॒ सह॑सः॒ यहो॒ इति॑ । यत् चि॑त् हि॒ श॒श्वता॑ ।
तना॑ दे॒वं दे॒वं दे॒वं यज्ञ॑मदे॒ वह॑ति॒ इत् कृ॒णव॑त् हविः॑ प्रि॒यः नः॑ अस्तु॒ वि॒श्प॒तिः ।
होता॑ मं॒द्रः वरे॑ण्यः॑ प्रि॒याः स्व॒ग्नयः॑ सु॒ अ॒ग्नयः॑ व॒यं ॥१॥ इ॒ड्यः॑ वः॑ विश्व॑तः॑ परि॑ हवाम
हे॒ड॒ान्त्यः॑ अस्माकं॑ अस्तु॒ कव॑लः॑ सः॑ नः॑ दे॒व॒ अमुं॑ वरु॑ सत्रा॑ दा॒व॒ने॒ सत्रा॑ दा॒व
नू॒ अपः॑ हृधि॑ अस्मत्यं॑ अप॑ प्रति॑ष्कुतः॑ अप॑ प्रति॑ष्कुतः॑ दे॒वा॒ यूथा॑ इ॒व॒ वः॑ सग॑ः॑ हृ॒ष्टीः॑ ।
रथ॑र्ति॑ इव॒ सस॑सा॑ ईशा॑नः॑ अप॑ प्रति॑ष्कुतः॑ अप॑ प्रति॑ष्कुतः ॥२॥ च॒न॒ स्थि॒र॒ऽइ॒वा॒ । पर्षि॑ । ता॒कं॑
तन॑यः॑ पर्ष॑ति॑ नः॑ त्वं अद॑ब्धैः॑ अद॑ब्धेः॑ अप॑ प्रयु॑च्छ॒ति॑ः॑ अप॑ प्रयु॑च्छ॒ति॑ः॑ अग्ने॑ हेडा॑ः॑ सि ह॒
दि॒व्या॑ युयो॑धि॑ नः॑ अद॑वानि॑ आद॑वानि॑ क्र॒रा॑ः॑ सि॑ च ॥३॥ किं॑ इ॒त्॒ ता॒ वि॒ष्णो॒ परि॑ चे

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Rakshashika Project

क्षि॒प॒रि॒च॒क्षि॒ना॒मा॒य॒न्। व॒व॒क्षि॒। शे॒पि॒वि॒ष्टः॒। शि॒पि॒। वि॒ष्टः॒। अ॒सि॒। मा॒। वर्पः॒। अस्म
न्। अ॒पा॒ऽरूढ्ः॒। एत॑त्। य॒त्। अ॒न्य॒ऽरू॒पः॒। अ॒न्य॒। रू॒पः॒। स॒मि॒थे॒। सं॒। शा॒य॒। व॒त्सै॒। पा॒न॒त्।
ना॒। अ॒ध॒। शि॒पि॒वि॒ष्ट॒। शे॒पि॒। वि॒ष्ट॒। द॒व्यं॒। अ॒र्यः॒। शं॒। सा॒मि॒। व॒यु॒ना॒नि॒। वि॒द्वान्। नं॒। ग्नः॒।
गृ॒ण॒मि॒। न॒व॒सं॒। अ॒न॒व्या॒न्। आ॒न॒व्या॒न्। रु॒य॒र्ना॒। अ॒स्य॒। रज॑सः॒। परा॑के। व॒ष॒ट्ऽकृ॒तौ॒। वि
ष्णो॒। आ॒सः॒। आ॒। ऋ॒णो॒मि॒। न॒। त्मा॒। जु॒ष॒स्व॒। शि॒पि॒वि॒ष्ट॒। शि॒वि॒ष्ट॒। द॒व्यं॒। व॒र्धु॒। च॒।
सु॒ष्टु॒ऽन॒यः॒। सु॒। स्तु॒ऽन॒यः॒। गिरः॑। मे॒। सू॒र्य॒। पा॒न॒। व॒स्तो॒रि॒ति॑। मे॒ह॒नः॥ ४॥ वा॒यो॒। सु॒ऽक्रः॒। अ॒भि
या॒हि॒। ना॒म॒ऽधः॒। अ॒ग्ने॒। दि॒वि॒ऽस्पृ॒शु॒। आ॒। या॒हि॒। सो॒म॒। पी॒त॒ये॒। सो॒म॒। पी॒त॒ये॒। स्वा॒हे॒ः।
दे॒व॒। नि॒ऽयु॒च्व॒ना॒। नि॒ऽयु॒च्व॒ना॒। ई॒ड्ः॒। चो॒। वा॒यो॒। एवां॑। सो॒मा॑नां॑। पी॒तिं॑। अ॒र्द॒थः॒। यु॒वा॒म्।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

CC-0. Jaksashila Project

हियंते। इंद्रवः। निम्नाः। आपः। न। सध्र्यक्। सः। ध्रुक्। वयः। इंद्रः। वाशुः। न। भिक्षे। सरथं।
सारथिं। रवसः। पतीइति। नियुत्वंता। नियुत्वंतः। न। ऊतये। आ। यातं। सोमपीतये।
सोमपीतये॥ ५॥ अध। हि। पा। पति। द्रुतः। पति। हितः। वज्रं। न। अभि। प्र। गात्। सः। ऐ
दीवि। वेस्वनः। वि। वस्वनः। धियः। हरि। हिन्वंति। यातवे। नं। अस्य। मर्डयाम। कः। मे
इः। यः। इंद्रः। नमः। इंद्रः। पातमः। यं। गवः। आसभिः। दधुः। पुरा। नूनं। वासूर
यः। नं। गाथया। पुराणया। पुनानं। अभि। अनूषत। उत। ओ। इति। नः। धीतयः। दि
वानां। नाम। बिभ्रतीः॥ ६॥ अधन्नचावारवंतं। सः। घा। नः। सूनुः। शवसा। पृथुः। ६२
प्रगामा। पथ्या। अनु। प्रगामा। सुशेवः। सुशेवः। मीढ्वान्। अस्माकं। बभूयात्। सं।

Takshashila Project

नः इगातु इः आनुचा आसत्वानि मर्त्यति अघायोः पाहि सदमित्वा विश्वायुः
विश्वा आयुः ॥७॥ त्वमिंद्र प्रतूर्तिषु अभी नो नर्या अपः क्षोणी शति
शिप्रिन् नामानरा विश्वाः ऊतीः सुधः शत्थर्यन्ता मन्यवि वृत्रं यतिं इंद्रास्वर्वसि ॥८॥
ई यद्ध इंद्र मवद्यं यत् वि अंनरिक्तं अतिरत् मादः सोमस्य रण्वना इंद्रः यत्र
विनत् वलं उतानाः आजत् अंगिरोभ्यः आविः आविः कृण्वन् गुहा सतीः
अर्वाचं नुनुदे वलं ॥९॥ त्यमु वः सत्रासाहं युधा मंतं अनर्वाणं अनात्रयं
सामपां सोमापां अंनेपसं अना अपसं नरं अवार्यक्रतुं अवार्याक्रं
तं शिप्रिणं इंद्रायः आ उक्थे विधान् कृणुष्व हरिवः नः पर्षदि धामानं ॥१०॥

Takshashila Project

तवायन्नेंद्रियंवृहन्नवादक्षंउतक्रतुंवज्रं।शिशानोविषणेवारएषोनवाद्योः।
ईंद्यावोऽस्यांपृथिवीवर्धनिश्रवोवांआपःपर्वतासःवाहिन्विरेअचो।विष्णुःवृ
हन्क्षयःमित्रःमित्रःपणानिवरुणःवोशर्दःमदनिअनुमारुतं॥१०॥नमस्तेअ
ग्नउजासाकविन्सुनःगविष्टयेगोइष्टयेगौअग्नेसंवत्सिषःसंवत्सिषःरयिंउ
रुक्षन्नुरुक्षन्नुरुनेःक्षपोमानःअस्मन्महधनेमहाधनेपगावर्कुमारहू
नूनारहून्यथासंवर्गासंवर्गासंवत्सिंजय॥११॥समस्यमन्यावविदुःविवि
नाद्वृत्रस्यादधनःशिरःविभेदहरिणावज्रेणशतपर्वणाउजनदस्यनिक्षिषे ६३
॥१२॥सुमन्मासुमन्मावस्वीरंनीसूनरीसूनरीमरूपासरूपवृषन्नाग

TakShashila Project

हिइमोनाडोधुर्योअग्निनोइमोउपासर्पतःनिइवाशीर्षाणिमृदूंमध्योआप
स्यानिषतिशृंगाणिःदक्षानिःदक्षिणान्॥४॥ ॥अर्धप्रपाठकः॥ ॥पन्थंपन्थामिस्मानाप्रः॥
आइहाहरीइतिब्रह्मयुजाब्रह्मायुजाशग्माबक्षतः॥सखायंसाखायंइंद्रंगीर्भिः॥
गिर्वणसंगिःवनसंपानाहत्रहाहत्राहासुतंआघागमन्नाआराअस्मन्नि॥
यमानाशतमूतिःशतंऊतिः॥१॥आचाविशंविंदवःविचक्षामहिनाहृषन्नानर्क॥
सामस्याकृष्टयोयःइंद्रऊतयेनुतेअरंतेइंद्रकुक्षयेसामः॥नक्तोहत्र
हनाहत्राहनाअरंधामन्त्यःइंदवः॥२॥उगाबाधतेदिविदृळहःनःमहान्त्र
निमानःअोनिमानःधूमाकेतुःधूमाकेतुःपुरुश्चंद्रःपुरुश्चंद्रःभियाकाशाय॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

दिवः सः पर्वान् इव विश्पतिः दिव्यः कवुः शृणोतु नः त्रिधातुः अग्निः बृहद्भानुः
बृहद्भानुः शासते गोगायसुतसचा नाघा वसुः निधयमान दानं वाजस्य गोमतः यत्
सीं उपश्रवत् गिरः ऊं विश्वस्य ऊं वित्सस्य प्राहि वज्रं गोमंतं दस्यूका दस्यूका दाग
मन् शचीनिः उपानः वरन् ॥ ४ ॥ इदं विष्णुर्विचक्रमे त्रीणि पदा विचक्रमे विष्णुः गो
पाः गा पाः अदाभ्यः आ दाभ्यः अतः धर्माणि धारयन् विष्णोः कर्माणि पश्यतः य
तः व्रतानि पस्पशः इंद्रस्य युज्यः सखा सखा ननु विष्णोः परमं पदं सदा पश्यंति
सूरयः दिवि इव चक्षुः आततं आ ततं विप्रासः वि प्रासः विपन्यवः जागृवांसः
सं इधान विष्णोः यत् परमं पदं अतः दवाः अवंतु नः यतः विष्णुः विचक्रमे

ततं

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

विचक्रमे। इयिष्यः। अधिमानचि॥५॥ मा। शुचाकघतश्चन। इमे। हि। ता। त्र। ब्रह्मऽकृतः।
ब्रह्मा। कृतः। सुते। सचा। माघे। ना। मऽकृः। आ। सते। इंद्रे। कामं। जरितारः। वसूयवः। रथे।
ना। पादं। आ। दधुः॥६॥ अस्ता। वि। मन्मा। ऽर्यः। ब्रह्मा। इंद्राय। वाचना। ऽवीः। ऽकृतस्य।
बृहतीः। अनूषत। स्तानुः। मिधः। अस्कृता। सां। इंद्रः। वय्यः। इव। ऽतीः। अधूनुता। सां। क्रोः
णीऽइति। सां। ऽसूर्यं। सां। शुक्रासः। शुचयः। सां। गवा। शिरः। गा। आ। शिरः। सा। मां। इं
द्रं। अमं। दिषुः॥७॥ इंद्राय। साम। पातवे। तं। मघवाय। साऽकाय। पुरूऽरूचं। पुरूऽरूचं।
वयं। सूयं। वाऽसूरयः। अश्याम। वाजऽगंध्यं। वाजऽगंध्यं। सनेम। वाजऽपस्त्यं। वाजऽपस्त्यं।
परिऽयंतं। ऽर्यं। न। ऽहिं॥८॥ कस्त्रिं। इंद्रावसोः। मघोनः। सो। वृत्रऽहत्येषु। वृत्रा। ऽहत्येषु।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

कोऽस्याऽयाऽइदऽतिऽषियाऽवमुऽनवाऽत्रऽणीतीऽपाऽनीतीऽहर्यश्वाऽहरीऽअश्वाऽसऽचिऽभिःऽविश्वा
ऽनाऽमाऽकुरिकाऽकुःऽइतिऽएऽएऽकुमऽमेमेर्मदिन्तरंऽइंऽद्रःऽस्थानःऽहरीएंऽनाऽकिःऽतिऽहर्व्यंऽतु
तिंऽहर्व्याऽतुतिंऽउतऽअनऽउशाऽशावसाऽनाऽनंदनाऽतंऽवःऽवऽकऽनांऽपतिंऽअऽकुमऽहिऽश्रे
वस्यवेःऽअऽप्रायुऽचिःऽआऽप्रायुऽचिःऽयाऽइऽचिःऽकाऽइषेन्यांऽएऽनंऽहर्व्याऽवर्सरंऽविऽश्वऽग
तिंऽकिऽरऽनाऽशतिंऽविऽप्राऽविऽप्राऽचित्रोऽविषांऽचित्राऽशोऽविषांऽअग्निंऽईडिष्वऽयेऽउरेऽअग्ने
मधस्थऽसोम्पस्यांऽमाऽनारऽप्राऽईऽअधगायऽहर्व्याऽएऽआऽसामऽस्वानोऽअदिऽभिःऽस
ःऽमाऽमृऽजेऽतिरःऽअरुषिंऽमश्यःऽमीढ्वांऽसंऽतिर्नेकऽयुःऽअनुमाद्यःऽअनुमाद्यःऽपवमा
नःऽमनीषिऽभिःऽसोमःऽविश्वेऽभिःऽविऽश्वेभिःऽसऽकऽभिःऽएऽवयमेनमिदाप्सुःऽवृकः।

Takshashila Project

वितॄ॒अस्या॑ कारणः॥ उरा॒मथिः॑ उरा॒मथिः॑ आ॑ वयुने॒षु॒ कृ॒ष॒ति॒ सा॒ इ॒मा॒ नः॑ स्तो॒मा॒ जु॒
ष॒णः॑ आ॑ ग॒हि॒ इ॒न्द्र॒ प्रा॒वि॒त्र्या॒ शि॒या॥ २॥ इ॒न्द्रा॒ग्नी इ॒न्द्रा॒ अ॒ग्नी इति॑ गो॒ऽव॒नः॒ दि॒वः॑
प॒रि॒ वा॒जे॒षु॒ कृ॒ष॒थः॒ नः॒ वा॒ वा॒ वा॒ वि॒ना॒ प्रा॒ वी॒र्या॑ इ॒न्द्रा॒ग्नी॒ अ॒प॒स॒स्प॒रि॒ इ॒न्द्रा॒ग्नी॒ त॒वि॒षा॒णि
वां॥ ३॥ क॒ईं॒ क॒दु॒ स्तु॒त॒से॒ का॒ दा॒ना॒ मृ॒गः॑ ना॒ वा॒र॒णः॑ भु॒क्ष॒ती॒ वा॒र॒ण्यं॑ दधे॒ ना॒ कि॒ः॑ वा॒ नि॒
य॒मन्॑ आ॒ सु॒ते॒ ग॒मः॑ म॒हान्॑ चरा॑ मि॒ उ॒क्ष॒सा॒ यः॑ ३ यः॑ सन्॑ अ॒नि॒ष्टृ॒तः॑ आ॒ नि॒ष्टृ॒त
॑ स्थि॒रः॑ रणा॑ वा॒ सः॑ स्कृ॒तः॑ सां॒ऽऊ॒तः॑ यदि॑ स्तो॒तुः॑ म॒घ॒वा॒ शृ॒ण॒व॒त्॑ हवं॑ न॒ इ॒न्द्रः॑ यो
ष॒ति॒ आ॒ ग॒म॒त्॑॥ ४॥ प॒व॒मा॒ना॒ अ॒भ्य॒१॒॑र्षन्ति॒ सो॒मा॒ः॑ शु॒क्रा॒सः॑ इ॒न्द्र॒वः॑ अ॒भि॒ वि॒श्वा॒नि॒ का॒
व्या॑ प॒व॒मा॒ना॒ः॑ दि॒वः॑ प॒रि॒ अ॒न्त॒रि॒क्षा॒त्॑ अ॒सृ॒क्ष॒त॒ पृ॒थि॒व्या॒ अधि॑ सानवि॑ पवमा॒

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सः। आशवः। शुचयः। असृग्रं। इंदवः। घृतः। विश्वाः। अपः। दिशः॥१६॥ नोशा। वृत्रहणा। वृत्र।
हना। ऊवे। सजित्वना। सा। जित्वाना। अपराजिना। आपराजिना। इंद्राग्नी। इंद्रा। अग्नी
इति। वाजसातमा। वाजा। सातमा। प्रकाम्रं। ह्यक्तिनः। इंद्राग्नी नवति पुरः॥१७॥ उप।
त्वारण्यं। दृशं। रण्वा। संदृशं। प्रियस्वंतः। सदृङ्कृता। सदः। कृता। अग्ने। सस्त्यावहे।
शिरः। उप। छाया। इव। घृणेः। अगन्म। शर्म। ते। वयं। अग्ने। हिरण्यसंदृशः। हिरण्य
। संदृशः। यः। उभयः। इव। शर्म्यः। हा। शर्म्यः। हा। निग्मश्टंगः। निग्मा। शृंगः। ना। वृषभगः।
अग्ना। पुरः। रुरोजिथ॥१८॥ ऋतावाना। विश्वानरं। विश्वानरं। ऋतस्य। ज्योतिषः। पतिं।
अस्मत्रा। आ। ऋत्रं। घर्मं। ईमहे। यः। इदं। प्रतिपप्राथ। प्रतिपप्राथ। यजस्य। स्वः। उ

Takshashila Project

त्रिरुत। उत। त्रिरुत। रुद्रैः। उत। सजते। वशी। अग्निः। प्रियेषु। धामसु। कामः। सूतस्य।
नव्यसः। चतस्रः। सं। गृह्य। एकः। वि। गाहते। तुरः॥ १९॥ ॥ अर्धप्रपाठकः॥ ॥ अग्निः। पूर्वेभिः। ऋषिभिः। ईड्यः। नूतनैः। उत। सः। देवान्। एह। वक्षति। अग्निः। पूर्वेभिः। ऋषिभिः। ईड्यः। नूतनैः। उत। सः। देवान्। एह। वक्षति। अग्निः। पावकः। शंसाः। नः। मित्रः। मित्रेषु। वनः। स्वः। कविः। विप्रेण। वाहसा। उक्थैः। यजस्व। सत्तमः। अग्निम्। पावकऽशंसाः। विश्वेषाम्। पावकऽशंसाः। अस्मिन्। यज्ञे। स्वध्वरे। सुऽअध्वरः। सः। नः। मित्रमहः। मित्रऽमहः। वहन्। अग्ने। शुक्रेण। शोचिषा। देवैः। आ। सत्सि। बर्हिषि॥ २०॥ उत्। ते। शुष्मासः। अस्थुः। स्रुचः। चि। दन्तः। अद्रिवः। अद्रिवः। नुदस्व। याः। पनिष्ठधीः। पनिस्थऽधीः। अया। निः। ऊं इति। अघ्निः। निः। ऊं इति। ऊर्जसा। रथसंगः। रथऽसंगः। धन। दिते। नवि। अद्रिन्। युपाः। आ। वि। अक्षः। ऋष्वः। अस्थुः। वृते। नि। न। आ। घोषे। आ। दुहाते। अक्षः।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

पवमानस्य। इन्दवः। रुजायः। च। इन्यन्ति। नः। दिवंऽदिवं। मदाऽक्षं। मदाऽक्षं
हरिं। नदीषु। वाजिनं। हिंऽकुं। हिंऽप्रयाः। मस्रं॥२॥ आऽमंदिरं। हरिऽन्नि। हृत्रऽखादः। हृत्र।
खादः। वदः। रुजः। वलं। रुजः। पुरां। दर्मः। अपां। अजः। स्था। रथस्य। दूर्यः। अनि
स्वरे। अनिऽस्वरे। हंऽहः। हृदा। वित्। आरुजः। आ। रुजः। गंत्नीः। गन्। ऊधंत्नीन्। ऊधः। धी
न्। इव। कुंऽभिः। प्रुष्णसि। गाः। इव। त्वा। सुऽगोपाः। सुऽगोपाः। यवसं। धेनवः। यथा। कृदं
ऽक्ष्याः। इव। आशत॥३॥ यथा। गोरा। अपः। कृतं। मंदसु। वः। मघवन्। इंऽद्रः। इंऽदवः।
गभोदयाय। गर्भः। दयाय। सुऽवाते। आऽमुष्य। आ। मुष्याः। सा। मां। अपिऽबं। वसूश
ति। सुतं। ज्येष्ठं। नतु। दधिषे। सदः॥४॥ वमंग। प्रऽशः। असिषः। मा। ने। गर्भः। असि। मा। ते। ठ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

नयः। वसो। अस्मान्। कदा। चन। दभन्। विश्वा। स्वनः। उप। मिमीहि। उप। मिमीहि
मानुष। वसूनि। चर्षणिभ्यः। आ॥ ५॥ प्रति। स्या। सूनरी। जनी। व्यछंती।
वि। उछंती। परि। स्वसुः। दिवः। अदर्शि। दुहिता। उषाः। ऋता। चित्रा। अरुषी। माना।
गवां। ऋता। वरी। सखा। सखा। सूनृता। अश्विनाः। उषाः। उ। नः। सखा। सखा। अस्तु। अश्
श्विनोः। उत। मानाः। गवां। असि। उत। नः। वस्वः। ईशिषे॥ ६॥ एषः। उषाः। अपूर्व्या। या।
दस्रा। सिंधुमातरा। सिंधु। मातरा। मनोतरा। रयीणां। धिया। दधा। वसुविदा। वसु।
विदा। व्यंतां। वां। कक्षुहासः। ऊर्म्यायां। अधि। विष्पिये। यतू। वां। रथः। विभिः। प
नात्॥ ७॥ उषः। नः। चित्रं। आ। भर। अस्मभ्यं। वाजिनी। वति। येना। तोकं। च। तने

Takshashila Project

यांवाधमहेउषःअद्याअद्येहगोमत्यश्वावतिविभावरिविभावरिरवे
अस्मेइतिविउछसूनृतावतिसूनृतावतियुंक्ष्वाहिवाजिनीवत्यश्वान्अद्या
आद्याअरुणान्उषःअथानःविश्वासौभगानिसौभगानिआवह॥८॥अश्वि
नावर्त्तिःअस्मताआगोमतादस्रादिरण्यवत्अर्वाग्रथंसमनसानियच्छतंआ
इहादिवांसयोतुवांमयःसुवादस्रादिरण्यवर्त्तनीदिरण्यवर्त्तनीइतिउषर्बु
धःउषःबुधःवहंतुसोमपीतयेसोमपीतयेयोष्ट्रास्त्रोकंआदिवःजो
तिःजनायचक्रथुःआतिःऊर्जंवहंताश्विनासुवा॥९॥अग्नितमन्येयोच ६८
सुःअग्निःहिवाजिनंविशांदातिविश्वचर्षणिःविश्वचर्षणिअग्निःगया

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

स्वा॒नुवं॑सु॒ आ॒नुवं॑सः॒ प्रीत॑यः॒ याति॑ वा॒र्यं॑ इ॒ष॒ स्तोत्र्या॑य॒ सः॒ अग्निः॒ यः॒
व॒सुः॒ गृ॒णे॒ सां॒यं॒ आ॒यं॒ति॒ आ॒यं॒ति॒ भ्व॒नवः॒ सं॒ अ॒र्व॒तः॒ र॒घु॒ऽद्रु॒वः॒ र॒घु॒ऽद्रु॒वः॒ सं॒सु॒
ज्ञा॒ना॒सः॒ सु॒ऽजा॒ना॒सः॒ सू॒रयः॒ इ॒ष॒ स्तोत्र्या॑य॒ आ॒न॒ट्॥९॥ मा॒दा॒ना॒ अ॒द्य॒ बो॒ध्य॒
आ॒ऽसु॒नी॒थ॒ सु॒ऽनी॒थ॒ रो॒च॒द्र॒थ॒ रो॒च॒न॒ऽरा॒थ॒ वो॒ऽछः॒ वि॒ऽअ॒छः॒ उ॒दि॒तः॒ दि॒वः॒
सा॒ वि॒ऽउ॒च्छा॒ म॒हीय॑सि॒ मघ॑श्रवसि॒ वा॒य्ये॒ सु॒ऽजा॒ते॒ अ॒श्व॒ऽसू॒नृ॒ते॒ सा॒ नः॒ अ॒द्य॒ आ॒ऽय॒
आ॒ऽन॒र॒ऽव॒सुः॒ आ॒ऽन॒र॒ऽव॒सुः॒ वि॒ऽउ॒च्छ॒ उ॒दि॒तः॒ दि॒वः॒ या॒उ॒ वो॒ऽछः॒ वि॒ऽअ॒छः॒ म॒हीय॑सि॒
मघ॑श्रवसि॒ वा॒य्ये॒ सु॒ऽजा॒ते॒ अ॒श्व॒ऽसू॒नृ॒ते॒॥१०॥ प्रति॑ प्रि॒यत॑मं॒ र॒थं॒ अ॒द्या॒ या॒तं॒ अ॒श्वि॒ना॒ सो॒
या॒तं॒ अ॒श्वि॒ना॒ ति॒रः॒ वि॒श्वाः॒ अ॒हं॒ सु॒ना॒ दस्रा॒ हि॒र॒ण्य॒ऽव॒र्त्त॒नी॒ हि॒र॒ण्य॒ऽव॒र्त्त॒नी॒ इति॑ सु

नी

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

शुल्वा। सु। सुम्ना॥ सिंधुवाह्सा। सिंधुवाह्सा। माध्वी मम श्रुतं हवं। आ नः। रत्नानि। बिभ्र
तौ। अश्विना। गच्छतं। युवं। कृष्णा। हिरण्यवर्त्तनी। हिरण्या। वर्त्तनी इति। जुषाणा। वाजिनी
वसू। वाजिनी। वसू इति। माध्वी मम श्रुतं हवं॥ श्रथा। आ। बाध्वानिः। समिधा। जनानां। प्र
यो। पिपीहाना। यन्मथा। यादवा न्। ऊर्ध्वः। अग्निः। सुमनाः। सुमनाः। प्रातः। अस्थात्। स
मिद्धस्य। मं। इडस्य। रुशत्। अदर्शि। पाजः। महान्। देवः। तमसः। निः। आ। अमाचीय
न्। ईं। गुणस्य। रशना। अजीगः। ऋतस्य। शुचिः। आ। दुदुर्व्वे। शुचिभिः। गाभिः। अग्निः। आत्
दक्षिणा। युज्यानाः। वाऽर्थं। निऽउन्नानां। ऊर्ध्वः। अधयत्। जुजुषाणिः॥ श्रा। इदं। श्रेष्ठं। ज्योति
षां। ज्योतिः। आ। अगात्। चित्रः। प्रऽकेतः। प्रऽकेतः। अजनिष्ट। विश्वा। विश्वा। यथा। प्र

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सूता ग्राम्हता। सविदुः। सवाया एवा। एत्रि। उषासा। येनि। अरिक्रा। रुशद्वत्सा। रुशत्। व
सा। रुशती। स्वया। आ। अगात्। अरिक्रा। उ। रुशत्। सदनानि। अस्याः। समानबंधू। समा
नाबंधू इति। अमृते। अमृतइति। अस्वसारा। स्वसारइति। देवी। देवा। वर्म। वरतः। अमिनाना। अ
मिनानइति। समाने। समानः। सं। आनः। अधा। स्वस्त्रोः। अनंतः। अनु। अंतः। तं। अन्याऽन्या। अन्या
। अन्या। चरतः। दवक्षिष्टे। दव। क्षिष्टइति। नाम। पाथनइति। नानदतः। सुमाके। सुमा
केइति। नक्का। उषासा। समनसा। सामनसा। विरूपे। विरूपइति। अधा। आनाति।
अग्निः। उषसां। अग्रे। अह्नां। विप्राणां। विऽप्राणां। देवयाः। देवयाः। चा
वः। अस्तुः। अर्वाचा। नूनं। रथ्या। इह। यातं। पीपिवांसं। अश्विना। घर्मं। अ छान।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सऽस्कृतं॑ सं॒ऽकृतं॑ वा॒ मि॒मी॒तः॒ ग॒मि॒ष्टा॒ अं॒ति॒ऽनू॒नं॒ अ॒श्वि॒ना॒ उ॒प॒ऽस्तु॒ता॒ उ॒प॒ऽस्तु॒ता॒ इ॒हा॒ऽरि॒
वा॒ अ॒मि॒पि॒त्वे॒ अ॒ति॒ऽपि॒त्वे॒ अ॒व॒सा॒ आ॒ऽग॒मि॒ष्टा॒ आ॒ऽग॒मि॒ष्टा॒ प्र॒ति॒ऽअ॒व॒र्त्ति॒ दा॒शु॒षः॒ शं
न॒वि॒ष्ठा॒ शं॒ऽन॒वि॒ष्ठा॒ उ॒त॒ आ॒ऽया॒तं॒ सं॒ऽगा॒वा॒ सं॒ऽगा॒वा॒ प्र॒तः॒ अ॒क्रः॒ आ॒ऽक्रः॒ म॒ध्यं॒दि॒नं॒
उ॒दि॒ता॒ उ॒त्ऽइ॒ता॒ सू॒र्य॒स्य॒ दि॒वा॒ऽन॒क्तं॒ अ॒व॒सा॒ शं॒ऽन॒मे॒ना॒ ना॒ इ॒दा॒नीं॒ पी॒ति॒ः॒ आ॒ऽश्वि॒
ना॒ आ॒ऽन॒ना॒न॥२४॥ ए॒ताः॒ उ॒ऽत्याः॒ उ॒ष॒सः॒ क॒तं॒ अ॒क्र॒त॒ श्रवः॒ अ॒र्भा॒ऽरज॑सः॒ ना॒नु॒
अं॒ज॒ना॒ नि॒ऽमृ॒ष्ए॒वा॒ना॒ः॒ नि॒ः॒ऽऋ॒ए॒वा॒ना॒ः॒ आ॒यु॒क्षा॒नि॒ः॒ इ॒वा॒ धृ॒ष्ण॒वः॒ प्र॒ति॒ऽगा॒वः॒ अ॒रु॒
षी॒ः॒ य॒न्ति॒ मा॒त॒रः॒ उ॒नू॒ अ॒पत्न॒न्॒ अ॒रु॒णाः॒ ना॒न॒वः॒ इ॒था॒ स्वा॒यु॒जः॒ सु॒ऽआ॒यु॒जः॒ अ॒ ७०
रु॒षी॒ः॒ गा॒ः॒ अ॒यु॒क्ष॒त॒ अ॒र्कैः॒ ना॒ उ॒ष॒सः॒ व॒यु॒ना॒नि॒ः॒ इ॒र्व॒था॒ रु॒शं॒तं॒ ना॒नु॒ अ॒रु॒षी॒ः॒।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अश्विभ्यां। अर्वाङ्। नारीः। अपसः। नाविष्टिनिः। समाने। नासि। आने। योजने। आ।
परावतः। इषं। वहंतीः। सुकृता। सुकृते। सुदानवे। सुदानवे। विश्वा। इत्। अहः। यजमा
नाय। सुन्वते। इह। आ। वाधिः। अग्निः। यमः। उत्। एति। सूर्यः। विउषाः। चंद्रा। मही। आ
वः। अर्चिषा। अयुक्षातां। अश्विना। यातवे। रथं। घ्रा। असावि। दवः। सविता। जगत्।
पृथक्। यत्। युजाथे। इति। वृषणा। अश्विना। रथं। घृतेन। नः। मधुना। क्षत्रं। उक्षतं। अन्
नं। अस्माकं। वीरेषु। धत्तं। तनयेषु। वयः। धना। शूरसाता। शूर। माता। नाजमहि। अ
र्वङ्। त्रिचक्रः। त्रि। चक्रः। मधुवाहनः। मधु। वाहनः। रथः। जीरा। अश्वः। जीरा। अश्वः।
अश्विनो। यातु। सुष्टुतः। सु। स्तुतः। त्रिबंधुरः। त्रि। बंधुरः। मघवा। विश्वसौभगः। विश्वा।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सोऽनगः॒सो॑नः। आ॒वक्॑त्। विप॑दे। वि॒प॒दे॒। चतु॑ष्पदे। चतुः॑ऽपदे॥ १७॥ प्रा॒तः। धा॒राः॒। अ॒मृ॒तः॒। अ॒मर्त्यः॑। दि॒वः। न। यं॒ति॒। वृ॒ष्टयः॑। अ॒च्छ॒। वा॒जं॒। सह॑स्रिणं। अ॒ग्निं॒। प्र॒त्या॒सः॒। का॒वयः॑। विश्वा॑। व॒सू॒नि॒। अ॒र्ष॒। नि॒। हृ॒षि॒तः॒। उ॒ज्जा॒न॒ः। आयु॑धा। सः॒। म॒र्मृ॒जा॒नः॒। आयु॑भिः॒। हृ॒नः॒। राजा॑। इ॒व॒। सु॒व्र॒तः॒। सु॒ऽव॒नः॒। व॒यः॒ऽधाः॒। न। व॒ऽसु॒। सी॒द॒ति॒। सः॒। नः॒। विश्वा॑। दि॒वः॒। व॒सू॒नि॒। आ। पृ॒थि॒व्याः॒। अधि॑। उ॒मा॒नः॒। इं॒दो॒। आ। न॒॒ः॥ १८॥ ॥ इ॒त्य॒ष्टमः॒ प्र॒पा॒ठ॒कः॥ ॥ प्रा॒ऽअ॒त्य॒ः

धा॒राः॒। अ॒क्र॒न्। दे॒वऽयूः॑। सु॒तस्य॑। उ॒ज्रसः॑। दि॒वम्। अनु॑। प्र॒ऽरो॒च॒नः॒। प्र॒ऽरु॒षन॑ः। सं॒ऽजि॑। मृ॒ज्यं॒ते॒। वि॒ऽध॒सः॒। ए॒ण्यं॒तः॒। का॒र॒वः॒। गि॒रा। ज्या॒तिः॒। ज॒रा॒यु॑। इ॒न्द्रा॒यं॒। इ॒न्दो॒ इति॑। सु॒ष॒हा॒। सु॒ऽस॒दा॒ ७१

॥ सो॒मा॒। का॒नि॒। ता॒। पु॒ना॒ना॒य॒। प्र॒ऽतू॒। व॒से॒। प्र॒ऽहि॒। व॒से॒॥ वर्षि॑ष्ठं। सानु॑। उ॒प॒रि॒॥ १९॥ ए॒ष॒ ब्र॒ह्मा॒

यऽक्वि॑यः। चां॒। इत्। श्र॒व॒सः॑। पाता॑। यं॒ति॒। गिरः॑। न। सं॒ऽय॒तः॑। सं॒ऽय॒तः॑। वि॒ऽस्क॒न॒यो॒। यथा॑

प॒थः॑॥ २०॥ आ। च॒। व॒रि॒ष्ठं॒। य॒था॒। न॒। य॒॒। उ॒वि॒ऽअ॒स्थ॒। मा॒। उ॒वि॒ऽअ॒स्थ॒। मा॒। उ॒वि॒ऽक्रा॒ता॒। उ॒वि॒ऽक्रा॒ता॒।

शची॑ऽवः। वि॒श्व॒ऽया॒। मा॒त॒ः॒। आ। प॒प्रा॒थ॒। म॒हि॒ऽत्व॒ना॒। य॒स्य॒। ते॒। म॒हि॒ना॒। म॒दः॒। प॒रि॒ऽया॒

यं॒। ई॒यक्षः॑। हस्ता॑। व॒ज्रं॒। हि॒र॒ण्ऽय॒म्॥ २१॥ आ। यः। पुरं॑। न। मि॒नी॒। आ। द॒दि॒त्। अ॒त्यः॑।

क॒विः। न। नि॒न्यः॑। ना। अ॒र्वा॒। सूरः॑। न। रु॒रु॒क्वा॒न्। शा॒त॒ऽमा॒। शा॒त॒। आ॒त्मा॒। आ॒ऽजि॒। द्वि॒ऽज॒न्मा॒।

द्वि॒ऽज॒न्मा॒। वि॒श्वा॒। दा॒धा॒। का॒र्या॒णि॒। अ॒व॒स्यन्ती॑। च॒र॒ति॒। प्र॒ऽजा॒नन्ति॑। वि॒श्वा॒। रजां॑सि। सु॒। सु॒

चा॒नः॒। अ॒स्ला॒न्। दा॒ना॒। य॒ज्ञि॒यः॒। अ॒पां॒। स॒धऽस्थ॑। स॒धाऽस्थ॑। अ॒र्य॒ऽमा॒। दा॒ना॒। यः। द्वि॒

ज॒न्मा॒। द्वि॒। ज॒न्मा॒। वि॒श्वा॒। द॒धो॒। का॒र्या॒णि॒। अ॒व॒स्यन्। मर्तः॑। यः। अ॒स्मै॒। सु॒ऽतु॒कः॒। सु॒ऽतु॒कः॒॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

दर्शा॥धा॥आग्नेतमद्य॥अधा॥हि॥अग्ने॥क्रतोः॥भद्रस्य॥दक्षस्य॥साधोः॥रथीः॥ऋतस्य॥
बृहतः॥बभूथ॥एत्तिः॥नः॥आर्के॥भवा॥नः॥अर्वाङ्॥स्वः॥नाभिः॥अग्ने॥विश्वेभिः॥सु॥
मनाः॥सुमनाः॥अनीके॥पा॥अग्ने॥विवस्वदुषसः॥जुष्टः॥हिन्वः॥असि॥हव्यवाहनः॥
हव्यवाहनः॥आग्ने॥रथीः॥अधराणां॥सदः॥साह्यः॥अश्विन्यो॥उषसा॥सुवीर्यो॥सु॥
वीर्यो॥आग्ने॥याहि॥वषट्कृतिं॥अवः॥बृहत्॥दा॥विभुं॥दक्षं॥एषे॥समनेषु॥क्रतुना॥शा॥
कः॥अरुणः॥सुपर्णः॥सु॥पर्णः॥आयः॥अदः॥शकुनः॥सनन्॥अनीडः॥आनीडः॥य॥
स्तुचिकेत॥सत्यं॥इत्॥तत्॥न॥मोघं॥वसु॥स्पार्हं॥उत॥जिगात्॥उत॥दातारं॥आ॥एत्तिः॥ ७२
दादा॥रक्षा॥पि॥ऽस्यग्ने॥त्यत्तिः॥ओकः॥इत्र॥दाशे॥इत्र॥दाशे॥वक्षीः॥य॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Rakshasha Project

कर्मणः। क्रियमाणस्य। मक्षा। स्तनकर्म। स्तुता कर्म। उदस्तोयंता। उत। अस्तोयंत।
दवाः॥७॥ अस्मिसमामन्नय॰ सुनः। पिबंति। मित्रः। मित्रः। अर्यमा। उना। सूनस्य। वसु
णः। त्रिषधस्थस्य। त्रि। सधस्थस्य। जावनः। उत। ओ। नु। अस्य। ओषः। आ। इदः। सुन
स्य। गोमनः। प्रानः। दाना। इव। मंहति॥८॥ बएमहा॰ असि सूर्य। बडा। सूर्य। श्रवसा।
महान्। असि। सत्रा। दवा। महान्। असि। मक्षा। दवानां। असुर्यः। आ। सुर्यः। पुत्रादि
नः। पुरः। हिनः। विनु। विनु। जागनिः। अस्मभ्यं। आ। सत्यं॥९॥ उपानादृषिनिः। सुनो
हिता। यः। वृत्रहंतमः। वृत्रा। हंतमः। विदा। इदः। शनकतुः। धना। कृतुः। उपानादृ
षिनिः। सुनो। त्वं। हि। वृत्रहन्। वृत्रा। हन्। एषां। पाता। सामानां। असि। उपनो। हरिनिः

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सुतं॥९॥ प्रवोमहे महेवृधे नरधांसऽऊत्यवसेऽऊत्यवसेमहिनेसुवृक्तिंसुवृक्तिं।
इंद्रायब्रह्मजनयंतविप्राःविप्राःतस्यव्रतानिनामिनंतिधीराःइंद्रावएवीः।
अनुत्तमन्युंअनुतोमन्युंएवासत्रागंतानंदधिरेसहाध्वेदर्यश्वायशूषिणे
अश्वायवर्धयासोअपीनु॥१०॥यदिंद्रयावन्स्त्वंनृभिर्यांइन्मघवन्दिवे
दिवेदिवेदिवेगयः।आऊषुरथंविदाऊषुवाजंविदानुहिवत्वाअन्यतः
अनुयन्तारंनःआष्ठांवस्यःअस्मिपिनास्वानो॥११॥श्रुधीहवंविपिपानस्यविपिपानस्यआदुः।आदेःबोधाविप्रस्यविप्रस्यअर्चतः।मनीषांऊषुऊवांसिअंतमाःसखाइमानानागिरः।अपिमृष्योउरस्यानासुष्टुतिंसुसुतिंअ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

सुर्यस्या॒ आ सुर्यस्य विश्वान् सदा॑ता॒ ना॑मा॒ स्वय॑शाः॒ स्वाय॑शाः॒ वि व॑क्षि॒ सू॒रि॒हि॒तो॒
सव॑ना॒ मा नु॑ष॒ षु॒ सू॒रि॒ मनी॑षी॒ दवा॑ता॒ वां॒ इन्द्रा॑ मा॒ आ॒र॒ अस्म॒न् म॒घव॒न् ज्योक्
कृ॒धि॒॥ स्या॒ म॒ उ॒ सु॒ आ॒स्मे पु॒रा॒र॒थं॒ पुरः॑॥ रथं॑ इंद्राय॒ सू॒ष॒ अर्व॑ना॒ आँनी॑ कं॒
चि॒न्नु॒ उ॒ लो॒क॒कृ॒त्नु॒ लो॒क॒ कृ॒त्नु॒ सं॒गा॒ सं॒गा॒ स॒म॒स्सु॒ सा॒ म॒स्सु॒ वृ॒त्र॒हा॒ वृ॒त्रा॒ हा॒
अस्मा॑कं॒ बो॒धि॒ चो॒दि॒ता॒ न॒न॒मं॒ता॒ अ॒न्य॒केषां॑ अ॒न्य॒ केषां॑ ज्या॒का॑ अ॒धि॒ध॒
न्व॒सु॒ चां॒सि॒ हि॒न्व॒ अ॒वा॒ अ॒स्म॒दृ॒क्॥ अ॒ध॒रा॒चः॑ अ॒द॒न्॒ अ॒हिं॒ अ॒मा॒जुरुं॒॥ आ॒ म॒नु॒षः॑॥
इंद्रा॑ज॒क्षि॒ष॒ विश्वा॑ पु॒ष्या॑सि॒ वार्या॑णां॒ चा॒ प॒रि॒ स्व॒जा॒ म॒हि॒ न॒न॒मं॒ता॒ म॒न्या॒ कृ॒षां॒ ज्या॒
का॒ अ॒धि॒ध॒न्व॒सु॒ वि॒ सु॒ विश्वा॑॥ अ॒रा॒त॒यः॑॥ आ॒ र॒ण॒यः॑॥ अ॒र्यः॑॥ न॒ऽम॒न्ता॒ना॒ः॥ धि॒यः॑॥ अ॒स्मा॒॥

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

अभि। शत्रुऽवधायः। नः। इन्द्र। ऊतिऽभिः। सन्। का। नः। गन्धः। दिवः। वसुः। ननन्तमस्य। कर्षवः।
अस्माकाः। अधिऽवक्तरि। सुम्नम्। रक्षन्। इत्। रवतः। स्तोतृऽभ्यः। आ। भर। मघोनः। त्रायस्व। इत्।
उ। दक्षिवः। सुतस्य। उत्ऽशंवनस्य। मादयस्व। मा। नः। इन्द्र। पीयत्नवे। मा। अर्भकाय। पशवे। रसः।
शिक्षा। शचीवः। शचीनाम्। पते। देवऽइन्दो। इह। नः। अत्र। विनः। एषाम्। उग्रम्। नाधूनुहि।
नाधृषः। दिवः। असुष्वशासतः। दिवंऽदिवं। यत्। दिवाऽवसो। आ। वः। आ। वदन्। इह। सोमी।
घोषेण। वसुऽदः। दिवः। असुष्वशासतः। दिवंऽदिवं। यत्। दिवाऽवसो। पवस्व। सोम। मंदयन्।
नः। इंद्राय। मधुऽमत्ऽतमः। नः। सुताः। सः। विपश्चितः। विपः। विनः। अक्राः। वायुम्। अस्तृतान्। ७४
। अस्तृतऽनः। स्ववीतये। दिवः। वीताय। वाजयन्। नः। रथान्। ईव। इत्व। ॥ १७ ॥ अग्निः। दिवा।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayipur, New Delhi.

Taksashila Project

रमाय्य दासंतां यज्ञिभ्यां चा यजमानाः ऊवमाज्येभ्यं अंगिरसां विप्रा वि प्रा मेन्म
निः विप्रनिः वि प्रनिः शुक्रा मन्मनिः परियानां परि याणो इवाद्यां हो तारं
चर्षनिणीनां इडा विष्कृरां इडा चिः कृरां वृषणां यं शमाः विशः प्रावंतु प्रू
तायं विडाः सः हि पुरू चित् उक्षसा विरुक्मता वि रुक्मता दीद्यानः नवति
कुहंतरः कुहंतरः परशुः ना कुहंतरः कुहं तरः कीडु चित् यस्य सहृतो सं
रुतो श्रुवत् वना इवा यत् स्थिरं निः षहमाणः निः सहमानः यमते नाय्यं
ना धन्वा सहा धन्वा सूहा ना अय्यता रणा ॥ अर्द्धप्रपाठकः ॥ ॥ अग्नानवाश्वः
क्षयः मे हि क्रानंता अर्ज्जयः विना वासा विना वासा वृद्धाना वृद्धता नो शो

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Vaksahasrika Project

वसा। वज्रांऽ इव। दधसि। दक्षाय। कारो। पावक वर्चाः। पावका। वर्चाः। शुक्र वर्चाः। शुक्रा। वर्चाः। अरुण वर्चाः। अरुणा। वर्चाः। उत। ऋष्यसि। नानुना। उत्रः। उतत्रः। आनगा। विचरन्। विचरन्। उषः। अवसि। पृणक्षि। रोदसी इति। उभे इति। ऊर्ध्वः। नः। पाहि। ऊतये। जातवेदः। जातवेदः। सुशस्तिभिः। सु। शस्तिभिः। मंहस्व। धीतिभिः। हिनः। वह्नि। ऋषः। सांरधुः। शूरवर्पसः। हवि। वर्पसः। चित्रभानवः। चित्र। भानवः। कामजाताः। काम। जाताः। इरज्यन्। आ। इन। प्रथयस्व। जंतवे। अग्ने। राये। अमर्त्य। अ। मर्त्य। सः। दर्शतस्य। चक्षसः। वि। रजसि। पृणक्षि। दर्शतं। क्रतुं। इष्कर्तारं। अधरस्य। त्रसिनसः। त्रावितसः। कृधि। नः। धियसः। मह। गतिं। कामस्य। सुभगा। सु। भगा। मही। इषं। दधासि। सानसिं। रयिं।

Digitized by Vaidika Bharati Supana Trust, Mauritius, New Delhi

Rakshashila Project

ऋतावानं महिषं विश्वदर्शतं विश्वादर्शतमग्निं सुम्नाय दधिरे पुरो जनाः ॥ ऋक
सं श्चुन्ध्यूर्मिः सप्रथसमं सप्रथसमं वागादग्निं दैव्यं मानुषा युगा ॥ २ ॥ ग्रामे अग्ने
तावानित्तिः नवादह्मः नीतनवान्नवशाः रुचियः इधनः सोम्नाय सादं मही
नां उषसां असि प्रियः कृपः वसुः गजसि ॥ यानां उषधीः उषाधीः दधिरागर्भं रु
त्वियं नां आपः अग्निं जनयंत मातरः नां इन्द्रः समानं मं आनं वनिनः चा वीरुधः अंत
र्वतीः चा सुवाना चा विश्वहा विश्वाहा ॥ ३ ॥ अग्निः इंद्राय पवते दिवि शुक्रः विराजति
महिषि इवा विजायते ॥ ४ ॥ यः जाकारातो रुचः कामयंते यः जाकाराते अया
मानि यंति यः जाकारातो अयं सोमः आदत्तवा अहं अस्मि सख्या सख्यो नो

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Mayapur, New Delhi

Takshashila Project

काः। नि। उ काः। पा। अग्निः। जागार। तं। ऋचः। कामयंते। अग्निः। जागार। तं। उ। सामानि।
यंनि। अग्निः। जागार। तं। अयं। सामः। आदानगादम्भिसर्व्वन्योकाः॥ ६॥ नमः। स
र्व्विन्यः। मा। र्व्विन्यः। इर्वसज्ज्यः। मूर्वा। सज्ज्यः। नमः। साकं। निमिन्यः। साकं। निमिन्यः।
युंजा। वाचं। शानपदी। शता। पदी। सुंजा। वाचं। शानपदी। गायेसदस्रवर्त्तनी। सदस्र
। वर्त्तनी। गायत्रं। त्रिष्टुभं। त्रिष्टुभं। जगत्। गायत्रं। त्रिष्टुभं। जगत्। विश्वा। रूपाणि।
संहृता। सं। हृता। दकाः। उ काः। उ। सि। चक्रिरे॥ ७॥ अग्निः। ज्योतिः। ज्योतिः। अग्निः।
इंद्रः। ज्योतिः। ज्योतिः। इंद्रः। सूर्यः। ज्योतिः। ज्योतिः। सूर्यः। पुनः। ऊ इति। नि। वर्त्तस्व ७ ६
। पुनः। अग्ने। इषा। आयुषा। पुनः। नः। पाहि। अ। दसः। सदा। रय्या। नि। वर्त्तस्व।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

आप्रा॑ पिन्वस्व॒ धार॑या॒ विश्व॑स्मा॒ विश्वा॒ सुभ॑गा॒ विश्व॑तः॒ परि॑॥ यदि॑न्द्रादं॒ यथा॒ त्वं॑ शि॒क्षेयं॑ अस्मे॑ दि॒ष्टये॑ कवीपात॒ शचीपत॒ मनी॑षिणा॒ इय॑त्। अद॑। गा॒प॒तिः॑ गा॒। प॒तिः॑ स्वां॑ अ॒नुः॑ त॒न॒। इ॒न्द्र॒ स्तृ॒त॒। स्तृ॒त॒। यज॑मानाय॒ सु॒न्वा॒ते॒। गां॑ अश्वं॑ पिप्फ॒षी॒ऽउ॒ ह॒॥ ९॥ आपः॑ हि॒ स्थ॒। मया॑। भु॒वः॒। मयः॑। भु॒वः॒। नाः॒। नः॒। ऊर्जे॑। दधातन। दधातन। महे॑। रणा॑य। चक्ष॑से। यः॑। वः॒। शि॒वत॑मः॒। रसः॑। तस्य॑। नाः॒। उ॒श॒तीः॑। इ॒व॒। मा॒त॒रः॒। तस्मे॑। अरं॑। गमा॑म। वः॒। यस्य॑। क्षया॑य। जि॒न्व॒थ॒। आपः॑। जन॑यथा। च॒। नः॒॥ १०॥ कन॑। आ॒। वा॒तः॒। वा॒सि॒। न॒। ऊ॒र्जं॑। उ॒ष॒तः॒। प॒ति॒ऽइ॒व॒। वे॒ष॒। प्र। मा॒। भ॒न॒। धी॒ऽइ॒षि॒ता॒। इ॒य॒र्ति॒। वा॒चः॒। अ॒ग्रि॒ऽयुवा॑। पि॒ता॒। अ॒सि॒। नः॒। उ॒त। त्रा॒ता॒। उ॒त। नः॒॥ स॒खा॒। सु॒ऽअ॒व॒रः॒। नः॒। ऊ॒ती। कन॑। वे॒। रु॒धि॒। यन॑। अद॑। कन॑। नः॒। हू॒दे॒। अ॒ह॒नः॒। आ॒ऽह॒नं॒।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

निहितं। निऽहितं। गुहा। नस्या। नः। धेहि। जीवसे॥१२॥ अग्निं। नि। वाजी। विश्वऽरूपः। वि
श्वाऽरूपः। ऊतिऽभिः। हिरण्यऽवाः। बिभ्रत्। अर्कं। सुऽपर्सः। सु। पर्सः। सूर्यस्य। नाम्नुः। रु
आवसानः। परि। सूर्यं। मधाऽरुजः। जेष्ठा। अस्मुरतः। श्रि। श्रियं। विश्वऽरूपं। वि
श्वाऽरूपं। नऽरुः। पृथिव्यां। अधि। यन्। संऽबरूवं। सं। बरूवं। अंतरिक्षे। स्वं। मे। हि
मानं। मिमानः। कनिक्रंति। हरिऽभ्रः। अश्वस्य। रतः। अयं। सहस्रा। परि। युक्ता। व
सानः। सूर्यस्य। नाम्नुः। यज्ञः। दाधार। सहस्रऽदाः। शतदाऽउरिदावा। धर्त्रा। दिवः।
रुवनस्य। विश्पतिः॥१३॥ नाके। सुपर्णं। उपऽयन्तं। उत्ऽपतं। कृष्णः। गंधर्वः। अधि। नाके। ११
अस्थात्। प्रत्यङ्। पतिं। अङ्। विश्वा। बिभ्रत्। अस्या। आयुधानि। वसानः। अ

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

क्रं।सुरन्नि।सुरन्नि।दहा।कं।स्वः।न।नाम।ऊनन।घ्रियाणि।द्रप्सः।समुद्रं।सं।उ।श्रु।
इं।अन्नि।यत्।जिगानि।पश्यन्।गृध्रस्य।चक्षसा।विधर्मन्।विधर्मन्।ता।नुः।सु
क्रेण।शोचिषा।चकानः।हनीय।चक्रोरज्रमि।घ्रियाणि॥१३॥ ॥अर्द्धः घृणावकः॥ ॥
आशुः॥शिशानः।वृषभः।न।भीमः।घनाघनः।क्षोभणः।चर्षणीनां।संक्रंदनः।
सं।क्रंदनः।अनिमिषः।अ।निमिषः।एकवीरः।एकावीरः।शतं।सनाः।अजय
न्।साकं।इंद्रः।संक्रंदनन।सं।क्रंदनन।अनिमिषण।अ।निमिषण।जिष्णुना।
युक्कारेण।युत्।कारेण।युत्।कारेण।दुश्यवनेन।दुः।श्यवनेन।धृष्णुना।त
न्।इंद्रेण।जयत।तन्।सदध्वं।युधः।नरः।इषुहस्तेन।इषु।हस्तेन।वृष्णा।सः।इषु

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

हस्तेः। स्रुवा। हस्तेः। सः। निर्ऽगृभ्नितेः। नि। सृगितेः। वक्षी। सऽसृष्टा। सं। सृष्टा। सः। युधः। इंद्रः। गणे
नासऽसृष्टजित्। सऽसृष्टा। जित्। सोमपाः। सोमाऽपाः। बाकुऽशर्धी। बाकुऽशर्धि। उभयेषां। उ
भयेषां। प्रतिऽहिताभितेः। प्रतिऽहिताभितेः। अस्ता॥१॥ वृद्धः। पाता। पशिः। दीयं। रथेना। रक्षः। हा।
रक्षः। हा। अमित्रान्। अमित्रान्। अपऽबाधमानः। अपऽबाधमानः। प्रऽभंजन्। प्रऽभंजन्।
सेनाः। प्रऽमृणः। युधाऽजियः। अस्माकं। एधि। अविता। रथानां। बभ्वविऽश्रायः। ब
भ्वविऽश्रायः। स्थविरः। स्था। विरः। प्रऽवीरः। प्रा। वीरः। सहस्वान्। वाजी। सहमानः। उग्रः। अ
भिऽवीरः। अभि। वीरः। अभि। सत्वा। साहाजाः। सहः। जाः। जित्रं। इंद्र। रथं। ७८
आभिष्ठा। नो। वित्। नो। वित्। गोत्रभित्। गोत्रा। भित्। गाः। किः। गो। विदं। वज्रं। बाहुं। वज्रं। बा

हुं। भयंता। अग्ना। प्रऽमृणंता। प्रा। मृणंता। उनसा। इमं। सजाताः। सा। जाताः। अनु। वीरय
ध्वं। इंद्रं। सखायः। सा। खायः। अनु। सं। रभध्वं॥२॥ अभि। गोत्राणि। सहसा। गाहमानः। अदयः। अ
दयः। वीरः। शतमन्युः। शता। मन्युः। इंद्रः। दुश्यवनः। दुः। श्यवनः। इतना। षाट्। अयुधः।
अयुधः। अस्माकं। सेनाः। अवतु। प्रऽयुत्सु। इंद्रः। आसां। नेता। बृहः। पतिः। दक्षिणा।
यज्ञः। पुरः। एतु। सोमः। देवसेनानां। देवसेनानां। अभिऽभंजतीनां। अभि। भंजतीनां।
जयंतीनां। मरुतः। यंतु। अग्रं। इंद्रस्य। वृष्णः। वरुणस्य। राज्ञः। आदित्यानां। आ। दित्यानां।
मरुतां। शर्धः। उग्रं। महः। मनसां। महः। मनसां। भुवनस्य। यवानां। भुवनात्। यवानां। घोषः।
देवानां। ऊयतां। उत्। अस्थात्। शुः। उत्। हर्षय। मघवन्। आ। युधानि। उत्। सत्वनां। मामं

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

कानांमनाऽसिऽउत्।इत्रऽइत्।इत्राऽइत्।गाऽइनां।काऽजिनानि।ऽउत्।रथानां।ऽजयतां।यं
ऽघोषाः।अस्माकं।इंद्रः।समृऽतेषु।सं।ऽकृतेषु।धऽजेषु।अस्माकं।याः।इषवः।ताः।ऽजयंतु
अस्माकं।वीराः।ऽउत्तराःऽभवंतु।अस्मान्।ऽउदवाः।अवता।हवेषु।आसोयासनाम
ऽऊतयः।पारेषां।अत्यंहि।अंहिऽएनिनः।ऽउऽसा।स्पर्धमानानां।शृष्टानमसा।अपऽव्र
तेन।अपाऽव्रतेन।यथा।एतेषां।अन्यः।अन्यस्य।अन्यं।अन्यायं।नाऽजानात्।धा।अर्मः
कांचित्।प्रतिऽलोमयंती।प्रतिऽलोमयंती।गृहाणां।अंगानि।अप्ऽवेपमाना।हरिऽआसि।
पाहरिऽनिः।दहा।ऽऊस्राऽइवाकेः।अंधेन।अमित्राः।अऽमित्राः।नमसा।सवनां।प्राऽइ ७९
नाऽजयन्।नरः।इंद्रः।वः।शर्मायछऽउग्राः।वः।संऽउबाहवः।अनाधृष्याः।अन।

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

आधृषाः। यथा। असथ। एव। सृष्टाः। परा। पत। शरव्ये। ब्रह्मसंशिते। ब्रह्मा। संशि
ता। गच्छ। अमित्रान्। अा। मित्रान्। मा। पद्यस्व। मा। अमीषां। कं। चन। उत्। शिषः॥ या। कंकाः।
सुपर्णाः। सुपर्साः। अनु। यंतु। एनान्। एषाणां। अन्नं। आसः। अस्तु। सना। मा। एषां।
मा। वि। अघ। दारः। अघा। दारः। चन। इंद्र। वयांसि। एनान्। अनु। संयंतु। अनु। संयं
तु। सर्वान्। अमित्रसना। अमित्र। सनां। मघवन्। अस्मान्। शत्रुयतीं। अभि। भैं
तिं। इंद्र। वृत्रहन्। वृत्र। हन्। अभिः। च। दहनं। प्रति। यत्रा। बाणाः। संपतंति।
संपतंति। कुमाराः। विशिखा। वि। शिखाः। श्वानत्रा। नः। वरुणः। पतिः। अदितिः।
अदितिः। शर्म। यच्छतु। विश्वाहा। शर्म। यच्छतु। घा। गिरः। वि। मृधः। जहि। वि। वृत्रे

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi.

Takshashila Project

स्याद्दृंहतिः।रुजः।विमन्थं।इंद्राहत्रदनुः।हत्रादनुः।अमित्रस्य।अमित्रस्य।अत्तिदासतः।
अत्तिदासतः।विनः।इंद्राहिधः।ऊर्द्धानीवायच्छा।पृतन्यतः।यात्रसमा।अत्तिदासतः।
अधरंगमयातमः।इंद्रस्य।बाहूइति।स्थविरौ।स्थविरौ।युवानौ।अनाधृष्यौ।अ
नाधृष्यौ।सुप्रतिकौ।सुप्रतिकौ।असत्यौ।असात्यौ।नौ।युंजीत।प्रथमौ।यौ
गौ।आगता।आगतायास्त्यौ।जितं।असुराणां।असुराणां।सदः।मदन्ती।गामश्वं
लोहितं।वर्मणा।छादयामि।सोमः।वः।राजा।अमृतेन।अमृतेन।अनु।वस्तां।उषसः।
वरीयः।वरुणः।ताः।उणोतु।जयतां।इव।अनुादवाः।मदंतु।अंधाः।अमित्राः।अमित्राः।
:।नवना।अरीर्षणः।अरीर्षणः।अदयः।इव।ततधुः।वः।अग्निनुन्नानां।अग्निनुं

Digitized by Vaidika Bharata/Suparna Trust, Maujpur, New Delhi

Takshashila Project

नानांइंद्रःइंद्धावरंवरांवरांवरांयःनःस्वःअरणःयःचनिष्टुःजिघा६सति
ःनांसार्वभूर्वेद्धात्वल्वर्मममअंतरंशर्मवर्मीममअंतरं॥८॥मृगःनानीमं
कुचरःगिरिष्ठाःगिरिस्ठाःपरावतःनागजगंथापरस्याःसकंस६शायासोमा
यापविंईंद्रानिग्मंविवाक्षूनाहिविमृधःनुमुचानद्रंकार्ष्मिनिःशृणुयामा
दवाःनद्रंपरमाअजनिःआदनिःयजत्राःस्थिरेःअंगेःउष्णिक६सः
द्धासुवा६सःनन्नूनिःविआवरमहिःदवदितांस्वादितांयन्नआयुःस्वस्मि
मुआग्निनःईंद्रःवृद्धश्रवाःवृद्धाश्रवाःस्वस्तिसुआग्निनःदृषाविश्वावदा
श्वाविष्टाःस्वस्तिसुआग्निनःतार्क्ष्यःअरिष्टनेमिःअरिष्टनेमिःस्वस्ति

Takshashila Project

Digitized by Vasanta Bhagata/Supama Trust, Delhi. CC-0. New Delhi Municipal Council